हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 24.01.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 180 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

#Historic England के साथ बैठक में मुख्यमंत्री को मिला एवेबरी और स्टोनहेंज भ्रमण का विशेष आमंत्रण

झारखंड अपनी प्राचीन एवं आदिवासी विरासत के संरक्षण और वैश्विक पहचान को सुदृढ़ कर रहा : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 'झारखंड @25' वैश्विक आउटरीच के तहत यूनाइटेड किंगडम प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार के एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल ने Historic England यूके की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु उत्तरदायी सार्वजनिक संस्था के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य विरासत संरक्षण, अनुसंधान एवं सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना रहा।

बैठक के दौरान मेगालिथ, मोनोलिथ, प्रागैतिहासिक परिदृश्य एवं जीवाश्म पार्कों के संरक्षण से जुड़ी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं, वैज्ञानिक प्रलेखन, संरक्षण योजना, व्याख्या तथा समुदाय-आधारित विरासत प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर Historic England द्वारा मुख्यमंत्री को शनिवार को एवेबरी और स्टोनहेंज जैसे विश्व-प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक स्थलों के भ्रमण हेतु विशेष आमंत्रण भी दिया गया।

यह बैठक यूके भारत व्यापक सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम, 2025 के संदर्भ में आयोजित हुआ, जो विरासत संरक्षण, संग्रहालय,

पुरातत्व, क्षमता निर्माण, अनुसंधान आदान-प्रदान, प्रलेखन और जन सहभागिता के लिए एक संरचित द्विपक्षीय ढांचा प्रदान करता है। यह कार्यक्रम भारतीय एवं ब्रिटिश विरासत संस्थानों के बीच संस्थागत साझेदारी, विशेषज्ञ आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग को सक्षम बनाता है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है, जो इस द्विपक्षीय ढांचे का उपयोग कर अपनी प्राचीन एवं आदिवासी विरासत के संरक्षण और वैश्विक पहचान को सुदृढ़ कर रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि झारखंड उन चुनिंदा क्षेत्रों में से है जहाँ मेगालिथिक परंपराएँ आज भी जीवित सांस्कृतिक प्रथाओं के रूप में समुदायों के दैनिक जीवन से जुड़ी हुई हैं। बैठक में झारखंड की प्रमुख विरासत स्थलों पकरी बरवाडीह (हजारीबाग), जो सूर्य की गति से संरेखित एक विशिष्ट मेगालिथिक परिसर है, मंदर जीवाश्म उद्यान, साहिबगंज, तथा राज्य के विभिन्न जिलों में फैले मोनोलिथ, शैलचित्र और पाषाण स्मारकों को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया। झारखंड सरकार की दृष्टि विरासत संरक्षण को अनुसंधान, शैक्षणिक साझेदारी, स्थानीय आजीविका, समुदाय-आधारित सांस्कृतिक पर्यटन और आदिवासी ज्ञान प्रणालियों से जोड़ने की है।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल द्वारा "Sentinels of Time" शीर्षक से प्रकाशित एक कॉफी टेबल बुक भी प्रस्तुत की गई, जिसमें झारखंड के मेगालिथिक और जीवाश्म परिदृश्यों को शोध-आधारित आलेखों और दृश्य दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है, ताकि राज्य की विशिष्ट प्रागैतिहासिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जा सके।

इस कार्यक्रम में मंत्री सुदिव्य कुमार, अध्यक्ष, महिला एवं बाल विकास समिति झारखण्ड विधानसभा कल्पना मुर्मू सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह सचिव वंदना डाडेल, इंग्लैंड की सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्लॉडिया केन्याटा एवं भारतीय उच्चायोग, ब्रिटिश उप-उच्चायोग (कोलकाता), English Heritage Trust, National Trust तथा Natural England के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने यूके की मंत्री से मुलाकात कर झारखंड-यूके सहयोग को नई दिशा दी

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने यूनाइटेड किंगडम सरकार की संसदीय अवर सचिवसीमा मल्होत्रा से भेंट कर शिक्षा, कौशल विकास, उत्तरदायी खनन, क्लाइमेट ट्रांजीशन, संस्कृति एवं विरासत संरक्षण जैसे क्षेत्रों में झारखण्ड यूके के बीच व्यावहारिक सहयोग को सुदृढ़ करने पर चर्चा की। यूके ने झारखण्ड सरकार की मरांग गोमके जयपाल मुंडा ओवरसीज स्कॉलरशिप तथा चेवनिंग मरांग गोमके जयपाल मुंडा ओवरसीज स्कॉलरशिप की सराहना करते हुए इन्हें भारत यूके साझेदारी का सशक्त और जीवंत उदाहरण बताया। पिछले चार वर्षों में इन योजनाओं के माध्यम से 100 से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिला है। दोनों पक्षों ने सस्टेनेबिलिटी-लिंक्ड स्कॉलरशिप मार्गों पर कार्य करने तथा विदेश अध्ययन को मेंटोरशिप, इंटर्नशिप, नेतृत्व विकास और सार्वजनिक सेवा अनुभव से जोड़ने के लिए एक एक निश्चित योजना विकसित करने पर रुचि व्यक्त की। बैठक में यूके के प्रमुख विश्वविद्यालयों, स्किल्स एवं क्वालिफि केशन संस्थानों के साथ संस्थागत साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। इसमें खनन प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं सततता, डेटा एवं एआई, गवर्नेंस और सार्वजनिक नीति जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम, फैकल्टी एक्सचेंज, एप्लाइड रिसर्च तथा टीवीईटी और अप्रेंटिसशिप मार्गों की स्थापना शामिल है। आर्थिक और जलवायु सहयोग के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने उत्तरदायी खनन के क्षेत्र में यूके की क्षमताओं के साथ घनिष्ठ सहयोग का प्रस्ताव रखा, जिसमें ईएसजी सिस्टम, मिनरल ट्रेसबिलिटी, खदान सुरक्षा, स्वच्छ प्रसंस्करण तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन शामिल हैं। इस अवसर पर उत्तरदायी क्रिटिकल मिनरल्स पर एक झारखण्ड-यूके वर्किंग ट्रैक स्थापित करने पर भी चर्चा हुई।

झारखंड में संभावनाओं पर वैश्विक संवाद में शामिल हुए हेमन्त सोरेन

कई देशों के नीति निर्माता एवं प्रतिनिधियों से किया संवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने यूनाइटेड किंगडम स्थित भारत के उच्चायोग में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी द्वारा आयोजित आधिकारिक स्वागत समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों से संवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान हुई चर्चा का मुख्य केंद्र भारत के समग्र विकास में झारखंड के योगदान को रेखांकित करना रहा। मुख्यमंत्री सोरेन ने झारखंड की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक संभावनाओं, प्राकृतिक संसाधनों और मानव संसाधन की क्षमताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि झारखंड खनिज संपदा, युवा शक्ति और सांस्कृतिक विरासत के जरिए देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संवाद के दौरान यूनाइटेड किंगडम के साथ विरासत संरक्षण और सांस्कृतिक साझेदारी के अवसरों पर भी विशेष चर्चा हुई। साथ ही उच्च शिक्षा, कौशल विकास, खेल और महत्वपूर्ण खनिजों एवं क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में संभावित सहयोग की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग से झारखंड के युवाओं को वैश्विक अवसर मिल सकते हैं।

यह संवाद यूके-भारत रणनीतिक साझेदारी के व्यापक ढांचे और दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद द्विपक्षीय सहयोग के अनुरूप रहा। कार्यक्रम को झारखंड के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेश, शिक्षा और तकनीकी सहयोग के नए द्वार खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

एक करोड़ के अफीम के साथ तीन गिरफ्तार

हजारीबाग : जिले के लोहसिंघना थाना क्षेत्र में पुलिस ने 20.5 किलोग्राम अफीम जब्त की है। इस कार्रवाई में तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया गया। जब्त अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये बताया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की है। सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, शहर के कोलघटी क्षेत्र में एक सफेद अपाचे बाइक पर सवार तीन युवक एक बोरे में सामान लेकर घूम रहे थे।

एक नजर

कठुआ में जैश का आतंकी ढेर

कठुआ : जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षाबलों ने आतंक के खिलाफ एक और निर्णायक प्रहार किया है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसीम मुनीर भले ही आईएसआई के माध्यम से कश्मीर को फिर से अशांत करने का लाख प्रयास करे लेकिन सुरक्षा बल उनके एक-एक नापाक मंसुबों को मिट्टी में मिलाने को तैयार हैं। बिलावर के घने जंगलों में छिपे मौत के सौदागरों के लिए आज भारतीय जवान यमराज बनकर सामने आए। जैसे ही सूरज की किरणें बिलावर की पहाड़ियों पर पड़ीं, गूंठी उठी गोलियों की आवाज ने साफ कर दिया कि आज किसी की खैर नहीं है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक छोटी लेकिन जांबाज टीम ने सेना और सीआरपीएफ के साथ मिलकर जाल ऐसा बिछाया कि आतंकी उस्मान को भागने का एक भी रास्ता नहीं मिला। यह ऑपरेशन उस शौर्य की गाथा है, जहां चंद जांबाजों ने जैश-ए-मोहम्मद के एक ट्रेंड पाकिस्तानी दहशतगर्द को मिट्टी में मिला दिया। जम्मू आईजीपी के अनुसार, बिलावर के जनरल एरिया में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। सुरक्षाबलों ने बिना समय गंवाए इलाके की ऐसी घेरेबंदी की कि परिंदा भी पर न मार सके। इस संयुक्त ऑपरेशन में जैश-ए-मोहम्मद का पाकिस्तानी आतंकी उस्मान मारा गया है। किश्तवाड़ जिले के चतरु के जंगलों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी के बाद, कल रात से इलाके में हो रही भारी बर्फबारी ने सर्च ऑपरेशन में रुकावट डाली है। लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बावजूद, सुरक्षा बल डटे होने के साथ ही इलाके की घेराबंदी बनाए हुए हैं जिससे आतंकवादियों को इलाका छोड़ने की कोई जगह न मिले। अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी शुरू होने के बाद सर्च ऑपरेशन की गति कम हो गई है, लेकिन सुरक्षा बल तैनात हैं।

उज्जैन में दूसरे दिन भी भड़की हिंसा, जुमे की नमाज के बाद दो पक्ष भिड़े, बस फूंकी

एजेंसी

उज्जैन : उज्जैन के तराना में हुआ सांप्रदायिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार रात तनावपूर्ण हालात के बाद शुक्रवार दोपहर एक बार फिर स्थिति बिगड़ गई। बस स्टैंड इलाके में पथराव हो गया और एक बस आग के हवाले कर दी गई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस ने उपद्रवियों पर बीएनएस की धारा 163 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। शुक्रवार दोपहर को जब पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी यह समझ रहे थे कि पूरा मामला शांत हो गया है तभी तकिया मोहल्ला क्षेत्र बस स्टैंड में 50 से 60 लोगों की भीड़ पहुंची और पथराव शुरू कर दिया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि भीड़ में शामिल लोग धर्म विशेष के थे। पथराव के बाद दूसरे पक्ष के लोग भी सड़क पर उतर आए। दोनों समुदाय के लोगों के आमने-सामने आने के बाद पुलिस ने उन्हें रोका लेकिन इसी बीच किसी व्यक्ति ने यहां खड़ी एक बस में आग लगा दी। इसके बाद इलाके के हालात बिगड़ गए। गुरूवार को तराना की शुक्ला गली में रहने वाला सोहिल पिता सोनू ठाकुर उम्र 26 साल अपने घर से करीब 200 मीटर दूर राम मंदिर संघ कार्यालय के नजदीक बैठा था। शाम करीब 7.30 बजे ईशान मिर्जा और उसके साथ आठ से दस लोग लोहे की रॉड, लाठी और चाकू लेकर सोहिल के पास पहुंचे और उसे धमकाने लगे। इन लोगों का कहना था कि तुम (सोहिल) हमारे काम में बहुत टांग अड़ाते हो, हमारे रास्ते में मत आया करो। आरोपियों के साथ सोहिल की कहासुनी हुई, इसी बीच आरोपियों ने सोहिल के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। सोहिल को बचाने उसका चचेरा भाई आया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। सोहिल को तत्काल ही तराना के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे उज्जैन रैफर कर दिया गया।

युवाओं का समर्पण और अनुशासन यह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है : नौसेना प्रमुख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित सीसीएल के संगम ऑडिटोरियम में शुक्रवार को 'विकसित भारत-2047' संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत संबोधन से हुई। सीसीएल के निदेशक हर्ष नाथ मिश्रा ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का आभार व्यक्त करते हुए इस संवाद कार्यक्रम की पहल के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी, अन्य अतिथियों, रक्षा बलों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए 'जय हिंद, जय भारत' के उद्घोष के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आज का दिन विशेष रूप से पावन है, क्योंकि यह बसंत पंचमी, मां सरस्वती की आराधना और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती का अवसर है। उन्होंने युवाओं को 'विकसित भारत-2047' का ब्रांड एंबेसडर बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि ऊर्जा और प्रेरणा का संगम है। संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि एक लाख युवा संकल्प के साथ आगे बढ़ें, तो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने कहा कि देश की आधी से अधिक आबादी 30 वर्ष से कम आयु की है और यही युवा शक्ति भारत का भविष्य तय करेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि सभागार भले ही छोटा हो, लेकिन यहां उपस्थित युवाओं के दिल और सपने बहुत बड़े हैं। युवाओं का समर्पण और अनुशासन यह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत-2047' अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की नियति बन चुका है।

एडमिरल त्रिपाठी ने रिले रेस का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी अगली पीढ़ी को विकास की 'बैटन' सौंपने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को चार ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे देश अवश्य हासिल करेगा। उन्होंने समुद्री शक्ति और ब्लू इकोनॉमी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से होता है, जबकि देश की 88 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताएं भी समुद्र के रास्ते पूरी होती हैं।

द्रमुक शासन के अंत की उलटी गिनती शुरू, तमिलनाडु में शीघ्र ही बनेगी डबल इंजन सरकार : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

मदुरांतकम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक शासन के अंत की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। राज्य की जनता अब सत्ता परिवर्तन चाहती है और आगामी विधानसभा चुनाव में राजग की सरकार बनना तय है।

प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2026 में यह मेरी तमिलनाडु की पहली यात्रा है। पोंगल, तमिलनाडु के विकास और महान नेता एमजीआर की स्मृतियों से जुड़े इस पावन सप्ताह में यहां आकर मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। पोंगल के बाद राज्य में उत्साह और उल्लास का वातावरण है। भारत के विकास में तमिलनाडु के लोगों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती भी है, इस पवित्र भूमि से मैं उन्हें नमन करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तमिलनाडु अब सत्ता परिवर्तन के लिए पूरी तरह तैयार है। जनता द्रमुक सरकार से मुक्ति चाहती है और राजग को अवसर देना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में द्रमुक का सत्ता से जाना तय है और मंच पर मौजूद सभी सहयोगी दलों के साथ मिलकर राजग निश्चित रूप से राज्य में सरकार बनाएगा।

प्रधानमंत्री ने द्रमुक सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह झूठे वादों के सहारे सत्ता में आई और पिछले पांच वर्षों में एक भी वादा पूरा नहीं किया।

केरल में पहली बार चली अमृत भारत मोदी ने तीन ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

तिरुवनंतपुरम : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां आयोजित कार्यक्रम में केरल से चलने वाली तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहला मौका है जब केरल में कोई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन चली। इसके साथ ही श्री मोदी ने इसी त्रिशूर-गुरुवायुर यात्री ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन के चलने से रोजमर्रा के कामों के लिए यात्रा करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) ने बताया कि दक्षिण भारत में रेल यात्रा में आज नये युग की शुरूआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है वो यात्रियों को तेज, सुरक्षित, आरामदायक और किफायती यात्रा की सुविधा प्रदान करेंगी।

जनजातीय समाज के अलावा प्रमुख लोगों के साथ आज संवाद करेंगे मोहन भागवत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शुक्रवार को सेवा विमान से रांची पहुंचे। एयर पोर्ट पर आरएसएस के प्रमुख अधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। मोहन भागत आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर देश भर में आयोजित हो रहे संवाद कार्यक्रम के तहत रांची पहुंचे हैं। शताब्दी वर्ष पर आरएसएस देश भर में उस क्षेत्र के प्रमुख लोगों के साथ संवाद स्थापित कर रहा है। उनके विचार जान रहा है और आरएसएस के बार में उस क्षेत्र के प्रमुख लोगों को बता रहा है। मोहन भागवत भी इसी उद्देश्य से रांची पहुंचे हैं। जानकारी के अनुसार 24 जनवरी को कार्निवल वेंक्वेट हॉल में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दिन के साढ़े 10 बजे से लगभग साढ़े तीन बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में जनजातीय समाज के प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा अन्य क्षेत्र व समाज के प्रमुख लोगों को भी पूरे झारखंड से आमंत्रित किया गया है। संवाद कार्यक्रम में मोहन भागवत आरएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यों और इसके उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। पिछले 100 साल में आरएसएस ने देश और समाज के लिए क्या किया, इसे भी रेखांकित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर भी होगा। इसमें कार्यक्रम में शामिल हो रहे झारखंड के प्रमुख लोग उनसे सवाल पूछ सकेंगे। संवाद कार्यक्रम में संघ के क्षेत्र प्रचारक रामनवमी जी, प्रांत प्रचारक गोपाल जी के अलावा संघ के कई वरीय पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। संवाद कार्यक्रम के बाद मोहन भागवत रांची से शनिवार को ही लौट जाएंगे।

एक नजर

झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज ने मनाई नेता जी की जयंती

बरही : झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज- सह- बुद्धिजीवी मंच अनुमंडल शाखा बरही कार्यालय में देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 130 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष राष्ट्रपति पुरस्कृत ईशो सिंह एवं संचालन महासचिव महेंद्र दुबे ने किया। सर्वप्रथम नेताजी की तस्वीर पर बारी-बारी से पुष्प समर्पित किया गया। तदुपरांत नेताजी की जीवनी एवं देश की आजादी में उनके द्वारा किए गए कृतियों पर प्रकाश डाला गया। मौके पर ईशो सिंह, महेंद्र प्रसाद दुबे, साधु शरण दास, नकुल देव राणा, कामेश्वर सिंह, अनमोल राणा, रामचंद्र पांडेय, रामप्रसाद राम, डॉ0 विनोद कुमार, विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

श्री श्याम बाबा का बागा पोशाक पाकर भाव विभोर हुए भक्त

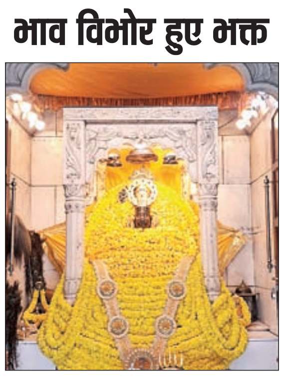

रांची : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में खाटूनरेश का बसंत पंचमी पर्व उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। खाटूधाम के श्री श्याम मंदिर की परंपरा अनुसार बाबा श्री श्याम का बसंत उत्सव महास्नान अनुष्ठान विधि विधान से मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में संपन्न कराया गया। प्रातः कालीन 5.30 बजे की मंगला आरती के बाद से ही भक्तों की भीड़ मंदिर में आने लगी थी। इसके बाद मंड के पर्दे लगा कर श्री श्याम प्रभु का महास्नान विधि विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ किया गया । मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया की भक्तों की भीड़ सुबह से ही आने लगी थी। भक्तों के दर्शनार्थ हेतु लाइनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। दूर दूर से श्याम भक्त अंग वस्त्र बागा के लिए मंदिर आने लगे थे। पीला गुलाब पिला स्टार पीला गेंदा एवं अनेकों तरह के फूलों से बाबा श्याम का बासंती श्रृंगार किया गया। साल के बड़े महास्नान अनुष्ठान में से एक बसंत उत्सव पर्व का महास्नान होता है। साल भर पहनने वाले बागा पोशाक अंग वस्त्र का वितरण आज किया गया। श्याम जगत में ऐसी मान्यता है कि इस वस्त्र में इतनी शक्ति होती है कि मरते व्यक्ति में प्राण डाल दे बांझ औरत की गोद भर दे। बड़े से बड़ा काम भक्तों का पार लगा दे । बासंती पोशाक बागा की सेवा सुशील रीना अग्रवाल के परिवार के द्वारा निवेदित कि गई थी। पंचमेवा भोग सेवा अमन अग्रवाल बलवंत लाल सुमन के परिवार द्वारा निवेदित कि गई। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में मण्डल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़ियां, मंत्री पंकज गाड़ोदिया, विष्णु चौधरी, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल, आंतरिक अंकेक्षक राजेश चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा, राजेश ढांढनीया, प्रवीण अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों में रतन सिंघानिया, सलज अग्रवाल, श्याम सेवकों में हेमंत जोशी, रोशन खेमका, संकेत चौधरी, अंकित सिंह, दिनेश अग्रवाल, विशाल सर्वेश अग्रवाल, निखिल नारनौली, प्रकाश सरावगी आदि अनेक सदस्यों श्यामसेवको ने महत्पूर्ण योगदान दिया।

भक्तिभाव से हुई विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना, विद्यार्थियों व युवाओं में उत्साह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी शैक्षणिक संस्थानों में विद्या की देवी माता सरस्वती पूजा की धूम रही। विद्यार्थियों के लिए महापर्व सरस्वती पूजा को लेकर शुक्रवार को विद्यार्थियों व विभिन्न क्लबों के युवाओं में उत्साह चरम रही। बरही के बीसों पंचायत में स्थित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों व क्लबों में बुधवार को विद्यादायिनी मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। पूजा को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह का माहौल रहा। शहर के विभिन्न विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और अन्य स्थानों पर खूब आस्था और श्रद्धा भाव से मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। पूजा को लेकर नैनिहलों में भी

विशेष उत्साह देखा गया। छोटी छोटी बच्ची साड़ी पहन कर आकर्षक परिधान में अपने विद्यालय व विभिन्न पूजा पंडालों में देवी की प्रतिमा दर्शन करते देखे गए। वहीं भामाशाह विद्यालय बरही, झारखंड नेशनल पब्लिक स्कूल कोनरा, विवेकानंद विद्यालय खोड़ाहर, परियोजना बालिका उच्च विद्यालय बरही, प्लस टू उच्च विद्यालय बरही, रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल रसोइया धमना, श्रीदस स्कूल इंटरनेशनल देवचंदा मोड़, मध्य विद्यालय बरही, इंडियन एंथम स्कूल श्रीनगर, रैनबो स्कूल शिवपुर, इंडियन पब्लिक स्कूल ओरिया सिंहपुर, आर्यभट्ट इंस्टिट्यूट सेंटर, वेक्टर क्लासेस एचबी रोड़ , करियातपुर में स्थित सनराइज एकेडमी, माउंट ओलिवेट स्कूल गुड़ियो, गांधी उच्च विद्यालय करियातपुर, एसडीजीएम एकेडमी कोनरा, भीम राव अंबेडकर पब्लिक स्कूल मलकोको, रा. मध्य विद्यालय बेंदगी, प्लस टू उच्च विद्यालय करियातपुर, डॉ. अंबेडकर कोचिंग सेंटर धनबाद रोड, सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल रसोइया धमना, उ. उच्च विद्यालय खोड़ाहर, संत मैरी पब्लिक स्कूल कोनरा, सरस्वती विद्या पीठ कोनरा, झारखंड नेशनल पब्लिक स्कूल जेएनपी कोनरा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोल्हूआ कला, मध्य विद्यालय मलकोको सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में विद्या की देवी की पूजा विधि विधान से की गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी पंडाल बना कर मां सरस्वती की पूजा अर्चना धूमधाम से की गई। ध्वनि विस्तारक यंत्रों द्वारा मां की मधुर गीत और जयकारा की गूंज से आसपास का वातावरण उत्साह से भर उठा। इधर बरही शहरी क्षेत्र अंतर्गत पटना रोड में केशव क्लब, धनबाद रोड में सम्राट क्लब, विशाल क्लब, मासूम क्लब, गया रोड़ डायमंड क्लब, मल्लाह टोली शान क्लब, रसोईया धमना में शानदार क्लब, प्रगतिशील क्लब, छोटकी बरही क्लब, बरहीडीह शेर क्लब आदि क्लबों ने आकर्षक सजावट बीच मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां विंध्यवासिनी कॉलेज में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन परिसर में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के वातावरण में विधिवत रूप से सम्पन्न हुई। इस पावन अवसर पर महाविद्यालय परिसर स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर के पुजारी सत्यनारायण पांडे के निर्देशन में शंखध्वनि एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने पूर्ण विधि-विधान से मां सरस्वती का पूजन, हवन एवं आरती कर ज्ञान, बुद्धि और विवेक की कामना की। सरस्वती पूजा के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, प्रशिक्षु एवं कर्मियों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर मां के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। पूरे परिसर में भक्तिमय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। पूजन के उपरांत प्रशिक्षुओं द्वारा भजन, कीर्तन, गायन एवं नृत्य सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। रंगारंग कार्यक्रमों ने उपस्थित श्रद्धालुओं और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन से महाविद्यालय परिसर दिनभर धार्मिक और सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर रहा।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल परिसर में आज विद्या, बुद्धि और कला की देवी माँ सरस्वती की पूजा पूरे श्रद्धा-भाव और उल्लास के साथ संपन्न हुई। विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा, जहाँ छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने विधि-विधान से माँ सरस्वती की आराधना की। सरस्वती पूजा के अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कैलाश कुमार पूजा में यजमान के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि माँ सरस्वती ज्ञान, बुद्धि और संस्कार की प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान

विकसित होता है। हमारा उद्देश्य बच्चों का केवल शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक विकास भी है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर पूजा-अर्चना की और विद्या-प्राप्ति की कामना की। पूजा के उपरांत भजन-कीर्तन व प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसी सांस्कृतिक व आध्यात्मिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षकों का मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही। सरस्वती पूजा के इस पावन अवसर ने विद्यालय में ज्ञान, संस्कार और अनुशासन का संदेश दिया।

एकल अभियान की संच स्तरीय सत्संग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : माता इच्छापूर्ति महारानी मंदिर प्रांगण, ग्राम चैथी में एकल अभियान की ओर से 30 विद्यालय केंद्र के बीच, संच स्तरीय श्री हरि कथा सत्संग प्रतियोगिता का निर्णायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही आयोध्या धाम मे श्रीराम लला के प्राणप्रतिष्ठा का वार्षिकोत्सव भी मनाया गया। गाजे बाजे के साथ लगभग 1 हजार स्थानीय चैथी ग्राम के महिला पुरुष तथा बच्चों ने ग्राम से चैथी मोड़ तक भव्य शोभा यात्रा निकाला। साथ ही चैथी मोड़ पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवा ध्वजारोहण भी किया गया। ज्ञात हो कि चौपारण संच को तीन उपसंच, दैहर, पांडेय बारा तथा चौपारण उपसंच में विभाजित कर प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी 30 एकल विद्यालय आचार्या तथा ग्राम समिति सदस्यों की अपनी अलग अलग टोलियां बना कर उपरोक्त तीनो उपसंच की

प्रतियोगिता में भाग लिया। इन तीनो उपसंच प्रतियोगिता से क्रमसः पहला ,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले समूह की 9 टोलियों ने अंतिम चौथी निर्णायक प्रतियोगिता में अपना स्थान सुरक्षित करा लिया था। चैथी में आयोजित निर्णायक प्रतीयोगिता में नगवां, चैथी, बेंदुआरा, चैकलां, दैहर, कमलवार, बढ़ना, कुतलु केंदुआ, बेलखारा आदि टोलियों ने भाग लेकर उपस्थित निर्णायक मण्डली के समक्ष अपनी अपनी श्रेष्ठ भजन प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। इन सभी प्रस्तुतियों की सूक्ष्मता से अवलोकन करने के पश्चात निर्णायक मंडल ने इनके सुर ताल, भारतीय पहनावा, साज सामान, समय का अनुशासन,आदि के आधार पर अंक प्रदान किये, जिसमें नगवां ने प्रथम, चैथी द्वितीय तथा बेन्दुवारा तृतीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ एकल चौपारण संच अध्यक्ष शेखर गुप्ता ने दीप प्रज्वलन मंत्र के साथ दीप जला कर किया। तत्पश्चात उपस्थित विद्यालय आचार्या दीदी ने संच व्यास, प्रेम व्यास जी के साथ सामूहिक स्वागत गान किया। संचालन एकल संच कोषाध्यक्ष बबलू साव ने किया। कार्यक्रम के अंत मे स्थानीय चैथी ग्राम के युवा समिति की टोली ने भजन की प्रस्तुति देकर सभी को झूमने पर विवश कर दिया।

चौपारण में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को विद्या की देवी माँ शारदे की पूजा अर्चना श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ की गई। इस दौरान बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण कर माँ सरस्वती की आराधना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। प्रखंड के विभिन्न शिक्षण संस्थानों और क्लबों द्वारा आकर्षक पूजा पंडाल बनाए गए थे। सुबह से ही पंडालों में पूजा-अर्चना और पुष्पांजलि के लिए विद्यार्थियों व स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ी रही। मौके पर सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, रिशु बर्णवाल, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया मंटू सिंह, भाजपा नेता सुनील सिंह, गजाधर प्रसाद, पिंटू सोनी, रामधनी दांगी, कपिल यादव, मनीष सिंह, सुरेश शर्मा, शिक्षक सुधीर कौशल, भोला यादव सहित भारी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु उपस्थित थे। पूजा समारोहों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि माँ सरस्वती केवल पुस्तकों में बंद ज्ञान की देवी नहीं हैं बल्कि वे उस चेतना का प्रतीक हैं जो हमें सही और गलत का भेद सिखाती हैं। सच्ची शिक्षा वही है जो हमें अज्ञान, हिंसा और स्वार्थ से ऊपर उठाकर मानवता के मार्ग पर ले जाए।

काशीडीह युथ क्लब के सरस्वती पूजा पंडाल का रघुवर दास ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : साकची स्थित काशीडीह में गुरुवार की देर रात काशीडीह युथ क्लब की ओर से आयोजित श्री श्री सरस्वती पूजा के पंडाल का उद्घाटन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद पूरे क्षेत्र में उत्सव और उल्लास का माहौल देखने को मिला। ढोलझनगाड़ों और जयघोष के बीच पूर्व मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर काशीडीह युथ क्लब के संयोजक अभिषेक पांडेय, इकबाल सिंह सैनीक, रोहित जयसवाल, विक्की सिंह, रिकू मोहंती सहित बड़ी

संख्या में युवा, स्थानीय गणमान्य लोग और श्रद्धालु उपस्थित थे। पंडाल को आकर्षक लाइटिंग और भव्य सजावट से सजाया गया है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उद्घाटन के मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरस्वती पूजा ज्ञान, विद्या और संस्कार का पर्व है। माता सरस्वती की आराधना से समाज में शिक्षा, सद्भाव और सकारात्मक सोच का विस्तार होता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पढ़ाई के साथ-साथ संस्कारों से भी जुड़ना चाहिए, तभी एक सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने काशीडीह युथ क्लब की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की ओर से सामाजिक और धार्मिक आयोजनों का जिम्मेदारी के साथ आयोजन करना सराहनीय है। ऐसे प्रयासों से समाज में एकता और भाईचारा मजबूत होता है। साथ ही उन्होंने आयोजकों से पूजा के दौरान स्वच्छता, अनुशासन और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में युथ क्लब के सदस्यों ने पूर्व मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और पूजा के सफल आयोजन का संकल्प लिया। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, वहीं क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती भी की गई है।

संक्षिप्त खबरें

बरही रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल ने सरस्वती पूजा के शुभ अवसर निःशुल्क नामांकन

बरही : बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर, रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल, बरही और बचपन प्ले स्कूल, बरही के मैनेजमेंट ने स्टूडेंट्स के लिए फ्री एडमिशन की घोषणा की। इस अवसर का लाभ पेरेंट्स ने उठाया। सरस्वती पूजा कर देवी सरस्वती मां का आशीर्वाद लिया और अपने बच्चों के एडमिशन प्रक्रिया को पूरा किया। इस पहल के तहत नर्सरी से क्लास सातवीं तक के स्टूडेंट्स को एनरोल किया गया। कुल 104 स्टूडेंट्स को फ्री एडमिशन दिया गया। परन्तु अभिभावकों का आग्रह पर 50 सीटें बढ़ाया गया। और सभी उपलब्ध सीटें सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल में हम अच्छी शिक्षा के जरिए लोकल कम्युनिटी को सपोर्ट करने और उन्हें आगे बढ़ाने में पक्का यकीन रखते हैं। प्राचार्य आलोक कुमार ने बताया कि 2014 से हम बरही के लोगों को वैल्यू-बेस्ड और अच्छी शिक्षा देने के लिए कमिटेड हैं, और हम आने वाले सालों में भी इसी जोश, लगन और जोश के साथ इस सफर को जारी रखने की उम्मीद करते हैं।

चलकुशा में श्रद्धा भाव से मनाई गई सरस्वती पूजा, भक्तों में दिखी उत्साह

चलकुशा : चलकुशा में शुक्रवार को विभिन्न जगहों पर पूरे भक्ति भाव से सरस्वती पूजा मनाई गई इस दौरान श्रद्धालुओं में खूब उत्साह दिखाई दी खास कर युवाओं और बच्चों ने खूब श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा अर्चना की चलकुशा में लगभग 9 जगहों पर आकर्षक सजावट कर मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की गई चलकुशा में आजाद हिंद क्लब, सर्वोदय शान्ति क्लब, युवा भगवा क्लब, युवा अम्बेडर क्लब, भुईयां टोली बाबा वीर क्लब,अऊ क्लब, पीएम श्री स्कूल, हॉली एंजल पब्लिक स्कूल, सरस्वती विद्या निकेतन में मां सरस्वती की पूजा की गई वहीं गोपीडीह, और रसानी बाराडीह में भी विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा की गई।

महानेटांड जंगल में अवैध अंग्रेजी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, सैकड़ों बोतलें जब्त

चौपारण : थाना क्षेत्र के महानेटांड स्थित जंगल में चोरी-छिपे चल रहे अवैध अंग्रेजी शराब निर्माण के गोरखधंधे का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल के निर्देशन में थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। इसके बाद सशस्त्र बल के सहयोग से संयुक्त टीम ने जंगल क्षेत्र में सघन छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान मौके से अवैध रूप से निर्मित अंग्रेजी शराब, शराब निर्माण में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों के साथ बड़ी संख्या में खाली बोतलें बरामद की गईं। पुलिस ने रॉयल स्टैग अंग्रेजी शराब की 17 पेटियां कुल 425 बोतल, बी-7 स्टर्लिंग रिजर्व शराब की 6 पेटियां कुल 144 बोतल तथा दो प्लास्टिक बोरों में लगभग 140 खाली शराब की बोतलें जब्त की हैं। बरामद सभी सामानों को विधिवत जब्त कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार अवैध शराब निर्माण में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है। जांच के दौरान कुछ व्यक्तियों की संलिप्तता सामने आई है, जिनके विरुद्ध चौपारण थाना कांड संख्या 23/01/26 के तहत धारा 317(5), 274/275/292/3(5) बीएनएस एवं 47(ए) उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण एवं कारोबार के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और इस अवैध धंधे में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

समाजसेवी मो क्युम ने विभिन्न पूजा पंडालों में घुम मां सरस्वती का किया दर्शन

बरही : शुक्रवार को बरही प्रखंड के गुड़ियों सहित आसपास के क्षेत्र में आयोजित सरस्वती पूजा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर एंबीशन पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न सरस्वती पूजा पंडालों में श्रद्धा, भक्ति आस्था और उत्साह के साथ लोग भाग लिया तथा प्रसाद ग्रहण किय। ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न विद्यालयों एवं क्लबों में आयोजित सरस्वती पूजा के आकर्षक पंडालों का भ्रमण किया जहां श्रद्धालुओं की भारी जगह भीड़ माता सरस्वती के दर्शन के लिए उमड़ी। इस मौके पर बरही पूर्व ज़िप प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक कल्याण समिति अध्यक्ष मो. कयूम ने भी विभिन्न पूजा पंडालों में पहुंच विधिवत रूप से मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कार्यक्रम में शामिल होकर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और विकास की कामना की। उन्होंने पूजा समितियों के सदस्यों, एवं विद्यालय के बच्चों एवं युवाओं को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरस्वती पूजा ज्ञान, विद्या और संस्कार का प्रतीक है। इससे बच्चों और युवाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है तथा विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास को दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन करने से समाज भाईचारा, धार्मिक भावना जागृत होती है और सामाजिक समरसता को मजबूत होती है।

धूमधाम से मनाई गई मां शारदे की पूजा

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में विद्या की देवी मां शारदे की पूजा बसंत पंचमी काफी धूमधाम से मनाई गई। प्रखंड के करीब 500 से अधिक स्थानों में पूजा की गई। पूजा के दौरान मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष पुरोहितों के द्वारा कई नौनिहाल बच्चों को सिलेट पेंसिल खली पकड़ा कर पढ़ाई का शुभारंभ कराया गया। मां शारदे की प्रतिमा को खूबसूरत ढंग से सजाया गया था। पूजा को लेकर स्कूल कॉलेज अन्य शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह देखी गई। मां शारदे की प्रतिमा के साथ लोगों ने दोस्तों के संग सेल्फी ली। विवेकानंद सरस्वती शिशु शिशु विद्या मंदिर खरांटी मैं बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन बड़कागांव प्रमुख फुलवा देवी एवं स्कूल के सचिव विजय यादव ने दीप प्रज्वलित कर फीता काटकर किया।

एक नजर

दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने किया मुरी स्टेशन का निरीक्षण

मुरी : दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने गुरुवार के दिन मुरी स्टेशन का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक अपने विशेष सैलून से मुरी पहुंचे जहां अधिकारियों के द्वारा उनका स्वागत किया गया।उन्होंने मुरी स्टेशन के अंतर्गत अमृत भारत स्टेशन के अधीनस्थ हो रहे नवनिर्माण कार्य का निरीक्षण, नया फुट ओवर ब्रिज,लिफ्ट एवं मुख्य द्वार समेत रेलवे ट्रैक का गहनतापूर्वक निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को बेहतर कार्य हेतु दिशा निर्देश भी जारी किया। इसी क्रम में निरीक्षण के दौरान रेलवे सुरक्षा बल के आईजी एस के मिश्रा के द्वारा श्वान दस्ता मुरी एवं रेलवे सुरक्षा बल थाना मुरी का निरीक्षण करते हुए गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई दिशा निर्देश भी अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के साथ रांची रेल मंडल प्रबंधक करुणा निधि सिंह,पीसीओएम अमिताभ मुखर्जी, विवियन मार्डी,साकेत कुमार, भास्कर सोनवेर,स्टेशन प्रबंधक मुरी राकेश कुमार, आरपीएफ के पोस्ट कमांडर संजीव कुमार,विदुर रंजन सिंह,निर्मल कुमार एवं राजीव ज्योति समेत अन्य रेल अधिकारी मौजूद रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई

सिल्ली : सिल्ली के सुंदर कुंज लॉज में वरिष्ठ नागरिक संघ के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रतन लाल महतो ने की। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नागरिक संघ के संयोजक नरेश चंद्र कार्जी ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सुभाष चंद्र बोस मात्र 24 वर्ष की उम्र में इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गए थे। बाद में पार्टी से अलग होकर उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन किया, जिसमें उनके क्रांतिकारी विचारों से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में युवाओं ने देश की आजादी के संघर्ष में भाग लिया। कार्यक्रम से पूर्व सभी सदस्यों ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ पहाड़ी बाबा का तिलकोत्सव

रांची : श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर एवं आर्यपुरी शिव पंच मंदिर हिमालय परिवार की ओर से वसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को पहाड़ी बाबा का भव्य तिलकोत्सव गाजे-बाजे और ढोल-ताशों के साथ श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। तिलकोत्सव की शोभा यात्रा आर्यपुरी शिव पंच मंदिर से प्रारंभ होकर पहाड़ी मंदिर तक निकाली गई। शोभा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। श्रद्धालु फल, फूल एवं मिठाइयों से सजी टोकरी सिर पर लेकर बाबा का तिलक करने पहाड़ी मंदिर पहुंचे। मंदिर के मुख्य द्वार पर सभी श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात सनातन विधि-विधान के अनुसार पहाड़ी बाबा का तिलक किया गया और श्रद्धालुओं के बीच भोग-प्रसाद का वितरण किया गया।

वसंत पंचती पर रांची के स्कूल और गली-मुहल्लों में हुई मां सरस्वती की धूमधाम से पूजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में वसंत पंचमी पर शुक्रवार को मां सरस्वती की पूजा-अर्चना धूमधाम से की गई। रांची के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों, गली और मुहल्लों में मां शारदा की प्रतिमा स्थापित कर छात्र-छात्राओं ने भक्तिभाव से मां की आराधना की। इसे लेकर स्कूली छात्र-छात्रा सुबह से ही नहा-धोकर स्कूलों में और गली मुह?ल्लों में स्थापित मां की प्रतिमा की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की और आरती में शामिल हुए। मां सरस्वती को प्रसाद के रूप में ऋतुफल के रूप में गाजर, मटर छेनी, केला, सेव, बेर, बुंदिया और अंगूर का भोग लगाया गया। इसके बाद सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही आसपास के लोगों में प्रसाद का वितरण किया। मां सरस्वती की पूजा राजधानी के हरमू, रातू रोड, अरगोडा, धुर्वा, चुटिया, मोरहाबादी, डोरंडा और नामकुम सहित विभिन्न इलाकों में की गई। इधर, नामकुम में सरस्वती पूजा समिति न्यू स्टूडेंट क्लब के सदस्यों ने मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर विधिपूर्वक की। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष प्रियांशु, उपाध्यक्ष आयुष साह, अभिषेक साह, राहुल यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सनातन परंपरा में वसंत पंचमी को हर वर्ष माघ माह के शुक्ल पक्ष के पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन को ऋतु परिवर्तन के रूप में भी लोग जानते हैं और ऋतुओं के राजकुमार कहे जानेवाले वसंत ऋतु का आगमन भी होता है जो नवजीवन, उर्जा और खुशहाली का प्रतीक है।

आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा में धूमधाम व उल्लास के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

रांची : आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा में विद्या और बुद्धि की देवी माँ सरस्वती की पूजा पूरे विधि-विधान एवं श्रद्धा-भाव के साथ संपन्न हुई। विद्यालय प्रांगण में माँ सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा माँ सरस्वती की वंदना एवं आरती प्रस्तुत की गई, जिससे पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। पूजा के उपरांत सभी विद्यार्थियों एवं अतिथियों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरस्वती पूजा शिक्षा के महत्व को दशार्ने के साथ-साथ विद्या के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करती है। यह पर्व बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है तथा भारतीय संस्कृति में ज्ञान, शिक्षा एवं कला का विशेष महत्व रखता है। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के शिक्षक आनंद प्रसाद महतो, सुमंत कुमार, विपिन प्रसाद, जयशंकर महतो, हरिनाथ सिंह यादव, भुवनेश्वर कुंहार सहित शिक्षिकाएँ ललिता महतो, रिंकी कुमारी, सृष्टि कच्छप, गायत्री सुदर्शी, प्रियंका कुमारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

झारखंड कुरमी महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : झारखंड कुरमी महासभा के एक प्रतिनिधि मंडल ने महामहिम राजपाल संतोष गंगवार से मुलाकात किये। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष कारीनाथ महतो, प्रदेश संयुक्त सचिव सेवालाल महतो, प्रदेश कोषाध्यक्ष रामलाल महतो, चंद्रनाथ भाई पटेल, वकील कुमार महतो, नागेश्वर महतो शामिल थे। कुरमी कुड़मी महतो समाज को अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध करवाने हेतु मांग किया गया। हजारीबाग जिला के झारखंड आंदोलनकारियों जो सीआरपीएफ की गोली लगने से जिनकी मौत हो गई थी उसके परिवार को सरकार की ओर से हरसंभव सहायता करने का भी मांग किया गया जिसे राज्यपाल महोदय ने संज्ञान में लिए हैं और 27 जनवरी 26 को पुनः मिलने के लिए कहा गया है।

आदित्य साहू ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का पदभार किया ग्रहण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने शुक्रवार को वसंत पंचमी के पावन अवसर पर प्रदेश कार्यालय में पूजा-पाठ और हवन के बाद पदभार ग्रहण किया। पार्टी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें अध्यक्ष के आसन पर आसीन किया और पुष्पगुच्छ व मिठाई देकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश के वरिष्ठ कार्यकताओं और केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने भी भाग लिया। पदभार ग्रहण के बाद आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड भाजपा की उर्वरा भूमि है, जहां कार्यकताओं में जोश, ऊर्जा और देश-राज्य सेवा का जज्बा है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की ताकत से भाजपा को बूथ से लेकर प्रदेश तक मजबूत और धारदार बनाते हुए राज्य में व्याप्त कुशासन के खिलाफ संघर्ष करना है। साहू ने कहा कि भाजपा ने झारखंड राज्य गठन की पीड़ा सही और राज्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। झारखंड भाजपा की देन है। श्रद्धेय अटल के सपनों का झारखंड बनाना अभी बाकी हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी आज वसंत पंचमी के दिन संकल्प लें कि राज्य में सुशासन लाने के लिए जूझेंगे, संघर्ष करेंगे और राज्य में फिर एकबार भाजपा के नेतृत्व में मजबूत डबल इंजन सरकार बनाएंगे। आदित्य साहू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि नेताजी का झारखंड से गहरा नाता था और उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि आज उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर गांव, गरीब, किसान, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्गों के हित में कार्य करेंगे और राज्य सरकार के विरोधी तत्वों को चुनौती देंगे।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में वसंत पंचमी व सरस्वती पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में वसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर शुक्रवार को विशेष पूजा-अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुए। इस अवसर पर पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना से हुई, जिसे मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत संपन्न कराया। पूजा के दौरान भगवान को भोग अर्पित कर समस्त श्रद्धालुओं के सुख, समृद्धि और ज्ञान-विवेक की कामना की गई। वसंत पंचमी के अवसर पर श्री राधा रानी का विशेष एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। उन्हें पीले वस्त्र धारण कराए गए तथा मंदिर को पीले पुष्पों से आकर्षक रूप से सजाया गया। सुसज्जित आभूषणों से किया गया दिव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करता रहा। पूजा-अनुष्ठान के पश्चात सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच केसरयुक्त खीर एवं मेवायुक्त पीले पुलाव का विशेष प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रणामी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने श्रद्धालुओं को वसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व ज्ञान, सद्भाव, सृजनात्मकता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

भारतीय एकता कमेटी ने श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय एकता कमेटी के प्रधान कार्यालय, करबला टैंक रोड में शुक्रवार को देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों और उनके राष्ट्रसेवा से जुड़े दायित्वों को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन देशभक्ति, साहस, त्याग और बलिदान की प्रेरणादायी मिसाल है। उन्होंने युवाओं और समाज से नेताजी द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने, देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने तथा राष्ट्रहित में तन, मन और धन से योगदान देने का आह्वान किया। मौके पर उपस्थित सभी लोगों ने नेताजी के साहसिक नेतृत्व और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को स्मरण करते हुए देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रतिबद्धता दोहराई।

टेंडर हार्ट स्कूल में विद्यार्थियों से रूबरू हुए नौसेना प्रमुख, बोले- खुश रहें, जीवन हो जाएगा आसान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने तुपुदाना स्थित टेंडर हार्ट स्कूल सहित राज्य के आठ अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने को लेकर एक सार्थक संवाद किया। इस मौके पर विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि खुश रहें, जीवन आसान हो जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत टेंडर हार्ट स्कूल के विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत अनोखे सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई। कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री, भारतीय नौसेना प्रमुख और उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर कलाकारों की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि नौसेना प्रमुख इतने अधिक प्रभावित हुए कि उन्होंने विद्यार्थियों को दिल्ली आकर कार्यक्रम प्रस्तुत करने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया और उनको जीवन में अंग्रेजी अक्षरों ए, बी, सी, डी को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि ए फोर एटीटयूड, बी फोर बीलिव इन योरसेल्फफ, सी फोर कैरेक्टसर और डी फोर ड्रीम को अपनाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मूल मंत्रों को जीवन में आत्मसात कर लेने से निश्चित रूप से सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जीवन में सदैव खुश रहें। उन्होंने कहा कि खुश होने के कारण खोजने की जरूरत नहीं है बस खुश रहें। जीवन अपने आप आसान हो जाएगा। इसके बाद विद्यार्थियों ने उनसे विभिन्न समसामयिक और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सरल और सहज भाषा में उत्तर दिया। कार्यक्रम में टेंडर हार्ट स्कूल के अध्यक्ष सुधीर तिवारी ने विकसित भारत-2047 के विजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का भविष्य आज इन्हीं विद्यालयों की कक्षाओं में सांस ले रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों की जिज्ञासा, सोच और परिश्रम ही आने वाले समय में राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बनेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि यह अवसर ऐसा है, जहां शिक्षा और राष्ट्र-निर्माण एक ही मंच पर साकार रूप में उपस्थित हैं। इसके बाद रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि सभी रांचीवासियों के लिए सौभाग्य की बात है कि भारतीय नौसेना प्रमुख स्वयं टेंडर हार्ट स्कूल परिसर में उपस्थित होकर विद्यार्थियों से संवाद कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन टेंडर हार्ट स्कूल की उप-प्राचार्या शिवांगी शुक्ला ने किया, जबकि विद्यालय के छात्र अक्षय दुबे ने समस्त विद्यार्थियों की ओर से भारतीय नौसेना प्रमुख और रक्षा राज्य मंत्री के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, टेंडर हार्ट स्कूल, रांची के अध्यसक्ष सुधीर तिवारी, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, अभिभावक, भारतीय थलसेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एसबीयू में वसंत पंचमी और पराक्रम दिवस की धूम

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय में सरस्वती पूजा और नेताजी जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस की धूम रही। विवि परिसर में देवी सरस्वती की विधिवत पूजा हुई एवं प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर विवि में पराक्रम दिवस के आयोजन के अवसर पर एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने नेताजी के जीवन से जुड़े अनछुए प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी करार दिया। माननीय कुलपति प्रो सी. जगनाथन ने नेताजी के आदर्शों पर चलने की अपील की। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस अवसर पर विवि परिवार को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

श्री श्याम सेवा समिति का तृतीय वार्षिक उत्सव 25 जनवरी को

रांची : श्री श्याम सेवा समिति की ओर से सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन, चुटिया में आगामी 25 जनवरी को समिति का तृतीय वार्षिक उत्सव श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक ऋषि टिबरेवाल ने शुक्रवार को रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वार्षिक उत्सव के अवसर पर अपराह्न 3 बजे चुटिया स्थित श्री राम मंदिर से एक भव्य श्याम निशान यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में पारंपरिक परिधानों में सजे 111 महिला एवं पुरुष श्याम भक्त बाबा श्याम के निशान लेकर चुटिया के विभिन्न मार्गों से होते हुए आयोजन स्थल तक पहुंचेंगे और श्रद्धापूर्वक बाबा श्याम को निशान अर्पित करेंगे। निशान यात्रा के दौरान अलौकिक श्रृंगार से सुसज्जित बाबा श्याम का रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा। वहीं, भजन गायक पूरे मार्ग में भजनों की प्रस्तुति देते हुए भक्तों के साथ चलेंगे, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। संध्या 6 बजे से सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन परिसर में मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य जजमान सीताराम चौधरी के परिवार द्वारा बाबा श्याम की ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। इसके पश्चात बाबा श्याम को फूलों का बागा, इत्र स्नान, भजन माला के साथ 56 भोग एवं महाभोग अर्पित किए जाएंगे। कार्यक्रम में धनबाद से पधारे प्रसिद्ध भजन प्रवाहक रोमित बंसल एवं आशीष सिंगल अपनी सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करेंगे। रात्रि 8:30 बजे महाभोग वितरण किया जाएगा, जबकि रात्रि 11 बजे महाआरती के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन होगा।

श्री डोरंडा शिशु सदन में बसंत पंचमी पर श्रद्धापूर्वक हुई मां सरस्वती की पूजा

रांची : बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सार्वजनिक पुस्तकालय ट्रस्ट समिति, डोरंडा की ओर से संचालित श्री डोरंडा शिशु सदन स्कूल परिसर में शुक्रवार को मां सरस्वती की पूजा श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के साथ-साथ अभिभावकों की भी सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। पूजा-अनुष्ठान पुरोहित अमन मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत संपन्न कराया। पूजा में यजमान के रूप में विद्यालय की शिक्षिका रिंकू ठाकुर शामिल हुईं। पूजा के पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं, ट्रस्टी सदस्यों एवं शिक्षिकाओं के बीच प्रसाद स्वरूप बुंदिया एवं फल का वितरण किया गया। विद्यालय की ओर से अभिभावकों, ट्रस्टी सदस्यों एवं शिक्षिकाओं के लिए सामूहिक भोजन की भी व्यवस्था की गई, जिसमें सभी को खिचड़ी, पूरी, सब्जी, बुंदिया, भुजिया, पापड़ एवं सलाद परोसा गया। इस अवसर पर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री रामजी लाल शारदा, सचिव सुरेश प्रसाद, कोषाध्यक्ष सरदार अशोक सिंह, ट्रस्टी नारायण सराफ, सदस्य रोहित शारदा, संजय गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अनिल गुप्ता, विद्यालय की प्राचार्य किरण सिंह, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण विद्यालय परिसर भक्ति, आस्था और उल्लास के वातावरण से परिपूर्ण रहा।

प्रखंड के सभी क्षेत्रों में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाया गया

सिल्ली : मुरी बसंत पंचमी के अवसर पर प्रखंड के सभी क्षेत्रों में शुक्रवार के दिन सरस्वती पूजा पूरे धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड के सभी सरकारी अर्ध सरकारी एवं निजी विद्यालयों में सरस्वती पूजा के अवसर पर निर्मित प्रतिमा स्थापित कर विद्या की देवी मां सरस्वती का पूरे भक्ति भाव से विद्यार्थियों के द्वारा आराधना की गई।पूजा के दौरान पुरोहित द्वारा पूरे विधि विधान से एवं मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं के द्वारा मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कराया गया।खासकर स्कूल के बच्चों एवं ग्रामीणों के बीच पूजा को लेकर काफी उत्साह देखा गया। पारंपरिक प्रथा के अनुसार छात्रों ने अपनी किताबें, कलमें,पाठ्य पुस्तकें और शिक्षा से संबंधित अन्य वस्तुएं देवी सरस्वती की मूर्ति के पास उनके आशीर्वाद के लिए रखे थे।छात्रों के बीच दृढ़ विश्वास रहता है कि उनके आशीर्वाद से अच्छी तरह से अध्ययन करने से जीवन में बहुत कुछ हासिल हो सकता है और ज्ञान में निरंतर प्रवाह भी मिलता है। पूजा को लेकर गांव से शहर तक का माहौल भक्तिमय हो गया साथ ही बाजारों में रौनक बढ़ी और गुलजार रहा। विशेष कर फल और पूजन सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई।

एक नजर

मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

खूंटी : तोरपा थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की घटना का पुलिस ने त्वरित उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तोरपा के एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 21 जनवरी 2026 को रेफरल अस्पताल तोरपा परिसर से मोटरसाइकिल चोरी होने की घटना सामने आई थी। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल (जेएच 01एफ 3782) बरामद कर ली तथा मामले में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में गोवर्धन नाथ कर (19) एवं निखिल (18), दोनों थाना तोरपा क्षेत्र के निवासी हैं। दोनों ने पूछताछ में अपराध स्वीकार किया है।

स्कूटी चोरी मामले में तोरपा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, चार नाबालिग निरुद्ध

खूंटी : तोरपा थाना क्षेत्र में स्कूटी चोरी की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार नाबालिगों को निरुद्ध कर लिया। यह जानकारी तोरपा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि तोरपा थाना अंतर्गत डेमताटोली स्थित एक स्कूल के सामने से 05 जनवरी 2026 को स्कूटी चोरी हो गई थी। इस संबंध में वाहन मालिक की ओर से दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर तोरपा थाना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर चोरी की स्कूटी (रजिस्ट्रेशन संख्या जेएच 23सी 367) एवं एक अन्य स्कूटी (जेएच 23 सी 344) बरामद कर ली। इस मामले में दो नाबालिगों को पकड़ा गया, जिन्होंने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

एकजुट होकर, एकमत से कर्मठ उम्मीदवार का करें चयन : वर्मा

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला कार्यालय में शुक्रवार को जिला अध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में नगर पंचायत चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश भाजपा महामंत्री सह राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा उपस्थित थे। वहीं खूंटी जिला भाजपा के प्रभारी सत्यनारायण सिंह और तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदीप वर्मा ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर, एकमत से कर्मठ और जुझारू उम्मीदवार का चयन करें। उन्होंने प्रत्येक वार्ड में भी सर्वसम्मति से पार्टी समर्थित प्रत्याशी खड़ा करने पर बल दिया, ताकि संगठनात्मक एकता के साथ चुनाव मैदान में उतरा जा सके। जिला अध्यक्ष आनंद कुमार ने कहा कि खूंटी नगर पंचायत का चुनाव जीतना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हर हाल में पार्टी समर्थित उम्मीदवार को विजयी बनाना है, इसके लिए सभी बूथ कमेटियों को सशक्त एवं सक्रिय किया जाएगा। बैठक में मदन मोहन मिश्रा, ओम प्रकाश कश्यप, अनूप साहू, ज्योतिष भगत, कृष्णानंद तिवारी, रूपेश आनंद, कैलाश राम, विनोद नाग, रंदा नाग, संजय साहू, चंद्रशेखर गुप्ता, राजेश महतो सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

फायरिंग करने पहुंचे सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान गैंग के आठ अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले में नेशनल हाईवे का निर्माण कर रही एनएचआई के सिंगरा स्थित अस्थाई आवासीय कैंप और चियांकी में ओवरब्रिज निर्माण स्थल पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने पहुंचे सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान गिरोह से जुड़े 08 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से कई अत्याधुनिक हथियार और गोलियां बरामद की गई है। मेदिनीनगर की सदर थाना पुलिस ने यह कामयाबी हासिल की है। पलामू एसपी रिष्मा रमेशन के अनुसार सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान का गिरोह एक हो गया है और दोनों गिरोह मिलकर रंगदारी वसूलने के लिए आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले थे। एसपी ने बताया कि गुरुवार को गुप्त सूचना मिली कि चियांकी ओवरब्रिज और सिंगरा स्थित निर्माण कंपनी के कैंप पर गोलीबारी की योजना बनाई गयी है। इस सूचना पर कार्रवाई के लिए प्रभारी सदर एसडीपीओ राजीव रंजन के नेतृत्व में सदर, पड़वा और टीओपी वन टाइगर पुलिस एवं तकनीकी शाखा की स्पेशल टीम का गठन किया गया। कार्रवाई करते हुए चियांकी निमार्णाधीन ओवरब्रिज, सिंगरा फोरलेन अमानत नदी के पास और सिंगरा निमार्णाधीन ओवरब्रिज से 08 अपराधियों को अवैध हथियार, गोलियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। एसपी के अनुसार योजना के तहत गोलीबारी में यदि कामयाब रहते तो सुजीत सिन्हा का नाम होता और पकड़े जाने पर प्रिंस खान का नाम लेना था, ताकि सुजीत सिन्हा का नाम केस में नहीं आए और विदेश में रह रहे प्रिंस खान तक पुलिस पहुंचेगी नहीं। गिरफ्तार अपराधियों में गढ़वा भवनाथपुर के मेरौनी निवासी अमित चौधरी उर्फ रितिक चौधरी (25), पलामू के लेस्लीगंज चौरा के आकाश शुक्ला (25), तरहसी छकनाडीह के कौशल पासवान उर्फ सौरभ कुमार (19), सदर पोखराहा के नीरज चन्द्रवंशी (20), हैदरनगर के रजबंधा के छोटन पासवान उर्फ एलेक्स पीहु (25), पाटन के कुमराहा के अख्तर अंसारी (19), लेस्लीगंज हरतुआ के अविनाश गिरि (25) और पाटन सूठा के बॉबी कुमार राम (19) शमिल हैं। एसपी ने बताया कि सभी आरोपित पहले भी जेल जा चुके हैं और जेल में ही इनकी मुलाकात हुई थी। उन्?होंने कहा कि कुबेर के सम्पर्क में गिरफ्तार अमित चौधरी था, जिसे घटना को अंजाम देने के बाद विदेश भाग जाना था। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे कुख्यात अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के नाम पर गोलीबारी कर मजदूरों में भय फैलाना चाहते थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से दो देशी पिस्टल, दो देशी कट्टा, चार मैगजीन, 14 जिंदा कारतूस, सात मोबाइल फोन, तीन बाइक और एक धमकी भरा पर्चा बरामद किया है।

वाहन चेकिंग में हथियार और गोली के साथ दो युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र अंतर्गत सहदेवा से लेस्लीगंज जाने वाली सड़क पर वाहन चेकिंग के क्रम में सहदेव जंगल के पास एक बाइक पर सवार दो युवकों को देसी कट्टा और आठ एमएम की जिंदा गोली के साथ गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को उन्हें जेल भेज दिया गया। उनकी पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के ठाकुराई दीदरी के 19 वर्षीय रोशन कुमार और दारूडीह के 25 वर्षीय आदेश कुमार के रूप में हुई है। हथियार और गोली के अलावा दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। एसपी रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। एसपी के अनुसार गुप्त सूचना मिलने पर 22 जनवरी को सहदेवा से लेस्लीगंज जाने वाली सड़क पर सहदेवा जंगल के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के तहत वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी क्रम में एक पल्सर मोटरसाइकिल (जेएच 03 एएफ 0924) से दो युवक आते दिखे। रुकने का इशारा करने पर मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगे। पुलिस बल के सहयोग से उन्हें पकड़ा गया। दोनों की पहचान की गई और तलाशी लेने पर रोशन कुमार की बांयी कमर की ओर खोसा हुआ एक देसी कट्टा एवं पैकेट से एक मोबाइल फोन और आदेश के पेंट के दाहिने पैकेट से एक 8 एमएम की जिंदा गोली और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। दोनों को हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से मिले झारखंड के विधायक, संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : दिल्ली पहुंचे कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा, विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी सहित अन्य विधायकों ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से शिष्टाचार भेंट की। साथ ही राज्य के वर्तमान राजनीतिक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मौके पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने संगठनात्मक मजबूती पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी सहित अन्य विधायकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात कर झारखंड के राजनीतिक हालात, संगठन की स्थिति और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर अपनी बात रखी।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने विधायकों से कहा कि कांग्रेस की ताकत उसकी विचारधारा और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता है। उन्होंने निर्देश दिया कि संगठन को मजबूत करने के लिए गांव, पंचायत और बूथ स्तर तक नियमित संपर्क अभियान चलाये तथा आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ दूर करें। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर जनता के बीच जाएं और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाये। संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह विधायक भूषण बाड़ा ने सिमडेगा जिले में कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति, जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़, कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा जनता से जुड़े मुद्दों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन को और अधिक धार देने के लिए बूथ स्तर पर मजबूती, कार्यकर्ताओं को सम्मान और निरंतर संवाद को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जा रहा है। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा सहित विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, विधायक राजेश कच्छप, विधायक सोना राम सिंकु एवं विधायक सुरेश बैठा ने भी झारखंड में कांग्रेस को और मजबूत बनाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का संकल्प दोहराया।

मानदेय और योजनाओं से वंचित वार्ड सदस्यों का फूटा गुस्सा, आंदोलन का ऐलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

ठेठईटांगर : प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के वार्ड सदस्यों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा में आक्रोशपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य अजय एक्का मौजूद रहे। बैठक में वार्ड सदस्यों ने एक स्वर में आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन द्वारा वार्ड सदस्यों के साथ लगातार धोखा, छल और भेदभाव किया जा रहा है। वार्ड सदस्यों का कहना था कि लोकतंत्र की सबसे निचली इकाई होने के बावजूद उन्हें न तो सम्मान मिल रहा है और न ही उनके अधिकार। वर्षों से उन्हें न तो कोई मानदेय दिया जा रहा है और न ही किसी सरकारी योजना या विकास कार्यों में भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। वार्ड सदस्यों ने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण वे खेती-बाड़ी और छोटे-मोटे काम पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। यदि यही सहारा न हो तो कई वार्ड सदस्यों के सामने भुखमरी की नौबत आ जाए। मैया सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाओं से वार्ड सदस्यों को जानबूझकर वंचित रखा गया है, जो सरकार और प्रशासन की आपसी मिलीभगत को उजागर करता है। बैठक में चेतावनी दी गई कि यदि शीघ्र ही वार्ड सदस्यों की मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो सभी वार्ड सदस्य एकजुट होकर सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे। आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए निर्णायक संघर्ष का आह्वान किया गया।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सरस्वती पूजन और पराक्रम दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बसंत पंचमी श्रद्धा भाव और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । इस अवसर पर मां सरस्वती का पूजन किया गया। सरस्वती पूजा, आरती एवं हवन पुजारी आशीष पांडेय के द्वारा करवाई गई। पूजन के पश्चात सभी प्रशिक्षुओं, सहायक प्राध्यापकों और गोद लिए गांव इंदरवाटांड़ में प्रसाद वितरण किया गया। महाविद्यालय में पराक्रम दिवस के अवसर पर नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं एवं महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के छायाचित्र पर पुष्पांजलि की गई। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी सौरभ शर्मा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा राष्ट्र की स्वतंत्रता में योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी. एड. सत्र 2024-26 एवं 2025-27 के सभी प्रशिक्षु एवं सभी सहायक प्राध्यापक, डॉ पूजा कुमारी, मनीष कुमार सिन्हा ,डी एल एड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, डी एल एड समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार, अनिल दास, सीताराम यादव एवं चुन्नु कुमार सहित सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी सुचित कुमार, दीपक कुमार पाण्डेय, आलम मुख्तार, सुधीर साव, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार आदि उक्त अवसर पर उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत ठेठईटांगर में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ठेठईटांगर : प्रखंड में बाजार एवं सलगाडीह चौक में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का विस्तृत एवं प्रभावी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय बाजार क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में आम नागरिकों, वाहन चालकों, दुकानदारों, युवाओं एवं राहगीरों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के आयोजन से बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए सामाजिक जागरूकता का वातावरण बना रहा तथा लोग स्वेच्छा से कार्यक्रम से जुड़ते गए। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित सामाजिक विषयों पर आधारित नुक्कड़ नाटक एवं जनसंवादात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रस्तुतियों के माध्यम से हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने के दुष्परिणाम, निर्धारित गति सीमा का पालन करने की आवश्यकता, यातायात संकेतों एवं सड़क चिन्हों के सम्मान तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियों पर विशेष रूप से जोर दिया गया। कलाकारों द्वारा स्थानीय भाषा एवं सरल उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत संदेशों को आमजन ने सहजता से समझा और उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। आज के इस सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का नेतृत्व WCSF CharitySpirit Foundation के संस्थापक जितेंद्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। उनके नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। श्री वर्मा द्वारा उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा को केवल एक नियम नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा से जुड़ा सामाजिक दायित्व बताया गया तथा सभी से यातायात नियमों का पालन स्वयं करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। उनके नेतृत्व में संस्था के कार्यकताओं एवं कलाकारों ने मिलकर सड़क सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का सराहनीय प्रयास किया। जिला परिवहन विभाग, सिमडेगा के द्वारा आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम पूर्णतः शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संक्षिप्त खबरें

विकास हर नागरिक का अधिकार : श्रद्धानंद बेसरा

सिमडेगा : जिले के कुलुकेरा पंचायत अंतर्गत दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र बरटोली और माझघाट में भाजपा नेता व सामाजिक कार्यकर्ता श्रद्धानंद बेसरा ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कर उनकी जमीनी समस्याओं को गंभीरता से सुना। वर्षों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित ग्रामीणों ने सड़क, बिजली और शिक्षा जैसी मूलभूत जरूरतों की बदहाली को खुलकर सामने रखा। ग्रामीणों ने बताया कि आजादी के दशकों बाद भी यह इलाका विकास की मुख्यधारा से कटा हुआ है, जिससे दैनिक जीवन संघर्षपूर्ण बन गया है। संवाद के दौरान श्री बेसरा ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज को वे सरकार और उच्च अधिकारियों तक पूरी मजबूती से पहुंचाएंगे और समाधान के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। श्रद्धानंद बेसरा ने कहा कि पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों की उपेक्षा अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विकास हर नागरिक का अधिकार है और इसके लिए मैं लगातार प्रयास करता रहूंगा। उन्होंने ग्रामीणों की संघर्षशीलता, जिजीविषा और आत्मसम्मान की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि आने वाले समय में क्षेत्र में ठोस और सकारात्मक बदलाव जरूर दिखाई देगा। इस दौरान श्री बेसरा ने गांव में फलदार वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ आर्थिक सशक्तिकरण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल प्रकृति की रक्षा करता है, बल्कि ग्रामीणों की आय का भी सशक्त माध्यम बन सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अवध किशोर लोहगढ़िया, अनिरुद्ध, जयपाल मांझी, रामसागर कालो, राम प्रसाद, खिरोमणी देवी, हीरामनी देवी, महावीर खड़िया, शिरोमणी कुल्लू, जूनाथन इक्का, विजय टेटे, सुदर्शन ग्वाला, जसमीत टोप्पो, तपेश्वर कालो सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

विजय टायर शॉप का हुआ उद्घाटन

कोडरमा : जिले के डोमचांच प्रखंड के अंतर्गत गणपति शोरुम रायडीह मोड़ के समीप दिन शुक्रवार को समय 1:00 बजे विजय टायर शॉप का विधिवत उद्घाट मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव के द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने बताया टायर शॉप का उद्घाटन होने से क्षेत्रवासी को इसका भरपूर लाभ मिलेगा तथा लोगों को अब गाड़ी का टायर लगाने के लिए अन्य जगह जाने की आवश्यकता नहीं होगी, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विजय टायर शॉप के संचालक विजय यादव को मैं अपनी और बधाई और शुभकामना देता हूं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना। वहीं संयुक्त रूप से डोमचांच प्रमुख डॉ.सत्यनारायण यादव, डोमचांच नगर पंचायत निवर्तमान उपाध्यक्ष पप्पू मेहता मुखिया पुरनाडीह पप्पू यादव, समाजसेवी सुरेश यादव, नवलशाही भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया। उद्घाटन कार्यक्रम के विषय में संचालक विजय यादव ने बताया कि शॉप पर अपोलो कंपनी की सारी टायर उपलब्ध है तथा उन्होंने बताया कि हम ग्राहकों को उचित मूल्य व बेहतर सुविधा शॉप पर देंगे प्रदान करेंगे जिससे किसी ग्राहकों को कोई प्रकार की कठिनाई नहीं हो पाएगी। मौके पर उमाशंकर प्रसाद, प्रकाश यादव, मिथलेश प्रसाद, दिलीप यादव, कंचन प्रसाद अलावे अन्य लोग मौजूद रहे।

श्री राम संकीर्तन मंडल का 33वां वार्षिकोत्सव व बसंत महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ शुरू

झुमरी तिलैया : श्री राम संकीर्तन मंडल, झुमरी तिलैया के तत्वावधान में आयोजित 33वां वार्षिकोत्सव सह बसंत महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। दो दिवसीय यह धार्मिक आयोजन 23 एवं 24 जनवरी 2026 को श्री सत्यनारायण मंदिर, खुदरा पट्टी, झुमरी तिलैया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी मुकेश कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं पूजा-अर्चना पंडित नवल पांडेय ने संपन्न कराई, जिसमें यजमान मीहीर कपसिमे के रूप में श्रद्धालु शामिल हुए। शुभारंभ अवसर पर पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बसंत ऋतु नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जो समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करती है। उन्होंने संगीत और सांस्कृतिक क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की भी सराहना की। शुक्रवार 23 जनवरी को पूजा-अर्चना के पश्चात श्रीराम भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। संध्या समय गायत्री शक्तिपीठ के तत्वावधान में भव्य दीप यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें मंदिर परिसर एवं देवी-देवताओं के दरबार दीपों से जगमगा उठे। पूरे क्षेत्र में जय श्री राम और बोल बम के जयकारों से भक्तिमय माहौल बना रहा। शनिवार 24 जनवरी को प्रातः 10 बजे से अखंड ज्योत के साथ सामूहिक सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। इसके पश्चात भजनों का कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें होली, गजरा, आरती सहित विभिन्न धार्मिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। महोत्सव के अवसर पर काली मंदिर पूजा समिति, देवी महिला समिति, गुरु कृपा शांति भवन सहित विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े कलाकारों ने सहभागिता निभाई।

कैलाश राय विद्यालय में पूर्व छात्रों द्वारा आचार्य सम्मान तथा सहभोज

झुमरी तिलैया : कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर झुमरी तिलैया में विद्यालय के पूर्व छात्रों के द्वारा सरस्वती पूजा के अवसर पर सहभोज तथा आचार्य सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित पूर्व छात्र परिषद के संरक्षक पंकज कुमार सिंह ने कहा आज भी इस विद्यालय में आकर ऐसा लगता है मानो हम भैया बहन अपने गुरुजनों की छत्रछाया में अभी भी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष पूर्व छात्रों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी रही है जिससे हमारा संगठन और सबल हो रहा है। संपूर्ण व्यवस्था के केंद्रस्थ प्राचार्य आनंद मोहन ने कहा कि पूर्व छात्रों से मिलकर आनंद की अनुभूति होती है। प्रबंधकर्तृ समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह ने भी इस आयोजन की प्रशंसा की । प्रबंधकर्तृ समिति के सचिव अनुराग सिंह ने पूर्व छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए उनकी प्रशंसा की। पूर्व छात्र हमारे धरोहर है वह जहां भी है अपने संस्कारों को याद रखे हैं और उसका निर्वहन भी कर रहे हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर पूर्व छात्रों में संरक्षक पंकज सिंह, संयोजक डॉ मीनाक्षी गुप्ता, सह संयोजक बलविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष लखन सिंह, सह कोषाध्यक्ष अंकित गुप्ता, मीडिया प्रभारी विकास जैन, सह मीडिया प्रभारी विनीत संघई, रितेश सिंह, अनिमेष, अर्चना सिंह , आशा कुमारी, हितेश अग्रवाल, पप्पू कुमार, रंजन कुमार, सुंदरम कुमार, पंकज कुमार, सूरज कुमार, नीरज कुमार, सत्येंद्र कुमार, अभय गुप्ता आदि उपस्थित थे।

एक नजर

जमशेदपुर में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का हुआ स्वागत

जमशेदपुर : भारतीय जनता पार्टी, झारखंड के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का पदभार ग्रहण करने के पश्चात प्रथम बार जमशेदपुर आगमन पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी ने परिसदन में उन्हें अंग वस्त्र दे कर उनका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। कुलवंत सिंह बंटी ने आशा जताई कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के ऊजार्वान नेतृत्व में झारखंड भाजपा एक नई शक्ति के साथ जन-सरोकारों की लड़ाई लड़ेगी और संगठन को बूथ स्तर तक अभेद्य बनाएगी। इस गरिमामयी अवसर पर वरिष्ठ नेतागण एवं बड़ी संख्या में देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयंती पर याद किए गए नेताजी सुभाष चंद्र बोस

खूंटी : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को खूंटी में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उपायुक्त आर० रॉनिटा ने जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ सुभाष चंद्र बोस चौक (ऊपर चौक) स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, डीसीएलआर अरविंद कुमार, नजारत उप समाहर्ता कोमल कुमारी, नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी सृष्टि मिंज सहित जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी, समाजसेवी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का संघर्ष, त्याग और बलिदान हर भारतीय के लिए प्रेरणादायक है। उनका जीवन राष्ट्रभक्ति, साहस और आत्मबल का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

हथियार के साथ अपराध की साजिश नाकाम, दो अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : कदमा थाना पुलिस ने अपराध की योजना बनाते हुए हथियारों के साथ घूम रहे दो युवकों को पुलिस ने कदमा फार्म एरिया स्थित स्टाफ क्वार्टर के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पकड़े गए आरोपितों के पास से देसी कट्टा, देसी पिस्तौल और मैगजीन में लगी पांच जिंदा गोलियां बरामद की गई हैं। शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी सीसीआर मनोज ठाकुर ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कदमा थाना क्षेत्र के रामजनमनगर रोड नंबर-1 निवासी राहुल भगत उर्फ छोटा लालू (22) और ऋतिक सोय (20) के रूप में हुई है। गुरुवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कदमा फार्म एरिया रोड नंबर-4 के समीप कुछ युवक हथियार लेकर किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर एसएसपी और सिटी एसपी के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस को देखकर चार युवक भागने लगे, जिनमें से दो को मौके पर ही पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य फरार होने में सफल रहे। तलाशी के दौरान दोनों गिरफ्तार युवकों के पास से हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपितों ने एक दिन पूर्व कदमा के रामजनमनगर इलाके में लूटपाट की घटना को अंजाम देने की बात भी स्वीकार की है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण, भू-अर्जन और टाटा लीज भूमि अतिक्रमण की हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण, भू-अर्जन, नीलाम पत्र, टाटा लीज भूमि अतिक्रमण से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। सभी विभागों के राजस्व संग्रहण की क्रमवार समीक्षा में यह स्पष्ट निर्देश दिया गया कि जो विभाग अभी राजस्व संग्रहण में पिछड़ रहे हैं, कार्ययोजना बनाते हुए निर्धारित वार्षिक लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। आंतरिक संसाधनों से राजस्व बढ़ाने पर बल दिया गया। राज्य कर विभाग के तीनों सर्किल यथा अर्बन में वार्षिक लक्ष्य के विरूद्ध 65%, जमशेदपुर में 53.19% और सिंहभूम सर्किल में 52.85 % राजस्व की वसूली की गई है। करदाताओं का ऑडिट, फील्ड इंस्पेक्शन, बकायेदारों पर कार्रवाई और डेटा एनालिटिक्स पर बल दिया गया जिससे सही राजस्व मिल सके। खनन कार्यालय की समीक्षा में सालाना लक्ष्य के विरूद्ध अबतक 35 फीसदी उपलब्धि पर उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी से राजस्व वृद्धि पर उनकी कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा राजस्व में अपेक्षित वद्धि के निर्देश दिए। उत्पाद विभाग ने 80 फीसदी राजस्व संग्रहण किया है, विभागीय पदाधिकारी ने आश्वस्त किया कि शेष महीनो में सौ फीसदी राजस्व संग्रहण सुनिश्चित किया जाएगा। पंजीयन कार्यालयों की समीक्षा में जमशेदपुर सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में सालाना लक्ष्य के विरूद्ध 66.20% तथा घाटशिला में शत प्रतिशत राजस्व संग्रहण है। अपर उपायुक्त ने कहा कि सरकारी जमीनों की रजिस्ट्री में कोई गड़बड़ी न हो। सालाना लक्ष्य के विरुद्ध परिवहन विभाग ने अब तक 94% राजस्व वसूली की है। वहीं जेएनएसी, मानगो नगर निगम और जुगसलाई व चाकुलिया नगर परिषदों ने लगभग औसतन 65 % से ऊपर राजस्व संग्रहण किया है। बिजली विभाग के मानगो एवं जमशेदपुर प्रमंडल ने सालाना लक्ष्य का शत प्रतिशत तथा घटाशिला ने लगभग 97 फीसदी राजस्व संग्रहण कर लिया है, इसमें और बढ़ोत्तरी की उम्मीद जताई। नीलाम पत्र की समीक्षा में अपर उपायुक्त ने निर्देश दिए कि लंबित मामलों में नोटिस जारी करें, कुर्की, वारंट और नीलामी जैसा तरीका भी अपनाएं ताकि बकाया राजस्व की वसूली हो सके। भू-अर्जन की समीक्षा में राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्ग परियोजनाओं में अर्जित भूमि एवं रैयतों के मुआवजा भुगतान पर चर्चा की गई। बैठक में ड्रेन एवं यूटिलिटी शिफ्टिंग, वनभूमि का अनापत्ति प्रमाण पत्र, अंचलाधिकारी स्तर से सत्यापन प्रतिवेदन, संयुक्त रूप से स्थल का भौतिक निरीक्षण आदि को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। वहीं टाटा लीज भूमि अतिक्रमण की भी समीक्षा में सड़क एवं हाट-बाजार में अतिक्रमण के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई, माननीय उच्च न्यायालय, झारखंड, रांची से पारित न्यायादेश का अनुपालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 : फुटबॉल टूर्नामेंट के माध्यम से युवाओं में जागरूकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अवसर पर सरायकेला-खरसावां जिले में युवाओं के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज एक फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड कार्यालय, राजनगर के समीप अवस्थित फुटबॉल मैदान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जिला परिवहन विभाग के नेतृत्व में किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य खेल एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से युवाओं को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूक करना था। आयोजन के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, राजनगर, मोटर वाहन निरीक्षक सहित सड़क सुरक्षा टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा खिलाड़ियों एवं दर्शकों को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया गया। पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि युवा वर्ग समाज का सशक्त स्तंभ है तथा उनके माध्यम से सड़क सुरक्षा से संबंधित संदेश को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुँचाया जा सकता है। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि सामाजिक दायित्वों के प्रति भी सकारात्मक सोच का विकास होता है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से महिला घायल, बच्चे की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगरा गांव के निकट शुक्रवार को रेलवे लाइन पर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक महिला घायल हो गई, जबकि उसके बच्चे की मौत हो गई। घायल महिला की पहचान मंगरा गांव निवासी सरिता देवी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सरिता देवी अपने बच्चे के साथ अपने गांव से बरवाडीह जाने के लिए निकली थी। रेलवे लाइन के पोल संख्या 262/28-30 के पास रेलवे लाइन को पार कर रही थी। इसी दौरान अचानक एक मालगाड़ी आ गई। इसके चपेट में आने से महिला और बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग को दी। इसके बाद तत्काल एंबुलेंस की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने बच्चा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल महिला को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। इधर, इस संबंध में रेलवे पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

विद्यालय में सरस्वती पूजा नहीं होने से नाराज विधायक ने दिया धरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड के लेस्लीगंज बाजार स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में सरस्वती पूजा नहीं होने से नाराज पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने शुक्रवार को धरना दिया। मौके पर उन्होंने विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविन्द कुमार को जमकर फटकार लगाई और शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारियों से इसकी शिकायत की। उल्लेखनीय है कि विद्यालय की स्थापना आजादी से पूर्व 1872 में की गई थी, तब से लेकर अब तक प्रत्येक वर्ष विद्यालय में मां सरस्वती की प्रतिमा रखकर बड़े ही धूमधाम से पूजा होते चली आ रही थी, लेकिन इस वर्ष प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविन्द कुमार ने पूजा को बंद करा दिया। इसकी सूचना मिलने पर पांकी विधायक मौके पर पहुंचे और विद्यालय के मुख्य द्वारा पर दरी बिछाकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने मां सरस्वती की तस्वीर मंगा कर पूजा अर्चना की और प्रसाद का वितरण किया। साथ ही उन्होंने मौके पर भजन कीर्तन भी किया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन पर भी सवाल उठाया। विधायक ने कहा कि प्रधानाध्यापक अपनी मर्जी से जाफर खान नामक एक व्यक्ति को रखे हुए हैं। उन्होंने बीइओ को तत्काल विद्यालय प्रबंधन समिति और संयोजक को हटाने को कहा। विधायक ने कहा कि इस प्रकार से पूजा में बाधा पैदा करना बहुत ही गलत बात है। हमें लगता है कि हम हिंदुस्तान में नहीं बल्कि पाकिस्तान में रह रहे हैं। ऐसे प्रधानाध्यापक जो शिक्षा की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना से विद्यार्थियों को दूर करने का कार्य कर रहे हैं और मानसिक रूप से धर्म के प्रति घृणा रखते हैं उन्हें क्षेत्र में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

ईस्ट प्लांट बस्ती की पेयजल समस्या को लेकर टाटा स्टील यूआईएसएल के जीएम से मिला प्रतिनिधिमंडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : ईस्ट प्लांट बस्ती में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर आज ईस्ट प्लांट बस्ती से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी के साथ प्रतिनिधिमंडल ने टाटा स्टील यूआईएसएल के जनरल मैनेजर आर.के. सिंह से मुलाकात कर वहां की समस्याओं से अवगत कराया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी ने किया। मुलाकात के दौरान समिति के सदस्य सौरव श्रीवास्तव, संतोष ठाकुर एवं मिंटू मिश्रा भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने आर के सिंह को बताया कि ईस्ट प्लांट बस्ती के निवासियों को लगातार गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में बस्ती के 84 घरों का पानी कनेक्शन काट दिया गया था, जिसके बाद संबंधित परिवारों द्वारा नए कनेक्शन के लिए आवेदन किया गया है। इस संबंध में कुलवंत सिंह ने मांग की कि जब तक नए कनेक्शन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो जाती, तब तक किसी भी घर का जल कनेक्शन न काटा जाए और प्रभावित परिवारों को अविलंब पानी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने बस्ती से जुड़ी अन्य समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया, जिनमें ईस्ट प्लांट बस्ती से एचएसएम गेट तक पाथवे निर्माण, बस्ती में निमार्णाधीन पार्क में ओपन जिम के उपकरण लगाए जाने तथा चारदीवारी को ऊँचा करने और अटल सामुदायिक भवन के पास एक नए पार्क के निर्माण की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही। इस अवसर पर सभी मांगों और समस्याओं से संबंधित एक लिखित आवेदन भी टाटा स्टील यूआईएसएल के जनरल मैनेजर आर.के. सिंह को सौंपा गया। आवेदन प्राप्त करने के बाद सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। बस्तीवासियों ने आशा व्यक्त की है कि टाटा स्टील प्रबंधन द्वारा उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करते हुए जल्द ही स्थायी समाधान किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर में संजीव सिन्हा ने लिया जिलाध्यक्ष का कार्यभार, पार्टी कार्यालय में भव्य स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : संजीव सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष पद पर शुक्रवार को भारतीय संस्कृति एवं सनातन रीति रिवाज से कार्यभार ग्रहण किया। साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पदभार ग्रहण समारोह में निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा को विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया। समारोह में झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी समेत पार्टी के तमाम वरीय नेतागणों के साथ हजारों कार्यकर्ता इस पल के साक्षी बने। निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने संजीव सिन्हा को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अध्यक्षीय कुर्सी पर आसीन कराया तथा लड्डू खिलाकर शुभकामनाएं दीं। वहीं, पुरोहितों के द्वारा स्वास्ति वाचन एवं विधिपूर्वक पूजन कर कार्यालय प्रवेश कराया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने जय श्री राम और भारत माता की जय से कार्यालय परिसर गुंजायमान रखा। इस अवसर पर झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि भाजपा आज जिन ऊंचाइयों पर पहुंची है, वह लाखों कार्यकताओं के समर्पण और अथक परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा के संगठनात्मक योगदान की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि संजीव सिन्हा नए और पुराने सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे। वहीं, निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि भाजपा में लोकतांत्रिक पद्धति के तहत संगठनात्मक दायित्वों में परिवर्तन होता रहता है। उन्होंने संजीव सिन्हा को कुशल और कर्मठ सिपाही बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनका अध्यक्षीय कार्यकाल संगठन के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायी सिद्ध होगा। वहीं, जमशेदपुर महानगर के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि भाजपा में पद नहीं बल्कि दायित्व की परंपरा है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूती और विस्तार देने के लिए सभी कार्यकताओं के सहयोग से पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का सम्मान और हित सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी और अनुशासन के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। संजीव सिन्हा ने शीर्ष नेतृत्व और कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी के प्रेम और आशीर्वाद के सदैव ऋणी रहेंगे। निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने सौंपा कार्यभारः निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने नए जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा को विधिवत रूप से कार्यभार सौंपा। इस दौरान फूलों के गुलदस्ते के आदान प्रदान के साथ सुधांशु ओझा ने संजीव सिन्हा को जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर आसीन करा शुभकामनाएं व्यक्त की।

संक्षिप्त खबरें

वसंत पंचमी : जमशेदपुर में समावेशी उत्सव का हुआ आयोजन

जमशेदपुर : वसंत पंचमी के अवसर पर जमशेदपुर में युवाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ एक समावेशी उत्सव का आयोजन किया गया। पीपल फॉर चेंज और जमशेदपुर क्वीयर सर्कल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 100 से 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नृत्य, गीत और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और भावनाओं को खुलकर प्रस्तुत किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य एक सुरक्षित, सम्मानजनक और आनंदपूर्ण मंच तैयार करना था, जहाँ सभी लोग बिना किसी भेदभाव के वसंत पंचमी का उत्सव मना सकें। इस कार्यक्रम में जमशेदपुर के जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, टाटा स्टील फाउंडेशन, तथा शहर के विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों की भी सहभागिता रही। सभी संस्थाओं ने मिलकर सामाजिक समावेशन, समानता और आपसी सम्मान के संदेश को मजबूत किया। PFC और JQC ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक आयोजन सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं और युवाओं एवं ट्रांसजेंडर समुदाय को अपनी पहचान और अभिव्यक्ति के लिए सशक्त मंच प्रदान करते हैं। प्रतिभागियों ने इस आयोजन को सकारात्मक, प्रेरणादायक और यादगार अनुभव बताया।

जमशेदपुर में युवा उद्यमी कैरव गांधी का अपहरणः कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र निवासी देवांग गांधी जी के सुपुत्र युवा उद्यमी कैरव गांधी जी का 13 जनवरी को हुआ अपहरण आज भी राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। इस गंभीर विषय को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास जी, आदरणीय अर्जुन मुंडा, सांसद विद्युत वरण महतो जी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी जी, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय जी, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी एवं जिला अध्यक्ष संजीव सिन्हा जी के साथ पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। चिंता की बात यह है कि कैरव गांधी का घर एसएसपी आवास के पास स्थित है। प्रशासन की नाक के नीचे से यदि कोई युवक अपहृत होकर लापता हो जाता है और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगती, तो यह न केवल लापरवाही है बल्कि राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न भी है। परिवार की पीड़ा, चिंता और असहायता को सुनकर मन व्यथित है, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हेमंत सोरेन सरकार और पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता के कारण आज एक सम्मानित परिवार न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाने को मजबूर है। या जमशेदपुर जैसे औद्योगिक शहर में भी युवा उद्यमी सुरक्षित नहीं हैं? भारतीय जनता पार्टी पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नही जवाबदेही तय होनी चाहिए।

प्रखंड अध्यक्ष ने किया पंडाल का उद्घाटन

ईचागढ़ : प्रखंड क्षेत्र में चारों ओर सरस्वती पूजा का धुम रहा। नीमडीह प्रखंड अंतर्गत ग्राम कांदला में मां वीणा पानी क्लब कांदला में मां सरस्वती पूजा पंडाल का उद्घाटन झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप ने फीता काट कर किया। श्री गोप पुरियारा के पूजा पंडाल में शामिल हुए। एवं मां सरस्वती की चरणों में माथा टेकर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि कमेटी द्वारा बहुत ही अच्छा पहल किया गया है। पूजा के साथ ही युवा वर्ग में एक उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है एवं युवा वर्ग में आपसी एकता भी कायम होता है। मौके पर मंगल मांझी, भिराम मांझी, रामकृष्ण मांझी, चिरंजीत गोस्वामी, राजू प्रामाणिक, बुधेश्वर गोप, गौतम सिंह आदि उपस्थित थे।
प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नूतन वीणा छात्र संघ ने वर्ष 2026 में 41वां गौरव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया

रांची : रांची के सामाजिक और धार्मिक संस्था नूतन वीणा छात्र संघ द्वारा वर्ष 2026 में गौरव में 41 व वर्ष बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के कई गणमान्य पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा स्वयंसेवकों के यहां भूमिका रही। इस संस्था द्वारा झारखंड के प्रसिद्ध कन्या पूजन महोत्सव का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें 1008 से अधिक कुंवारी कन्याओं का सामूहिक कन्या पूजन भी होता है।

नेताजी के जीवन की स्मृतियों को संजोने के लिए मेमोरियल बने : सरयू राय

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को कहा कि नेताजी सुभाष चंद्रबोस मैदान, आम बागान में उनके नाम का एक मेमोरियल बनना चाहिए। इस मेमोरियल में लाइट एंड साउंड की व्यवस्था हो। जो लोग जमशेदपुर आएं, वो यहां एक बार जरूरी आएं। नेताजी के जीवन की सभी स्मृतियों को यहां संजोकर रखा जाए। इसके लिए एक भवन भी बने। नेताजी सुभाष चंद्रबोस मैदान, आम बागान में माल्यार्पण करने के बाद सरयू राय ने कहा कि इतना खूबसूरत मैदान कबाड़ बन गया है। कहीं अवैध गैरेज है तो कहीं कुछ और गतिविधियां चल रही हैं। वह 18 फरवरी से शुरू होने वाली विधानसभा सत्र में इस मैदान की बदहाली को लेकर सवाल उठाएंगे। उन्होंने मंच पर बैठे जदयू के जिलाध्यक्ष से कहा कि वे शिष्टमंडल के साथ उपायुक्त से मिलें और उनसे पूछें कि मैदान के चारों तरफ चहारदीवारी का काम कब शुरू होगा। यह काम जल्द शुरू होना चाहिए क्योंकि मैदान में अतिक्रमण के प्रयास जारी है। इस संबंध में टाटा स्टील के लैंड डिपार्टमेंट ने उपायुक्त से फोर्स देने की भी मांग की है।

क्रिकेट के बहाने भारत को आंख दिखाता बांग्लादेश

यह बात आज खेल से जुड़ी घटना भर नहीं रह गई है। इसके पीछे छिपी राजनीति, वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय साजिशें इसे कहीं अधिक गंभीर बना देती हैं। जिस बांग्लादेश का जन्म भारत के सहयोग, बलिदान और निर्णायक भूमिका के कारण संभव हुआ, वही देश आज भारत को चुनौती देने की स्थिति में खड़ा दिखाई देता है। यह बदलाव अचानक नहीं है, कहना होगा कि इसके पीछे वर्षों से पनपती कट्टरपंथी सोच, पाकिस्तान की शह पर चलने वाली राजनीति और भारत की ढीली कूटनीतिक रणनीति की स्पष्ट झलक मिलती है। आप देख सकते हैं कि बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद यूनुस सरकार के आने के साथ ही हालात तेजी से बदले। इस बदलाव का सबसे भयावह रूप वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं को झेलना पड़ रहा है। लगातार हो रही हत्याएं, मंदिरों पर हमले, पलायन की विवशता और हिंसा का खुला दौर यह बताता है कि अब कट्टरपंथ केवल सामाजिक स्तर तक सीमित न होकर उसे सत्ता का मौन समर्थन भी प्राप्त है। हालांकि ऐसा नहीं है कि शेख हसीना की सरकार में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर दमन कम हो रहा था, किंतु आज जिहादी यहां सबसे अधिक सक्रिय हैं। इसी जिहादी और कट्टरपंथी माहौल में भारत विरोध को एक स्थायी एजेंडा बना लिया गया है। भारत को खुले तौर पर अपना दुश्मन मानने की मानसिकता इसी विचारधारा की देन है। देखा जाए तो आज यह स्थिति इसलिए भी अधिक पीड़ादायक लगती है क्योंकि बांग्लादेश का अस्तित्व भारत के बिना संभव नहीं था। 1971 में भारत ने अपने सैनिकों का बलिदान देकर बांग्लादेश को एक देश के रूप में पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराया। इसके लिए भारत ने तात्कालीन समय में लाखों शरणार्थियों का बोझ उठाया, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान का विरोध सहा और अंततः बांग्लादेश को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। इसके बावजूद आज वही बांग्लादेश भारत को आंख दिखा रहा है। तटस्थ भाव से देखें तो यह कहीं न कहीं भारत की बांग्लादेश नीति पर भी सवाल खड़े करता है। सच; बांग्लादेश के संदर्भ में प्रतीत यही होता है कि यदि नीतियां संतुलित, होने के साथ सख्त और दूरदर्शी रही होतीं, तब शायद आज जैसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। ताजा विवाद क्रिकेट से जुड़ा है, किंतु इसके मायने खेल से कहीं आगे राजनीतिक एवं कूटनीतिक स्तर तक जाते हैं। अगले महीने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप आयोजित होना है। तय कार्यक्रम के अनुसार बांग्लादेश को अपने चार मुकाबले भारत में खेलने थे, जिनमें से तीन कोलकाता और एक मुंबई में होना था। किंतु इस्लामिक कट्टरपंथी यूनुस सरकार के प्रभाव में काम कर रहे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत आने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने कहा- हम आईसीसी के साथ बातचीत जारी रखेंगे। हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन हम भारत में नहीं खेलेंगे। हम लड़ते रहेंगे। ये भारत के साथ लड़ते रहने की सोच अपने आप भी बहुत कुछ कहती है, हालांकि कहने को इसके लिए सुरक्षा का बहाना बनाया गया है, जबकि सच्चाई यह है कि भारत दुनिया के सबसे सुरक्षित क्रिकेट आयोजक देशों में से एक है। इस पर आईसीसी ने साफ कहा कि भारत में सुरक्षा को लेकर कोई समस्या नहीं है और टूर्नामेंट शुरू होने में अब इतना समय नहीं बचा है कि स्थान बदला जा सके। इसके बावजूद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपनी जिद पर अड़ा हुआ है। इससे यह साफ हो गया कि मामला सुरक्षा से कहीं अधिक राजनीति से जुड़ा हुआ है। आज ये क्रिकेट को हथियार बनाकर भारत पर दबाव बनाने की नाकाम कोशिश की जा रही है। ताकि भारत आगे बांग्लादेश में हो रहे हिन्दू अल्पसंख्यक अत्याचार पर चुप रहे। दूसरी ओर इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की भूमिका बेहद अहम और संदिग्ध नजर आती है।

सूडोकु नवताल- 7684

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7683 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

कर्पूरी ठाकुर की राजनीति से नई पीढ़ी के नेताओं को सीख लेने की जरूरत है

विजय केसरी

जननायक कर्पूरी ठाकुर की राजनीति से नई पीढ़ी के राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सीख लेने की जरूरत है । आज की बदली राजनीतिक परिदृश्य में राजनीतिक कार्यकर्ता राजनीति में सत्ता प्राप्ति के लिए प्रवेश करते हैं। इसका प्रतिफल यह हो रहा है कि आम आदमी आज भी हसीए पर दिखाई देता है। जबकि संकल्प यह हुआ था कि सत्ता का लाभ समा के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे । लेकिन आज आम आदमी का हक नेता और बिचौलिए खा जा रहे हैं। देश भर के विभिन्न न्यायालयों में हजारों की संख्या नेताओं के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति के मुकदमें चल रहे हैं। जबकि कपूरीं ठाकुर आजीवन आम आदमी के लिए संघर्षरत रहे थे। उनकी राजनीति जन सेवा पर आधारित रही थी। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारत की राजनीति को समर्पित कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। उन पर कभी भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा था। वे राजनीति में बिल्कुल साफ सुथरे आए थे। वे साफ सुथरे ही इस दुनिया से गए थे। उन्होंने महान संत कबीर की उस वाणी को चरितार्थ कर दिया था कि 'जस की तस घर दिन्हीं चदरिया।' सामाजिक न्याय और समाजवाद के पुरोधा जननायक कपूरी ठाकुर संपूर्ण जीवन त्याग और बलिदान से ओतप्रोत है। उनकी राजनीति सदा जन सेवा को समर्पित रही थी। वे छात्र जीवन से ही समतामूलक समाज के निर्माण के पक्षधर रहे थे। वे समाज में छोटे-बड़े, ऊंची-नीची जातिवाद के भेद को जड़ से मिटा देना चाहते थे। वे एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते थे, जिसमें ना कोई छोटा हो , ना कोई बड़ा हो। समाज में व्याप्त भेदभाव को वे बिल्कुल उचित नहीं मानते थे। वे कर्म के सिद्धांत को जीवन की वास्तविक पूंजी मानते थे । वे मेहनत कर धन उपार्जन पर विश्वास रखते थे। उन्हें बेईमानी और झूठ की बातों से सख्त नफरत थी। वे एक बार बिहार के उपमुख्यमंत्री और दो - दो बार मुख्यमंत्री रहे थें। उन्होंने बेईमानी का एक भी पैसा नहीं लिया और ना ही अपने सहयोगियों को लेने दिया था । उनके इस स्वभाव से उनके साथ रहने वाले कई नेता गण बहुत दुःखी भी होते थे। उनके इस स्वभाव के कारण कई नेतागण उनका साथ छोड़ कर चले जाते थे। कर्पूरी ठाकुर ने कभी भी ऐसे लोगों की प्रवाह नहीं की थी।

कर्पूरी ठाकुर मात्र 14 वर्ष की उम्र में स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े थे। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लिया था। आगे चलकर लोकनायक जयप्रकाश नारायण और प्रखर समाजवादी राम मनोहर लोहिया से उन्होंने समाजवाद की सीख ली थी। सत्य और समाजवाद उनके अंदर ऐसा समाया कि कभी बाहर निकला ही नहीं। 1942 के स्वाधीनता आंदोलन में छात्रों को संगठित करने में कर्पूरी ठाकुर ने अहम भूमिका निभाई थी। वे ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ खुलकर बोला करते थे। वे जल्द ही ब्रिटिश हुकूमत की लाल सूची में अंकित हो गए थे। उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। जेल से आने के बाद वे और निखर गए थे। स्वाधीनता आंदोलन में उनकी सक्रियता देखते बनती थी। यह क्रम उनका कभी टूटा नहीं। वे देश की आजादी के बाद एक समाजवादी नेता के रूप में वे संपूर्ण राष्ट्र में पहचाने जाने लगे थे। वे 1952 में पहली बार बिहार विधान सभा सदस्य चुने गए थे। वे तब से लेकर मृत्यु पूर्व तक वे बिहार विधान सभा के सदस्य बने रहे थे।

1967 में जब बिहार में महामाया प्रसाद जी की सरकार बनी थी। उस सरकार में कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे। वे उपमुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री का भी दायित्व संभाले हुए थे। शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई निशुल्क कर दिया था। मैट्रिक तक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने समाप्त कर दिया था। उन्होंने ऐसा इसलिए किया था कि समाज के पिछड़े बच्चे अंग्रेजी के कारण मैट्रिक पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। जिस कारण पिछड़े विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते थे । ऐसा कर उन्होंने एक बहुत बड़ा कदम उठाया था । इस कदम की बिहार प्रांत सहित देश के कई हिस्सों में उनकी जमकर आलोचना हुई थी। लेकिन वे इससे बिल्कुल घबराए नहीं। ऐसा कर उन्होंने समतामूलक समाज निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल की थी। इंदिरा गांधी के खिलाफ जब जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति का आंदोलन का बिगुल चंहुओर बज रहा था, तब कपूरी ठाकुर देशभर में घूम घूम कर जनता के बीच इंदिरा गांधी के विरोध जमकर अपनी बातों को रख रहे थे। आपातकाल का उन्होंने जमकर विरोध किया था । देश से इमरजेंसी की समाप्ति की घोषणा के बाद जब केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी थी। तब बिहार में भी जनता पार्टी की सरकार बनी थी। बिहार विधानसभा के विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद कर्पुरी ठाकुर बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने गरीबों, अति पिछड़े वर्ग के लोगों को न्याय देने के लिए आरक्षण की घोषणा की थी। कर्पूरी ठाकुर के इस कदम का पूरे राज्य में जमकर विरोध हुआ था। लेकिन वे अपनी इस घोषणा पर अटल रहे थे। समाज के दलित, अति पिछड़े वर्ग और गरीबों को आरक्षण के रूप में एक वरदान मिल गया था। अब वे आरक्षण के माध्यम से सीधे सरकारी नौकरियों में जा सकते थे। मुख्यमंत्री पद पर रहकर भी उनके आचार - विचार और व्यवहार में कोई भी तब्दीली नहीं हुआ था। उनका मुख्यमंत्री आवास चौबीसों घंटे जरूरतमंदों के लिए खुला हुआ रहता। वे जिस समाजवाद का समतामूलक समाज के निर्माण का झंडा लेकर आगे बढ़ रहे थे, इनके रूप रंग से स्पष्ट रूप से झलक रहे थे। वही साधारण कुर्ता - धोती, पुराना चप्पल और बिखरे बाल उनकी सादगी को परिभाषित करता था। मुख्यमंत्री बनने से पूर्व उनका जो रहन-सहन था, वही रहन सहन मुख्यमंत्री बनने के बाद भी रहा था।

एक बार कर्पूरी ठाकुर कोआस्ट्रीया जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। तब उन्होंने अपने एक मित्र से फटा हुआ कोट उधार लिया था। आस्ट्रीया के शासक उन्हें फटे कोट में देखकर एक नूतन कोट भेंट की थी । वे फटे पुराने कपड़े जरूर पहनते थे, लेकिन जब मंच पर पहुंचते थे, तो उनके अंदर की ईमानदारी एक रौशनी रूप में प्रकट होता थी। जहां मंच पर बैठे अन्य नेतागण बौने लगते थे।

जननायक कर्पुरी ठाकुर इस धरा पर 64 वर्षों तक जीवित रहे थे। 17 फरवरी 1988 को हुए इस दुनिया से रुखसत हो गए थे। उन्होंने अपने 64 वर्षों के जीवन काल में कभी भी अपनी नीतियों से समझौता नहीं किया था। सरकार चली जाए, उसकी भी उन्होंने परवाह नहीं की थी। वे मुख्यमंत्री रहे अथवा ना रहे, लेकिन नीतियों से कभी भी समझौता नहीं किया। उन्होंने राजकोष का गलत इस्तेमाल होने दिया था। अपनी संचिकाओं के साथ जब निर्णय लेने के लिए बैठते थे, तब वह एक सख्त प्रशासक की भूमिका में होते थे। वे रत्ती भर भी गलती होने नहीं देते थे। उनकी सहज उपस्थिति से अधिकारी कांप उठते थे। वे कठोर से कठोर बातों को बिल्कुल सहजता के साथ प्रकट करते थे। वे सामने वाले को सुधर जाने की हिदायत देते थे। वे एक अवसर भी प्रदान करते थे । दोबारा गलती को माफ भी नहीं करते थे।

मुख्यमंत्री रहते हुए विधायकों के लिए सरकारी जमीन आवंटित की जा रही थी । उनके कई विधायक गण उन्हें जमीन ले लेने की बात कही थी। लेकिन उन्होंने सरकारी जमीन लेने से मना कर दिया था। वे देश के पहले मुख्यमंत्री थे, जिनके पास अपना निजी कार नहीं था और ना ही बहुमंजिला मकान था। उनका तो प्रादुर्भाव इस धरा पर अति पिछड़ों, दलितों, असहायों की सेवा करने के लिए हुआ था। वे सच्चे अर्थों में सामाजिक न्याय और समतामूलक के पुरोधा थे।

बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान

योगेश कुमार गोयल

हर साल 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है, जो केवल एक दिवस मात्र नहीं है बल्कि भारतीय समाज के आत्ममंथन और उत्तरदायित्व बोध का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम यह सोचने को विवश होते हैं कि क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं, क्या उन्हें समान अवसर मिल रहे हैं और क्या समाज ने उन्हें बोझ नहीं बल्कि संभावना के रूप में स्वीकार किया है? बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनके साथ होने वाले भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक चेतना विकसित करने तथा उनके सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। जब तक देश की बालिकाएं सशक्त नहीं होंगी, तब तक न तो समाज संतुलित हो सकता है और न ही राष्ट्र प्रगति के शिखर को छू सकता है।

एक समय था, जब भारतीय समाज में बेटी का जन्म चिंता का विषय माना जाता था। पुत्र मोह, सामाजिक कुरीतियां, दहेज जैसी अमानवीय परंपराएं और आर्थिक असुरक्षा की मानसिकता ने बेटियों को कोख में ही मार देने जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह लंबे समय तक सामाजिक स्वीकृति के साथ फलते-फूलते रहे, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप देश का लिंगानुपात बुरी तरह बिगड़ गया। हालांकि आजादी के बाद से ही सामाजिक चेतना, कानूनों और सरकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से इस सोच को बदलने के प्रयास हुए लेकिन यह सच है कि मानसिकता में बदलाव सबसे कठिन प्रक्रिया होती है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 2008 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिया गया था और पहली बार 24 जनवरी 2009 को यह दिवस मनाया गया था। यह दिवस मनाए जाने की शुरूआत करने का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस सामाजिक संकल्प को मजबूती देना था। यूनिसेफ स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त बचपन का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार किसी भी देश की जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिरता का सीधा संबंध वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से जुड़ा होता है।

भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं। आज बालिकाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं, जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की। औसतन प्रतिदिन लगभग 140 महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में हिंसा का शिकार होकर जीवन गंवा रही हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी महिलाओं और लड़कियों की हत्या के हजारों मामले सामने आना यह दशार्ता है कि लैंगिक हिंसा केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक मानवीय संकट है। भारत में स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां अपराध के साथ-साथ सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को दोष देने की मानसिकता भी जुड़ी हुई है। कई मामलों में न्याय प्रक्रिया की धीमी गति, सामाजिक दबाव और भय के कारण अपराध दर्ज ही नहीं हो पाते। बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि कानून तो बने हैं लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना में अभी भी गंभीर कमी है। यह भी सच है कि बालिकाओं को आज भी समानता साबित करने के लिए बालकों की तुलना में कहीं अधिक संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा से लेकर कैरियर, स्वतंत्रता से लेकर सुरक्षा तक, हर स्तर पर उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव केवल किसी एक चरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बालिका के जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर उसका पीछा करता है। यही कारण है कि बालिका दिवस जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

कुल मिलाकर, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार, समाज, शिक्षा व्यवस्था, मीडिया और शासन, सभी को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी। बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण देना, उनकी बात सुनना, उनकी पसंद का सम्मान करना और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। जब समाज यह स्वीकार करेगा कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बालिकाओं को दया या सहानुभूति की दृष्टि से नहीं, अधिकार और समानता की दृष्टि से देखें। यही बालिकाएं देश की वर्तमान ऊर्जा हैं और भविष्य की दिशा भी। यदि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले तो वे न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस की सार्थकता इसी में है कि यह दिन हमें आत्मविश्लेषण के साथ-साथ ठोस सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा दे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वर्दी... मर्यादा... विश्वास का संकट

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र में सत्ता का सबसे संवेदनशील और प्रभावशाली चेहरा पुलिस व्यवस्था होती है। पुलिस केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं, बल्कि राज्य की नैतिक शक्ति का प्रतीक भी है। जब इसी व्यवस्था का कोई शीर्ष अधिकारी गंभीर नैतिक आरोपों में घिरता है, तो सवाल केवल व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे तंत्र की साख, जवाबदेही और आचरण पर उठ खड़े होते हैं। कर्नाटक के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और डीजीपी (सिविल राइट्स एन्फोर्समेंट) को कथित आपत्तिजनक वीडियो सामने आने के बाद निलंबित किया जाना इसी गहरे संकट की ओर संकेत करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल कथित वीडियो ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी। राज्य सरकार द्वारा त्वरित निलंबन का निर्णय इस बात का संकेत है कि मामला केवल निजी आचरण तक सीमित नहीं माना गया, बल्कि सार्वजनिक पद की गरिमा और संस्थागत प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ समझा गया। हालांकि, यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी भी व्यक्ति को कानूनन दोषी ठहराने से पहले निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो। लोकतंत्र का यही संतुलन है-न तो आरोपों को नजरअंदाज करना और न ही जांच से पहले निर्णय सुना देना। पुलिस वर्दी एक साधारण पोशाक नहीं होती। यह नागरिकों और राज्य के बीच विश्वास का प्रतीक होती है। विशेष रूप से डीजीपी स्तर का अधिकारी केवल आदेश देने वाला प्रशासक नहीं, बल्कि पूरे बल के लिए नैतिक मानक तय करने वाला चेहरा होता है। उसके आचरण से यह संदेश जाता है कि व्यवस्था किस दिशा में खड़ी है। जब किसी शीर्ष अधिकारी पर ऐसे आरोप लगते हैं, तो आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यदि नीति निर्धारण और अनुशासन लागू करने वाले ही मयार्दाओं को लेकर लापरवाह हों, तो व्यवस्था से न्याय की उम्मीद कैसे की जाए? यही वह बिंदु है जहां व्यक्तिगत आचरण सार्वजनिक चिंता का विषय बन जाता है।

यह प्रकरण एक और महत्वपूर्ण पहलू को उजागर करता है-सोशल मीडिया का प्रभाव। आज किसी भी कथित वीडियो या सामग्री का कुछ ही घंटों में व्यापक प्रसार हो जाता है। इससे एक ओर पारदर्शिता बढ़ी है, तो दूसरी ओर अफवाह, संपादन और दुरुपयोग का खतरा भी। इसलिए राज्य और जांच एजेंसियों के सामने दोहरी चुनौती होती है- जनभावना का सम्मान करते हुए भी तथ्यों की गहराई से पड़ताल करना। सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री को आधार बनाकर प्रशासनिक कार्रवाई करना एक संवेदनशील निर्णय होता है। कर्नाटक सरकार द्वारा निलंबन का फैसला यह दशार्ता है कि प्रारंभिक स्तर पर ही जवाबदेही तय करने की कोशिश की गई, ताकि जांच निष्पक्ष वातावरण में हो सके। निलंबन स्वयं में दंड नहीं, बल्कि जांच के लिए रास्ता साफ करने की प्रक्रिया है-यह तथ्य समझना भी जरूरी है।

अकसर यह तर्क दिया जाता है कि किसी अधिकारी का निजी जीवन उसके काम से अलग होना चाहिए। सिद्धांत रूप में यह बात सही लग सकती है, लेकिन उच्च संवैधानिक या प्रशासनिक पदों पर बैठे लोगों के लिए निजी और सार्वजनिक जीवन के बीच की रेखा बहुत पतली होती है। कारण साफ है-उनका हर आचरण संस्था की छवि से जुड़ जाता है। यदि कथित कृत्य ऐसे हों जो सार्वजनिक नैतिकता, महिला सम्मान या पद की गरिमा के विपरीत माने जाएं, तो उन्हें केवल 'निजी मामला' कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। विशेषकर तब, जब वे कृत्य सार्वजनिक प्रतीकों, वर्दी या आधिकारिक वातावरण से जुड़े होने का आरोप झेल रहे हों।

इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा प्रश्न व्यक्ति से आगे जाकर संस्थागत जवाबदेही का है। क्या हमारी प्रशासनिक संरचना में ऐसे तंत्र पर्याप्त रूप से मजबूत हैं, जो समय रहते आचरण संबंधी विचलनों को पहचान सकें? क्या वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आंतरिक आचार संहिता केवल कागजों तक सीमित रह गई है? आईपीएस जैसे प्रतिष्ठित कैडर से समाज अपेक्षा करता है कि वह न केवल कानून लागू करे, बल्कि नैतिक नेतृत्व भी प्रदान करे। यदि किसी एक अधिकारी की कथित चूक पूरे बल की छवि पर प्रश्नचिह्न लगा देती है, तो यह संकेत है कि आंतरिक निगरानी और नैतिक प्रशिक्षण पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता है।

किसी भी लोकतांत्रिक राज्य में सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह होता है कि कानून सबके लिए समान है। चाहे वह आम नागरिक हो या सर्वोच्च पद पर बैठा अधिकारी। यदि जांच के बाद आरोप सिद्ध होते हैं, तो कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जो यह स्पष्ट करे कि पद, प्रभाव और पहचान कानून से ऊपर नहीं हैं। साथ ही, यदि आरोप असत्य या बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किए गए पाए जाते हैं, तो यह भी उतना ही आवश्यक है कि संबंधित अधिकारी की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित किया जाए। न्याय का अर्थ केवल दंड देना नहीं, बल्कि सत्य की स्थापना भी है।

आम नागरिक पुलिस से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि नैतिक आश्वासन भी चाहता है। वह यह विश्वास करना चाहता है कि जिन हाथों में कानून की बागडोर है, वे स्वयं कानून और मयार्दा के दायरे में हैं। जब ऐसे प्रकरण सामने आते हैं, तो जनता का भरोसा डगमगाता है- और यही किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा होता है। इसलिए सरकारों और संस्थानों की जिम्मेदारी केवल तात्कालिक कार्रवाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्हें यह भी सोचना होगा कि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो-इसके लिए प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक परामर्श, नैतिक मूल्यांकन और जवाबदेही की स्पष्ट प्रक्रिया विकसित करनी होंगी। कर्नाटक डीजीपी प्रकरण केवल एक अधिकारी के कथित आचरण का मामला नहीं है।

दैनिक पंचांग

24 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.56 बजे से
चंद्र	मीन में	मीन	09.29 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.59 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.37 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.51 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.07 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.19 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.30 बजे से
		वृश्चिक	01.44 ब.से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		धनु	04.00 बजे से
		मकर	06.06 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 24 दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 00.40 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 14.16 बजे को समाप्त।
योग शिव 14.02 बजे को समाप्त।
करण कौलव 13.17 बजे तदनन्तर तैतिल 00.40 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 5.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872599
जूलियन दिन 2461064.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

वसंत पंचमी पर सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में भव्य सरस्वती पूजा व अक्षरारंभ संस्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती पूजा और अक्षरारंभ संस्कार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय को भव्य रूप से सजाया गया था, और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माँ सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। विद्यालय के आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सरस्वती पूजा का आयोजन विद्यार्थियों को ज्ञान, विवेक और सदाचार की शिक्षा देने के लिए किया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों, आचार्यों और अभिभावकों ने श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की और विद्या, विवेक एवं सदाचार के लिए माँ से आशीर्वाद प्राप्त किया। अक्षरारंभ संस्कार का आयोजन नन्हे बच्चों के लिए किया गया, जिसमें उन्होंने गुरुजनों के सान्निध्य में अक्षर लेखन कर औपचारिक रूप से शिक्षा की यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य मिथिलेश कुमार खन्ना, देव कुमार, दिलीप सिंह, इंद्रजीत कुमार सिंह, डॉ गायत्री कुमारी, पूनम सिंह, शम्मी राज, दुर्गा प्रसाद, शशि कान्त, अमित कुमार झा, शम्मी राज, बब्बू लाल तिवारी, चितरंजन लाल खन्ना, ममता कुमारी, ज्योति कुमारी, गायत्री कुमारी आदि उपस्थित थे। सरस्वती पूजा के अवसर पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को ज्ञान, विवेक और सदाचार की शिक्षा देने का आग्रह किया।

ज्ञान और वीरता का संगमः ए'ला एंगलाइज विद्यालय में सरस्वती पूजा व नेताजी जयंती का भव्य आयोजन

भुरकुंडा : ए'ला एंगलाइज विद्यालय में एक अनोखा और अविस्मरणीय दिन देखने को मिला, जब विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा और महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती एक साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक भव्य और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।
कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी के साथ हुई, जिसमें छात्रों ने हाथों में तिरंगा और नेताजी के नारों वाली तख्तियां लेकर पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा और जय हिंद के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस रैली का उद्देश्य जनमानस में देशभक्ति की भावना जागृत करना और नेताजी के बलिदानों को याद करना था। रैली के पश्चात विद्यालय प्रांगण में विधि-विधान के साथ सरस्वती पूजा संपन्न हुई। पंडित जी के मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। स्कूल के संगीत दल ने 'वर दे वीणा वादिनी' वंदना प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने अपनी पुस्तकों और कलम को माँ के चरणों में रखकर विद्या और बुद्धि का आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने नेताजी के जीवन पर आधारित ओजस्वी भाषण और कविताएं प्रस्तुत कीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने अपने संबोधन में कहा, ₹आज का दिन हमारे लिए दोहरा उत्सव है। जहाँ माँ सरस्वती हमें ज्ञान का मार्ग दिखाती हैं, वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन हमें साहस और अनुशासन की सीख देता है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दोहरे उत्सव ने विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति समर्पण और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की भावना को और सुदृढ़ किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्रगण महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने ए'ला एंगलाइज विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे और देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में योगदान करेंगे।

बंजारी नगर में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

रामगढ़ : बंजारी नगर पोचरा रामगढ़ में स्थित श्री सरस्वती पूजा समिति द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूजा समिति के सदस्यों ने मिलकर धूमधाम से पूजा किया। पूजा का नेतृत्व आदित्य कुमार ने किया, जबकि पुष्पेंद्र कुशवाहा, ऋषि सिंह, अखिलेश कुशवाहा, उदित कुमार, अंकित कुमार, नमन कुमार, हर्ष कुमार सहित अन्य सदस्यों ने पूजा में सक्रिय भाग लिया। पूजा के दौरान भक्तों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि सरस्वती पूजा का आयोजन विद्यार्थियों को ज्ञान, विवेक और सदाचार की शिक्षा देने के लिए किया जाता है। उन्होंने बताया कि माँ सरस्वती की पूजा से विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है। पूजा के अवसर पर बंजारी नगर के निवासियों ने भी हिस्सा लिया और माँ सरस्वती की पूजा की। इस अवसर पर पूजा समिति के सदस्यों ने सभी को प्रसाद वितरित किया और सभी को सरस्वती पूजा की शुभकामनाएं दीं।

मां सरस्वती की आराधना से गूंज उठा श्री कृष्ण विद्या मंदिर, ज्ञान और संस्कृति का संगम

रामगढ़ : श्री कृष्ण विद्या मंदिर परिसर में ज्ञान, विद्या, कला और विवेक की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की पावन पूजा अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुई। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के मुख्य मंच को एक भव्य और सौंदर्यपूर्ण पूजा पंडाल के रूप में सजाया गया, जहां श्वेत आभा और शालीन अलंकरण के मध्य मां सरस्वती की मनोहरी प्रतिमा की विधिवत स्थापना की गई। पूजा पंडाल की संपूर्ण संरचना ज्ञान, पवित्रता और शांति का प्रतीक प्रतीत हो रही थी, जिसने उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया। विद्यालय के गणित शिक्षक विक्रम सिंह ने अपनी साज-सज्जा, कला और सृजनात्मक प्रतिभा का अद्भुत परिचय देते हुए पूजा पंडाल को एक नवीन और विशिष्ट स्वरूप प्रदान किया। उनकी परिकल्पना, सूक्ष्मता और कलात्मक दृष्टि ने पंडाल को न केवल आकर्षक बनाया, बल्कि उसमें निहित भारतीय संस्कृति और शैक्षिक मूल्यों को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। पूजा अर्चना क्षेत्र के वरिष्ठ और प्रतिष्ठित पंडित के मार्गदर्शन में विधिपूर्वक संपन्न हुई।

एक नजर

कठौतिया कोल माइंस से चोरी गए सामान बरामद, दो हिरासत में

पलामू : हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस से चोरी गए भारी मात्रा में सामान कठौतिया के गड़ई टोला के एक घर और आसपास के खेतों से शुक्रवार को बरामद किया गया। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में कठौतिया माइंस से केबल, एंगल, कॉपर और अल्यूमीनियम तार की चोरी हुई थी। गुरुवार रात्रि में भी माइंस में चोरी हुई थी। शुक्रवार सुबह कठौतिया माइंस के सुरक्षा प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह और एसओ चंदन तिवारी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों के साथ माइंस के आसपास में छानबीन की जा रही थी। इसी दौरान गड़ई टोला में एंगल और तार फेंका हुआ मिला। सुरक्षा प्रबंधक ने तत्काल इसकी सूचना पलामू की पड़वा थाना पुलिस को दी। पड़वा थाना के एसआई चिन्टु कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर छानबीन शुरू की। एक घर के बाथरुम और कमरे में रखा तार, एंगल और पाइप के कटे हुए कई टुकड़े बरामद किया गया। एक अर्द्ध निर्मित घर में केबल जलाने के बाद बचे अवशेष मिले। एसआई चिन्टु ने कहा कि माइंस से चोरी गए कई सामान बरामद किये गये हैं। इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी होंगे उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

पराक्रम दिवस पर सेना के जवानों ने किया रक्तदान, 117 ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

रामगढ़ : सदर अस्पताल के रक्त बैंक और झारखंड मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन (झामेल्टा) के संयुक्त तत्वावधान में पराक्रम दिवस पर शुक्रवार को सैन्य छावनी अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेना के पदाधिकारियों, डॉक्टरों और झामेल्टा के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर शिविर का उद्घाटन किया। रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए रक्त बैंक के प्रभारी डॉ. निशात अहमद ने सेना के जवानों के बीच रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो जरूरतमंदों की जीवन बचाने में मदद करता है। सेना के पदाधिकारियों और जवानों ने देश की रक्षा के साथ-साथ जरूरतमंदों की जान बचाने के लिए रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है। झामेल्टा के पदाधिकारियों ने सेना के जवानों की इस पहल की सराहना की और कहा कि यह राष्ट्र सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा का प्रतीक है। शिविर में कुल 117 सेना के जवानों और पदाधिकारियों ने रक्तदान किया, जिन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पूर्वी सिंहभूम : उलीडीह थाना से करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित पिंकी होटल के पास गुरुवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान उलीडीह रोड नंबर-5 के हयातनगर डिमना बस्ती निवासी सिराजुद्दीन अंसारी (35) के रूप में हुई है, जो जमशेदपुर में किराये के मकान में रहते थे। परिजनों के अनुसार सिराजुद्दीन कांड्रा स्थित स्पेक्ट्रा सुपर एलॉयज लिमिटेड कंपनी में वाहन चालक के रूप में कार्यरत थे। गुरुवार रात काम समाप्त करने के बाद वे बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 12 बजे उलीडीह क्षेत्र में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। उलीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में सिराजुद्दीन को एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नवयुवक क्लब टिकरा नायक मोहल्ला देवरी के पूजा पंडाल का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पिस्का नगड़ी : नगड़ी प्रखण्ड के ग्राम पंचायत देवरी में नवयुवक क्लब टिकरा नायक मोहल्ला देवरी के तत्वाधान में स्थापित माता सरस्वती पूजा पंडाल का उद्घाटन भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय शर्मा, झारखण्ड उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता कुमार हर्ष एवं उप प्रमुख प्रखण्ड-नगड़ी प्रतिनिधि अब्दुल कद्दूस ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय शर्मा ने कहा की माता सरस्वती के द्वारा दिए गए ज्ञान को हम सभी को अपनाना है तथा विशेष तौर पर समाज को जागृत करना है। उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता कुमार हर्ष ने कहा की हम सभी को मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण तरीके से खुशी खुशी इस त्यौहार को मनाना है। उप प्रमुख नगड़ी प्रतिनिधि अब्दुल कद्दूस ने आयोजक नव युवक क्लब देवरी के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए सराहना की तथा कहा कि माता सरस्वती विद्या की देवी हैं,जिस विद्या को दुनियां के सभी जाति धर्म के लोग ग्रहण करते हैं, इन्होंने विशेष रूप शिक्षा को अपनाने एवं मदिरा पान से दूर रहने की बात कही। इस दौरान नवयुवक क्लब देवरी के सदस्यों ने अतिथियों को चुनरी ओढ़ा कर सम्मानित किया तथा सभी दर्शनार्थियों एवं अतिथियों को प्रसाद ग्रहण कराया। इस अवसर पर नवयुवक क्लब के शिवा महतो,शनि नायक,गिरधारी यादव, बसंत उरांव,आनंद साहू,सूरज कुमार महतो,मनीष नायक,अरुण कुमार साहू,जय गोप,सनक गोप के साथ ही साथ सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित हुए।

पतरातू पुलिस की बड़ी कार्रवाई ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : पतरातू पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान पतरातू बस्ती के विशाल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 6.9 ग्राम ब्राउन शुगर, एक हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, सोलह हजार चार सौ रुपए और एक एंड्राइड मोबाइल बरामद किया है। इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव गोस्वामी ने अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर बताया कि पुलिस अधीक्षक के आदेश पर 22 जनवरी को एक छापामारी टीम का गठन कर संगठित अपराध के सदस्यों के विरुद्ध छापेमारी की जा रही थी। इसी दौरान पतरातू बस्ती के शैतान चौक के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। तभी एक हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति वहां पहुंचा, जिसे रोक कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 6.9 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। गोस्वामी ने बताया कि गिरफ्तार युवक के खिलाफ पतरातू थाना कांड संख्या 24/2026 दिनांक 22 जनवरी, धारा 17 (बी)/21(बी)/27(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव गोस्वामी, पुलिस इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, पुअनि शिवलाल कुमार गुप्ता, भदानी नगर ओपी प्रभारी अख्तर अली, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा, भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार, पतरातू थाना के रेणुका कुमारी दास, विक्रम तिग्गा, प्रदीप कुमार रजक के अलावा सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

राष्ट्रीय फ्लैग डे पर जिंदल स्टील पतरातू में तिरंगे के सम्मान में भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : राष्ट्रीय फ्लैग दिवस के अवसर पर जिंदल स्टील पतरातू परिसर में बड़े ही श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति के भाव के साथ राष्ट्रीय फ्लैग डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्लांट प्रमुख के बी सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज को ससम्मान फहराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्लांट प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय फ्लैग दिवस हम सभी देशवासियों के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। यह दिन राष्ट्रीय ध्वज के प्रति हमारी आस्था, एकता और देशप्रेम की भावना को और अधिक मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि जिंदल स्टील के अध्यक्ष नवीन जिंदल के अथक प्रयासों से देशवासियों को राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराने का अधिकार और अवसर प्राप्त हुआ। उनके प्रयासों से तिरंगे का सम्मान जन-जन तक पहुँचा है और देश में देशभक्ति की भावना को नई ऊर्जा मिली है। इस अवसर पर जिंदल स्टील पतरातू के अधिकारीगण, संतोष कुमार, आर डी शर्मा, रुपेश कुमार, सतीश कुमार सिंह, अभय सिंह, प्रवीण कुमार, राहुल सहित कर्मचारी और अन्य उपस्थितजनों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए राष्ट्रहित और एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर जिंदल स्टील पतरातू में अधिकारी, कर्मचारी और बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने देशभक्ति के भाव को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिताओं में चित्रकला, निबंध लेखन, और भाषण प्रतियोगिता शामिल थीं, जिन्होंने छात्रों की प्रतिभा को निखारने का काम किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थितजनों ने एक साथ खड़े होकर राष्ट्रगान गाया और देश की एकता और अखंडता की शपथ ली। इस अवसर पर जिंदल स्टील पतरातू के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने देश की सेवा में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। जिंदल स्टील पतरातू के इस आयोजन ने एक बार फिर से देशभक्ति की भावना को मजबूत किया और सभी को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और आस्था की भावना को और अधिक बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त खबरें

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर रामगढ़ में माल्यार्पण, राष्ट्रीय पराक्रम दिवस पर श्रद्धांजलि

रामगढ़ : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती और राष्ट्रीय पराक्रम दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रामगढ़ शहर के सुभाष चौक पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, गोपनीय प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य जिला स्तरीय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों ने सुभाष चौक स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती और राष्ट्रीय पराक्रम दिवस के अवसर पर हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था, और हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में शामिल करना चाहिए। माल्यार्पण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और उनके कार्यों को याद किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने देशभक्ति गीत भी गाए और नेताजी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रशासन की ओर से किया गया।

माता वैष्णों देवी मंदिर का 35वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

रामगढ़ : झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर का 35वां वार्षिकोत्सव शुक्रवार को गाजे-बाजे के साथ निकाली गई भव्य कलश यात्रा से शुरू हुआ। कलश यात्रा के दौरान पूरा शहर जय माता दी के जयकारे से गूंजता रहा। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु महिलाएं लाल चुनरी ओढ़े सिर पर कलश लेकर कतारबद्ध होकर चल रही थी। कलश यात्रा मंदिर परिसर से निकाली गई, जो शहर के झंडा चौक, गांधी चौक, मेन रोड, सुभाष चौक, शिवाजी रोड, लोहार टोला होते हुए चट्टी बाजार स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर में कलश में जल भरकर वापस माता वैष्णों देवी मंदिर पहुंची। कलश यात्रा में सुसज्जित वाहन पर माता का विशाल चित्र रखा गया था। इसके पीछे रामगढ़ के प्रसिद्ध भजन गायक कमल बगड़िया व ध्रुव सिंह अपनी पूरी टीम के साथ भजन गाते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु महिलाएं माता का जयकारा लगाते हुए चल रही थी। नगर भ्रमण के दौरान शिवाजी रोड स्थित गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सदस्यों ने कलश यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा के आगे शतचंडी यज्ञ के मुख्य यजमान हर्ष आनंद व उनकी पत्नी निशु आनंद साथ-साथ चल रहे थे। इस अवसर पर मंदिर की संचालक संस्था पंजाबी हिन्दू बिरादरी व माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरत बन्द्र वासुदेव, महासचिव महेश मारवाह, उपाध्यक्ष मनजीत साहनी, सहसचिव नरेश चन्द्र मारवाह, सुभाष चन्द्र मारवाह, जेके शर्मा, सुरेन्द्र सोबती, ओमकार मल्होत्रा, राजीव चड्ढा, बलवंत राय मारवाह, वेद आनंद, संजीव चड्ढा, अजीत अग्रवाल, मनीष मारवाह, विशाल वासुदेव, पवन मारवाह, हरिओम भसीन, प्रवीण शर्मा सहित बिरादरी के सभी सदस्यों के अलावा श्रद्धालु शामिल थे।

नौसेना प्रमुख एडमिरल डी.के. त्रिपाठी ने रजरप्पा में की पूजा-अर्चना

रजरप्पा : इंडियन नेवी के प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने 30 जनवरी की सुबह रजरप्पा स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना की। धार्मिक अनुष्ठान के बाद उन्होंने देश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि भारत की रक्षा मजबूत हाथों में है और किसी भी चुनौती का जवाब पूरी दृढ़ता के साथ दिया जाएगा। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय नौसेना हर परिस्थिति में देश के समुद्री हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम और सतर्क है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत की ओर किसी भी तरह की दुर्भावनापूर्ण गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नौसेना प्रमुख ने रजरप्पा मंदिर में पूरे विधि-विधान के साथ मां छिन्नमस्तिके की आराधना की। इस दौरान उन्होंने नारियल बलि अर्पित की और रक्षा सूत्र धारण किया। उनके आगमन को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं के लिए यह क्षण विशेष गौरव का विषय रहा। पूजा के दौरान नौसेना प्रमुख ने मंदिर के पुजारियों से रजरप्पा धाम और दामोदर-भैरवी नदी संगम की पौराणिक व आध्यात्मिक मान्यताओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इस स्थल को आस्था और शक्ति का प्रमुख केंद्र बताया तथा मंदिर परिसर की स्वच्छता और अनुशासन की सराहना की। पूजा के बाद मीडिया से बातचीत में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि मां छिन्नमस्तिके के दर्शन से उन्हें गहरी आत्मिक शांति मिली है। उन्होंने कहा कि मां के आशीर्वाद से स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं और अवसर मिलने पर पुनः दर्शन के लिए यहां आना चाहेंगे। समुद्री सुरक्षा को लेकर दो टूक बयान देते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि विश्व का बड़ा हिस्सा समुद्र से घिरा हुआ है और जहां भी समुद्री क्षेत्र है, वहां भारतीय नौसेना की पहुंच संभव है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक, रणनीतिक क्षमता और प्रशिक्षित बल के दम पर नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए हर समय तैयार है। रजरप्पा आगमन पर मंदिर न्यास समिति की ओर से नौसेना प्रमुख को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मौके पर चितरपुर अंचलाधिकारी दीपक मिंज, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सहित स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों के अधिकारी उपस्थित रहे। भारतीय नौसेना प्रमुख के इस आध्यात्मिक दौरे से रजरप्पा सहित पूरे झारखंड में गर्व और राष्ट्रभक्ति का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने इसे राज्य के लिए सम्मान और प्रेरणा का क्षण बताया।

एक नजर

प्रखंड में भी धूमधाम से मनाया गया सरस्वती पूजा

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार को बोरियो बाजार, गांव व देहाती क्षेत्र के गांवो में बसंत पंचमी माँ सरस्वती के पूजा बड़ा हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से सूर्यास्त तक मां सरस्वती का पूजा अर्चना किया गया। जहां कोलखा गांव, सोस, ओला, पात्रा टोला, पात्रा, धनेला, सहित अन्य गांवों में मां सरस्वती का पूजा अर्चना किया गया। पंडितजी मदन पांडे ने बताया कि इस साल की पूजा मां सरस्वती का बसंत पंचमी में अन्य कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त है।

सीनियर क्रिकेट के लिए खिलाड़ियों का हुआ ट्रायल

साहिबगंज: झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आयोजित होने वाली सीनियर क्रिकेट के लिए साहिबगंज जिला टीम के गठन को लेकर रविवार को सिदो-कान्हू स्टेडियम में खिलाड़ियों का ट्रायल हुआ। जिसमें जिले के सभी निबंधित खिलाड़ियों की गेंदबाजी, बल्लेबाजी, क्षेत्ररक्षण का ट्रायल लिया गया। वहीं ट्रायल में शामिल 28 खिलाड़ियों का मैट्रिक का प्रमाणपत्र, वोटर कार्ड, आधार कार्ड एवं अपने माता-पिता का वोटर कार्ड की जांच की गई। मौके पर जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, सतीश सिन्हा, राकेश गुप्ता, मो अशफाक आलम, श्याम रंजन तिवारी, चंदन यादव, मो हयात व अन्य मौजूद थे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, घर का सारा सामान जलकर राख

पूर्वी सिंहभूम: परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सरजमदा में गुरुवार की रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक आवासीय घर में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में घर के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरजमदा निवासी एल आई सी एजेंट सुशीला पूर्ति के घर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। घटना के समय घर में कोई भी मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि आग की भयावहता के चलते घरेलू सामान, कपड़े और अन्य जरूरी वस्तुएं पूरी तरह जल गईं। घर से धुआं और लपटें उठती देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर अन्य लोगों को सूचना दी। इसके बाद परसुडीह थाना और दमकल विभाग को कई बार फोन किया गया, लेकिन काफी देर तक दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंच सका। दमकल के समय पर नहीं पहुंचने के कारण स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए पाइप और पानी की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक घर का सारा सामान जलकर राख हो चुका था।

श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न हुई मां सरस्वती की पूजा विभिन्न पूजा क्लब ने निर्माण किया आकर्षक पंडाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : कोटालपोखर के विभिन्न क्षेत्रों में मां शारदे सरस्वती की पूजा बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। पूजा के दौरान विधि - व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और लगातार निगरानी बनाए रखें हैं। इस अवसर पर यंग स्टार क्लब द्वारा दुर्गा मंदिर के समीप एक अत्यंत आकर्षक एवं भव्य पंडाल का निर्माण किया गया, जिसने क्षेत्रवासियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस वर्ष क्लब द्वारा तैयार किया गया पंडाल भारतीय तिरंगे की थीम पर आधारित था, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों का कहना है कि यंग स्टार क्लब हर वर्ष कुछ नया और अनोखा प्रस्तुत करता है, जिससे कोटालपोखर क्षेत्र में इसकी अलग पहचान बन गई है। क्लब के सदस्यों ने बताया कि पंडाल निर्माण में कई दिनों की कड़ी मेहनत लगी है। यंग स्टार क्लब के अध्यक्ष तपन रजवार के नेतृत्व में अर्जुन माली, रोकी ठाकुर, कमलेश रजवार, मुकेश रजवार, प्रदीप ठाकुर, विकास ठाकुर, राहुल ठाकुर, मुन्ना ठाकुर, सूरज ठाकुर सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। वहीं कोटालपोखर के अन्य क्षेत्रों में भी मां सरस्वती की पूजा धूमधाम से मनाई गई। संगीत क्लब एवं गांधी मोहल्ला क्लब सहित कई क्लबों द्वारा आकर्षक पंडालों का निर्माण कर विधिवत पूजा - अर्चना की गई। संगीत क्लब में पियूष साह, अनिकेत साह, आदित्य साह सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे, जबकि गांधी मोहल्ला क्लब में बंटी साह, ऋषभ, शुभम, उत्तम, राजा सहित कई सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती से विद्या, बुद्धि एवं सफलता की कामना की।

हेलमेट वितरण को लेकर विवाद, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उधवा-राजमहल फोरलेन सड़क पर शुक्रवार को मां ऑटोमोबाइल्स होंडा शोरूम की ओर से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित जागरूकता अभियान के समापन के बाद हेलमेट वितरण को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। रोड सेफ्टी मैनेजर, होंडा शोरूम के कर्मियों एवं कुछ स्थानीय लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते तूझ्रतू, मैंझ्रमैं में बदल गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। विवाद बढ़ता देख किसी ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर एसआई शिवानंद प्रसाद एवं एएसआई शशिकांत यादव, सुनिल कुमार मेहता दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस की सूझबूझ से मामला शांत कराया गया। इधर घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में थाना के एक निजी चालक एवं कुछ स्थानीय लोगों के बीच विवाद होता हुआ देखा जा रहा है, जिससे मामला और चर्चा में आ गया। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित जागरूकता अभियान में ड्राइविंग लाइसेंसधारी 60 से अधिक लोगों ने हेलमेट प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराया था।

विद्या के देवी मां सरस्वती की पूजा भक्ति भाव से पूरे शहर में की गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विभिन्न पूजा-पंडालों व शैक्षणिक संस्थानों में शुक्रवार को मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की गयी। कई छोटे-बड़े पूजा पंडालों को भव्य रूप से सजाया गया है। पूजा पंडालों में भीड़ देखने को मिली। मां सरस्वती की आराधना करते हुए विद्यार्थियों ने पूजा की। शहर के पोखरिया में भारती युवा क्लब, आदर्श संघ साउथ कॉलोनी, दिव्य ज्योति संघ साउथ कॉलोनी, नगरपालिका मध्य विद्यालय, न्यू रोड, शहर के पुरानी साहिबगंज, कॉलेज रोड, हटिया, शांति नगर, जिरवाबाड़ी में स्थापित प्रतिमा में पूजा अर्चना की गयी। शनिवार को भी मेला का आयोजन किया गया है। भरतिया कॉलोनी, शोभनपुर भट्ठा, आदर्श संघ द्वारा इस बार आर्टिफिशियल फूलों से सजाया गया। सरस्वती पूजा को लेकर बंगाली टोला तिलकधारी कुआं के समीप अमृत संघ के पूजा समिति द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा में पूजा की गयी। सरस्वती पूजा में प्रतिमा और अभी के आधुनिक युग में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं किस चीज के किस चीज को लेकर मानसिक तनाव को झेल रहा है, किस बीमारी से वंचित किस तरह रहा जाये, इसके बारे में झांकी के माध्यम से सरस्वती पूजा में एकता क्लब की ओर से दशार्या गया है। बिजली घाट में बच्चों ने डीजे बजाकर अपने धुन में नाच-गान किया। केलाबाड़ी धगड़सी में प्रत्येक साल की भांति इस साल भी भव्य पूजा किया है। चैती दुर्गा के पास बड़ी गणेश पूजा समिति के स्थान पर स्थापित मां सरस्वती के प्रतिमा नवीन कला मंदिर संघ की ओर से स्थापित मां सरस्वती के प्रतिमा व चौक बाजार, कॉलेज रोड में प्रतिमा देखने के लिए देर रात तक पंडाल में भीड़ जुटी थी।

ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल के छात्रों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शुक्रवार को शैक्षणिक प्रतिभा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का शानदार प्रदर्शन करते हुए, पूर्वी रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज के छात्रों ने 23 जनवरी, 2026 को केंद्रीय विद्यालय, साहिबगंज के परिसर में आयोजित "ऑपरेशन सिंदूर" विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता प्रमुख कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा 2026' के अंतर्गत आयोजित की गई थी। विद्यालय ने वरिष्ठ और कनिष्ठ दोनों श्रेणियों में चार पुरस्कार जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जिससे उसने प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम किया और संस्थान का नाम रोशन किया। जहां कक्षा 11वीं के सागर कुमार रॉय ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, कक्षा 11वीं के हामिद रजा ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। जूनियर ग्रुप श्रेणी में कक्षा 8क के पीयूष कुमार ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया, कक्षा 8कके चंदन कुमार दास ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल छात्रों के समर्पण और कड़ी मेहनत को दशार्ती है, बल्कि साहिबगंज स्थित ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल में निरंतर पोषित की जा रही शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उत्कृष्टता को भी रेखांकित करती है। इस उपलब्धि ने साहिबगंज क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्कूल की प्रतिष्ठा को और भी मजबूत किया है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षण संकाय ने छात्रों को उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी है और उनके भविष्य के शैक्षणिक प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना की है।

बरहरवा प्रखंड के रामनगर में बीएलए-2 फॉर्म का अनुमोदन व वितरण कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार झारखंड में होने वाले विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से आज बरहरवा प्रखंड अंतर्गत रामनगर में बीएलए-2 फॉर्म अनुमोदन एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी साहेबगंज के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास एवं प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू द्वारा संयुक्त रूप से रिसौड़, जामपुर, कालू, मिजार्पुर, रामनगर, बरारी, रूपेशपुर एवं बिंदुपाड़ा पंचायत के कुल 44 बूथ लेवल एजेंट को बीएलए-2 फॉर्म का अनुमोदन कर वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखंड में होने वाले एसआईआर अभियान को गति देना है, जिसके तहत मतदाता सूची का अद्यतन, नए मतदाताओं का नाम जोड़ना, त्रुटियों का सुधार एवं फर्जी प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है। इस अभियान से आगामी चुनाव में शुद्ध, सटीक एवं अद्यतन मतदाता सूची सुनिश्चित होगी, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अधिक मजबूत होगी। इस मौके पर उपस्थित नेताओं ने सभी बीएलए साथियों से अपील की कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सक्रियता से कार्य करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को समयबद्ध एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराएं। कार्यक्रम में मंडल सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत हेलमेट एवं पौधा वितरण समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अवसर पर 22वें दिन सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत हेलमेट एवं पौधा वितरण समारोह का आयोजन उधवा प्रखंड के पेट्रोल पम्प के समीप किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जन-संवेदनशीलता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का संचालन जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनु मिश्रा एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उधवा एवं राजमहल क्षेत्र के दोपहिया वाहन चालकों के बीच निःशुल्क हेलमेट एवं पौधा वितरण किया गया, विशेष रूप से उन चालकों को प्राथमिकता दी गई जो आर्थिक रूप से हेलमेट क्रय करने में असमर्थ हैं। साथ ही पम्पलेट, बुकलेट एवं हैंडबिल के माध्यम से यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, नशे की स्थिति में वाहन न चलाएं, वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहन का संचालन करें तथा सभी यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई गई, जिससे अंधेरा, कोहरा एवं वर्षा की स्थिति में दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित परिवहन विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

हिरणपुर के बेटे राहुल कमेंट्री जगत में बना रहें मजबूत पहचान

पाकुड़ : क्षेत्र के उभरते हुए युवा कमेंटेटर राहुल यदुवंशी अपनी शानदार और जोशीली कमेंट्री के दम पर खेल प्रेमियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। क्रिकेट हो या फुटबॉल, खेल की बारीक समझ, सटीक शब्दों का चयन और ऊर्जा से भरी आवाज के कारण वे हर मुकाबले को खास बना देते हैं। उनकी कमेंट्री न सिर्फ मैच की स्थिति को स्पष्ट करती है, बल्कि दर्शकों को खेल के रोमांच से भावनात्मक रूप से भी जोड़ देती है। राहुल की पहचान उनकी सरल, प्रभावशाली और रोचक प्रस्तुति शैली से बन रही है। खेल के तकनीकी पहलुओं को वे इतने सहज तरीके से समझाते हैं कि आम दर्शक भी हर पल का आनंद उठा सके। चौके-छक्कों का उत्साह हो, गोल की खुशी, विकेट गिरने का रोमांच या अंतिम क्षणों का दबाव—राहुल हर स्थिति को अपने शब्दों में जीवंत कर देते हैं, जिससे सुनने वाला खुद को मैदान में मौजूद महसूस करता है। स्थानीय स्तर पर लगातार मिल रही सराहना के बीच राहुल एक प्रतिभाशाली और भविष्य के संभावनाशील कमेंटेटर के रूप में उभर रहे हैं। खेल के प्रति उनका जुनून, आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में उन्हें बड़े मंचों पर भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। यदि यह सिलसिला यूं ही जारी रहा, तो हिरणपुर के होनहार बेटे राहुल यदुवंशी में वह प्रतिभा और क्षमता है, जिसके बल पर वे आने वाले समय में कमेंट्री की दुनिया में एक मजबूत और सम्मानजनक मुकाम हासिल कर सकते हैं।

विवाहित महिला फांसी के फंदे से लटक कर की अपनी जीवन लीला समाप्त

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा लोहंडा स्थित सागर कॉलोनी में शुक्रवार की सुबह एक 29 वर्षीय महिला ने घर में फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना के एएसआई संजय दूबे ने वहां पहुंच मामले की जांच-पड़ताल व छानबीन करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सागर कॉलोनी निवासी रामकुमार हरिजन की पत्नी अनु कुमारी ने घर के एक कमरे में आत्महत्या कर ली। उस समय घर पर कोई नहीं था। महिला का पति बाहर कहीं काम करता है। जबकि महिला अपने तीन छोटे बच्चों व सास-ससुर के साथ रहती थी। इधर ससुर देव नारायण हरिजन ने बताया कि जब घर पहुंचे तो उनकी बहू फंदे से झूल रही थी। उन्होंने स्थानीय लोगों व पुलिस को इसकी सूचना दी। इधर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। मृतक महिला के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बोहरा गेस्ट हाउस के सामने जेके टायर द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

साहिबगंज: शुक्रवार को बरहरवा में बोहरा गेस्ट हाउस के सामने आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जेके टायर की ओर से एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को आंखों से संबंधित बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा समय पर जांच के माध्यम से उचित उपचार उपलब्ध कराना था। यह नेत्र जांच शिविर जेके टायर के टीम मैनेजर आदर्श धयानी एवं पाकुड़ से आए विष्णु कुमार के सहयोग से कैलाश शर्मा की टायर दुकान परिसर में आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा लोगों की आंखों की जांच की गई। शिविर के दौरान लगभग 150 लोगों की निःशुल्क आंख जांच की गई, साथ ही जरूरतमंद लोगों को मुफ्त दवाएं एवं चश्मे भी वितरित किए गए। स्थानीय नागरिकों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए जेके टायर की टीम का आभार व्यक्त किया।

अधिवक्ता संघ भवन में सुभाष चंद्र बोस जयंती मनाया

साहिबगंज: स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ भवन साहिबगंज में अधिवक्ताओं ने नेता सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माला अर्पण कर उन्हें सच्चा श्रद्धांजलि अर्पित किए। ज्ञात हो कि 1999 में इसी दिन सचिव विजय करण के नेतृत्व में जिला अधिवक्ता संघ भवन का उद्घाटन किया गया था। वहीं दूसरी ओर अधिवक्ता संघ भवन में सरस्वती पूजन का भी आयोजन किया गया। उक्त मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता देवनारायण यादव, सचिव विजय करण, अधिवक्ता गौतम सिंह दारा, राजेश सिंह, मुनीलाल मंडल, जितेंद्र मालाकार, सुभाष गुप्ता, विवेक कुमार, कुमार श्रीकांत, देवव्रत कुमार सहीत दर्जनों अधिवक्तागण उपस्थित थे।

बलौदाबाजार प्लांट हादसा, गर्म राख से जिंदा जले 6 मजदूर

ऐश पाइपलाइन में था लीकेज,मृतकों के परिजनों को 20 लाख देगी कंपनी, कांग्रेस करेगी जांच

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में बलौदाबाजार जिले के बकुलाही इलाके में स्थित स्पंज आयरन प्लांट में हुए ब्लास्ट से अब तक 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। शुरूआती जांच में ये सामने आया है कि डस्ट सेटलिंग चैंबर से गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया था। विस्फोट प्लांट की कोल भट्टी (कोल किल्न) में गुरुवार सुबह करीब 9.40 बजे हुआ। ब्लास्ट के दौरान गर्म मलबा (राख) नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिरा, जिससे कई लोग झुलस गए। धमाके के बाद दूर तक धुएं का गुबार दिखा। घायलों को बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है। जहां इलाज जारी है। मृतक बिहार के रहने वाले हैं। कंपनी ने मृतकों के परिजनों को 20 लाख और घायलों को 5 लाख मुआवजा देने की घोषणा की है। वहीं कांग्रेस ने इस मामले की जांच के लिए 7 सदस्यीय कमेटी बनाई है।मौके पर कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के साथ जिला प्रशासन की टीम मौजूद रही। रियल स्टील प्लांट को सील कर दिया गया है। प्लांट प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है। फैक्ट्री नितेश अग्रवाल की बताई जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि घायल मजदूरों के बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर कलेक्टर से भी संपर्क किया गया है। श्रम विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची है, ताकि प्लांट प्रबंधन पर नियम अनुसार कार्रवाई की जा सके। साथ ही मृतकों के परिवारों और प्रभावित मजदूरों को उचित मुआवजा दिलाया जा सके। आधार कार्ड के माध्यम से मृत मजदूरों की पहचान कर ली गई है। सभी मजदूर बिहार के रहने वाले हैं। एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि इस हादसे में कुल 11 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इनमें से 6 लोगों की बर्न इंजरी से मौत हो गई। शुरूआती जांच में पता चला है कि सुबह की शिफ्ट में 50 से ज्यादा मजदूर काम पर मौजूद थे। सभी मजदूरों का एक-एक कर सत्यापन किया जा रहा है। वहीं प्लांट के मालिक नितेश अग्रवाल ने बताया कि रोज की तरह हाउस कीपिंग का काम चल रहा था तभी डीएससी में डस्ट मटेरियल गिरा, जो काफी गर्म रहता है। मटेरियल नीचे काम कर रहे लोगों के ऊपर गिरने से ये हादसा हो गया। प्रबंधन ने कहा कि सरकारी नियमों के साथ कंपनी की ओर से मृतकों और प्रभावितों के परिजनों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा। स्पंज आयरन प्लांट के बारे में जानिए स्पंज आयरन प्लांट में लौह अयस्क (Iron ari) से स्पंज आयरन तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया डायरेक्ट रिडक्शन तकनीक से होती है, जिसमें कोयला या गैस की मदद से अयस्क से ऑक्सीजन हटाई जाती है। इससे बना स्पंज आयरन आगे चलकर स्टील बनाने का कच्चा माल होता है, जिसे स्टील प्लांट में भेजा जाता है।

बसंत पंचमी पर सोमेश्वर नाथ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मोतिहारी। जिले के प्रसिद्ध अरेराज बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देर रात करीब 12 बजे से ही बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं, जो सुबह तक जारी रहीं। मंदिर परिसर और आसपास का पूरा इलाका 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से गूंज उठा।श्रद्धालु बाबा सोमेश्वर नाथ पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं और सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। बसंत पंचमी के अवसर पर बाबा के दर्शन का विशेष महत्व माना जाता है, जिसके चलते दूर-दराज के इलाकों से बड़ी संख्या में भक्त अरेराज पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं में महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी शामिल हैं। पदाधिकारी देर रात से ही मोर्चा संभाले हुए हैंक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने विशेष सुरक्षा एवं व्यवस्था की है। अरेराज थाने की पुलिस सहित कई वरीय पुलिस पदाधिकारी देर रात से ही मोर्चा संभाले हुए हैं। पुलिसकर्मी भक्तों को कतारबद्ध कर सुरक्षित तरीके से बाबा सोमेश्वर नाथ के दर्शन करवा रहे हैं, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न न हो। प्रशासन ने मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के इंतजाम किए हैं। स्वास्थ्य एवं आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी बसंत पंचमी के अवसर पर अरेराज में भव्य मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न प्रकार की दुकानें और मनोरंजन के साधन उपलब्ध हैं। बसंत पंचमी के कारण अरेराज का पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। चारों ओर आस्था, श्रद्धा और उत्साह का संगम देखने को मिल रहा है। बाबा सोमेश्वर नाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का यह उत्साह देर शाम तक बने रहने की संभावना है।

मोतिहारी प्रशासन सरस्वती पूजा को लेकर मुस्तैद

मोतिहारी। जिला प्रशासन सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। शहर और ग्रामीण इलाकों में पूजा की तैयारियां चल रही हैं, जिसके लिए प्रशासन ने व्यापक विधि-व्यवस्था के इंतजाम किए हैं। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र में कुल 50 पूजा समितियों को सरस्वती पूजा के आयोजन की सशर्त अनुमति दी गई है।यह अनुमति कुछ विशिष्ट शर्तों के साथ प्रदान की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी पूजा पंडाल में डीजे का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केवल सीमित मात्रा में हॉर्न या पारंपरिक वाद्य यंत्रों के प्रयोग की ही अनुमति होगी। सभी पूजा समितियों को पुलिस और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। रघुनाथपुर थाना पुलिस पूजा समितियों के साथ लगातार बैठकें कर उन्हें नियमों और शर्तों से अवगत करा रही है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाली समितियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शांति समिति के सदस्यों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग की अपील की गई है, ताकि पूजा के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो। प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए, सभी पूजा समितियां अपने-अपने पंडालों में विधि-विधान से पूजा की तैयारियों में जुटी हैं।

रेड लाइट एरिया में फंसी पत्नी,कस्टमर ने पति से मिलाया

पटना। की रहने वाली महिला पश्चिम बंगाल के रेड लाइट एरिया से मिली है। वो 8 महीने पहले पति को छोड़कर प्रेमी के साथ रहने के लिए घर से निकली थी। पटना जंक्शन पहुंची लेकिन बॉयफ्रेंड ने धोखा दे दिया और वो वहां नहीं पहुंचा। पटना जंक्शन पर भटक रही इस महिला की एक युवक से मुलाकात हुई। उसने उसे बंगाल में नौकरी दिलाने का झांसा दिया और वहां ले जाकर 2 लाख में रेड लाइट एरिया में बेच दिया। 8 महीने बाद एक कस्टमर ने उसकी मदद की और वो फिर से पटना लौट आई।

2 साल पहले महिला की शादी हुई थी। उसका कहना है कि पति के साथ उसकी नहीं बनती थी। दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे। महिला ने बताया, 'एक दिन सोशल मीडिया के जरिए एक लड़के से मेरी दोस्ती हुई। पहले चैट पर हमलोग बात करते थे, लेकिन एक दिन उसने मेरा मोबाइल नंबर मांगा। मैं भी उस पर भरोसा करने लगी थी, इसलिए अपना मोबाइल नंबर दे दिया।''उसके बाद हम दोनों की अक्सर बात होने लगी। उसने मुझे प्रपोज किया, मैंने भी हामी भर दी। अब हम दोनों की बात घंटों-घंटों होने लगी।' 'ये बात मेरी पति को पता चल गई थी। मेरे पति ने इसका बहुत विरोध किया, लेकिन मैं प्रेमी के साथ ही रहना चाहती थी। 8 महीना पहले मेरे प्रेमी ने कहा, चलो हम दोनों भाग जाते हैं। मैं भी तैयार हो गई।''मुझे पता चल चुका था कि प्रेमी ने मुझे धोखा दे दिया है। मैं परेशान होकर स्टेशन पर इधर, उधर घूमती रही। तभी एक लड़का मेरे पास आया। उसने मुझ से मेरी परेशानी पूछी पहले तो मैं बताने से कतराती रही, लेकिन फिर उसे सबकुछ बता दिया।' महिला का कहना है कि, 'वो मुझे कार से पटना से बंगाल ले गया। वो रास्ते भर मुझे ये समझाता रहा कि, आज के वक्त में नौकरी बहुत मुश्किल है, लेकिन मैं तुम्हारे रहने और नौकरी का इंतजाम कर दूंगा।' 'उसने एक भीड़-भाड़ वाले इलाके में गाड़ी रुकवाई और मुझे एक घर में ले गया। वहां पहले से कई लड़कियां मौजूद थीं। उसने कहा कि, 2 दिन तुम रहीं रहो। मैं नौकरी और रहने का इंतजाम करके तुम्हें लेने आऊंगा। मैं मान गई।' 2 लाख में मेरा सौदा किया 'वो लड़का जैसे ही वहां से गया, घर के मालिक ने मेरे साथ गलत व्यवहार करना शुरू कर दिया। उसने मुझे बताया कि, तुम अब बिक चुकी है।' 'वो लड़का तुम्हें 2 लाख में बेच कर गया है। ये कोठा है। तुम्हें अब लोगों को खुश करना है।मैं दंग रह गई, लेकिन मेरे पास वहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं था।'महिला का कहना है, 'मेरे कमरे में रोज नए लोग आते थे, मैं उनकी अपनी दिक्कत बताती थी, लेकिन नशे में वो कुछ भी सुनने को तैयार नहीं होते थे।' 'मैंने कई कस्टमर से कहा कि एक बार मेरी पति से बात करवा दो, लेकिन कोई तैयार नहीं होता था।

दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बैठक, राहुल-खड़गे रहेंगे मौजूद

अगले महीने विधानसभा का सत्र शुरू हो रहा है, उससे पहले कांग्रेस ने अपने विधायकों को दिल्ली तलब किया। आज दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बड़ी बैठक है। इंदिरा भवन में 4:30 बजे राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में यह बैठक शुरू होगी। इस बैठक में सभी विधायक, सांसद, एमएलसी सहित प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा होगी। इसके साथ ही विधायक दल के नेता की भी घोषणा हो सकती है।

विधायक दल के नेता पर लगा सकती है अंतिम मुहर विधानसभा चुनाव परिणाम के दो महीने बाद भी कांग्रेस प्रदेश में विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है। इस बीच विधानसभा का एक सत्र बीत चुका है और अब अगला बजट सत्र भी सामने है। ऐसे में दिल्ली तलब किए गए विधायकों की मौजूदगी में आलाकमान बिहार में विधायक दल के नेता पर अंतिम मुहर लगा सकती है। पार्टी के 6 विधायकों के बीच इस पर आपस में सहमति नहीं बन पाने के कारण अब तक यह मामला अटका हुआ है। देश के भीतर अपना जनाधार खो चुकी है कांग्रेस- दिलीप जायसवाल दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बैठक को लेकर मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा- कांग्रेस इस देश के भीतर अपना जनाधार खो चुकी है। बैठक सभी राजनीतिक दल करते रहते हैं। केंद्रीय स्तर पर भी बैठक होती है। लेकिन इस बैठक का कोई नतीजा निकलने वाला नहीं है।प्रदेश नेतृत्व की ओर से सदाकत आश्रम में बुलाई गई बैठकों में कई विधायक मौजूद नहीं रहे थे। उनकी गैरमौजूदगी के बाद अब दिल्ली में क्राइसिस मैनेजमेंट की कवायद की गई है। मनरेगा आंदोलन के लिए बुलाई गई बैठक में कांग्रेस के दो विधायक मौजूद नहीं थे। इस बैठक में चनपटिया के अभिषेक रंजन और वाल्मीकिनगर के सुरेंद्र प्रसाद नहीं आए थे। वहीं, सोमवार को प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू की बुलाई बैठक में भी मनिहारी के विधायक मनोहर सिंह मौजूद नहीं थे। इसके बाद से ही कांग्रेस में टूट की कयास लगाई जा रही थी। दो विधायकों पर विचार कर रहा कांग्रेस कांग्रेस विधायकी या सांगठनिक वरीयता के आधार पर विधायक दल का नेता चुन सकती है। इसमें मनिहारी से विधायक मनोहर प्रसाद सिंह और चनपटिया से अभिषेक रंजन का नाम सामने आ रहा है। मनोहर प्रसाद सिंह चौथी बार विधायक चुने गए हैं। वे आदिवासी समुदाय से आते हैं। वहीं, अभिषेक रंजन पहली बार विधायक बने हैं, लेकिन युवा कांग्रेस में प्रदेश स्तर पर वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

आज की बैठक में सभी विधायकों से आलाकमान वन-टू-वन बात कर उनकी नाराजगी का कारण जानने की भी कोशिश करेगी। उनसे बातचीत के आधार पर पार्टी संगठन में उनकी भूमिका बढ़ाने की भी कवायद करेगी।

नालंदा में 5 साल के मासूम के साथ अप्राकृतिक यौनाचार

नालंदा। जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र में 5 साल के मासूम के साथ अप्राकृतिक यौनाचार का मामला सामने आया है। बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। आरोपी फिलहाल फरार है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पीड़ित बच्चे की मां ने बताया कि गुरुवार की शाम बेटा घर के पास ही खेल रहा था। इस दौरान गांव में रहने वाला युवक प्रहलाद ढाढ़ी(20) बिस्किट और चॉकलेट का प्रलोभन देकर खेत की ओर ले गया। जहां उसने वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद मौके से फरार हो गया।ग्रामीणों के मुताबिक आरोपी प्रहलाद ढाढ़ी गांव में ही रहता है। एक बच्चे का पिता है। खेती-बाड़ी का काम करता है। वारदात के बाद से ही कहीं नजर नहीं आ रहा है। गांव छोड़कर भाग गया है। केस दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी वहीं, इस संबंध में सरमेरा थानाध्यक्ष साकेंद्र कुमार बिंद ने बताया कि पीड़ित बच्चे और उसकी मां के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तेजस्वी यादव की सुरक्षा घटाने पर सियासी बवाल

राजद बोली-विपक्ष हैं दुश्मन नहीं, घृणा की राजनीति कर रही सरकार; नितिन नवीन को श्रेणी की सुरक्षा

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता शक्ति यादव ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में कटौती को बदले की राजनीति करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज से घबराया हुआ है और इसी वजह से इस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं। सरकार विपक्ष के नेताओं से घृणा की राजनीति कर रही- राजद राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव की सुरक्षा घटाना यह दिखाता है कि सरकार विपक्ष के नेताओं से घृणा की राजनीति कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सत्ता पक्ष अपने नेताओं, प्रदेश अध्यक्षों और केंद्रीय मंत्रियों की सुरक्षा बढ़ा रहा है, तो क्या विपक्ष का सवाल उठाना गलत हो गया है? विपक्ष लोकतंत्र का अहम हिस्सा है और उसकी आवाज से सत्ता को परेशानी नहीं होनी चाहिए। राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी की सुरक्षा में कटौती की गई, ये बदले की राजनीति है। सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने प्रदेश अध्यक्ष की सुरक्षा बढ़ा रहे हो, अपने नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों, मंत्रियों की सुरक्षा बढ़ा रहे हो। क्या सबसे ज्यादा सुरक्षा की जरूरत उन्हीं को है? यह खौफ है। सत्तापक्ष मानती है कि बिहार में कानून राज बिल्कुल चरमरा गई है। सरकार ने कई सत्ताधारी नेताओं की सुरक्षा में इजाफा किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इसके साथ ही जदयू सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को भी कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। बीजेपी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को भी` श्रेणी की सुरक्षा मिली है। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की सुरक्षा से बढ़ाकर + श्रेणी कर दी गई है। बिहार में हाल ही में कई नेताओं की सुरक्षा श्रेणी में बदलाव किया गया है। जहां कुछ नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है, जबकि कुछ की सुरक्षा घटा दी गई है या पूरी तरह हटा ली गई है। इसी क्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा` श्रेणी से घटाकर + श्रेणी कर दी गई है। चुनाव से पहले तेजस्वी यादव की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। उस समय उनकी + सुरक्षा को` श्रेणी में बदला गया था, लेकिन अब एक बार फिर उनकी सुरक्षा घटाकर + कर दी गई है। कांग्रेस नेता राजेश राम की सुरक्षा पूरी तरह हटा ली गई है, जिसे लेकर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

पटना के अपार्टमेंट में सनकी पड़ोसी की दहशत

पटना। राजधानी पटना के खाजपुरा इलाके की जगदेवपुरी कॉलोनी स्थित योगेंद्र अपार्टमेंट में करीब 14 फ्लैटों के निवासी लंबे समय से दहशत में हैं। आरोप है कि फ्लैट नंबर 301 में रहने वाला सुमित रंजन श्रीवास्तव अपने आक्रामक व्यवहार से अपार्टमेंट के लोगों को परेशान कर रहा है। अपार्टमेंट के निवासियों ने सुमित रंजन श्रीवास्तव पर पत्थर फेंकने, सिलेंडर नीचे गिराने की कोशिश करने और आग लगाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उनकी हरकतों से कई परिवारों में डर का माहौल है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि सुमित रंजन श्रीवास्तव आए दिन गाली-गलौज करता है, बिना वजह लोगों के दरवाजे पीटता है और जान से मारने की धमकी देता है। अपार्टमेंट में लगे उउळश कैमरों में आरोपी की कई आक्रामक हरकतें कैद हुई हैं, जो उसके व्यवहार की पुष्टि करती हैं। निवासियों ने पुलिस प्रशासन से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने और उन्हें भयमुक्त वातावरण प्रदान करने की अपील की है। कई बार थाने में दी शिकायत, अबतक नहीं हुई कार्रवाई फ्लैट संख्या 304 की निवासी पूनम ओझा ने बताया कि आरोपी की हरकतों की जानकारी कई बार थाना अध्यक्ष से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने कई बार स्थानीय थाने में फोन किया और लिखित शिकायत भी दी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई, जिससे लोगों का भरोसा पूरी तरह टूट गया है। अपार्टमेंट में रहने वाली महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सबसे ज्यादा डरे हुए हैं। रात होते ही लोग दरवाजे बंद कर सहमे रहते हैं। लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी होती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? शहर के पॉश इलाके में इस तरह की घटनाएं पटना की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा हैं। योगेंद्र अपार्टमेंट के दर्जनों लोगों ने एकजुट होकर प्रशासन से सख्त कानूनी कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। फिलहाल लोग इंसाफ और राहत की उम्मीद में प्रशासन की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं।

पूर्णिया में 3 माह के मासूम की मौत

पूर्णिया। के जानकीनगर में संदिग्ध हालत में 3 माह के बच्चे की मौत हो गई। पिता का आरोप है कि आंगनबाड़ी केंद्र पर नवजात को पोलिया का टीका लगाया गया था। आधी रात को अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की पहचान कारी मंडल टोला निवासी जोतिहा पासवान के बेटे आदर्श कुमार के तौर पर हुई है। पिता ने बताया कि तीन महीने पहले उसके जन्म की खुशी में पूरे गांव को दावत भी दी थी। लेकिन ये खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक सकी। पत्नी के साथ अपने बच्चे को बुधवार दोपहर नवटोलिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 15 पर ले गया था। वहां उसे पोलिया का टीका लगवाया था। उसके बाद घर आ गया। देर रात करीब 2:30 बजे तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। बेटा पूरी तरह स्वस्थ था।परिवार के लिए ये पहली घटना नहीं है। पांच साल पहले पहला बेटा दिव्यांग पैदा हुआ। मगर उसकी मौत हो गई। डेढ़ साल पहले जन्मे एक अन्य बच्चे की भी मौत हो चुकी है। अब तीसरे बच्चे की मौत ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। गुरुवार देर शाम मृत बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। फिलहाल मौत के स्पष्ट कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। मासूम की मौत के बाद मां और पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। जानकीनगर थानाध्यक्ष सुदीन राम ने बताया कि नवजात की संदिग्ध मौत को लेकर परिजनों की ओर से आवेदन मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

स्क्रीन शेयर कराकर साइबर ठग ने उड़ाए 99,900 रुपए

आरा । में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने एक चाय दुकानदार को झकझोर कर रख दिया है। रोज सुबह से देर रात तक चाय की केतली के सहारे परिवार का पेट पालने वाला दुकानदार अपनी छोटी बेटी की शादी के लिए एक-एक रुपए जोड़ रहा था, लेकिन साइबर ठगों ने एक झटके में उसके सपनों को तोड़ दिया। महज 13 रुपए के बिजली बिल रिचार्ज के नाम पर दुकानदार के मोबाइल पर आए वॉट्सऐप कॉल ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। कॉल पर बताए गए निदेशों को फॉलो करते ही चाय दुकानदार के बैंक अकाउंट से 99 हजार 900 रुपए साफ हो गए। जब मोबाइल पर डिडक्शन अमाउंट का मैसेज आया, तो दुकानदार को इसकी जानकारी हुई। नगर थाना क्षेत्र के गौसगंज के रहने वाले बाबूराम चौरसिया के बेटे रामनाथ चौरसिया अपनी तीन बेटी और दो बेटों संग रहते हैं। गौसगंज बाजार में चाय और पान की दुकान चलाते हैं। वे बताते हैं कि चाय और पान की दुकान से ही बच्चों को पढ़ाया। दो बेटियों की शादी भी इसी चाय की दुकान की कमाई से की। दोनों बेटियों की शादी के बाद एक-एक रुपए कर अपनी तीसरी बेटी की शादी के लिए पैसे जोड़ रहा था। 21 दिसंबर को 8282003776 नंबर से वॉट्सऐप कॉल आया। नंबर के डीपी में बिजली विभाग का लोग लगा था। मुझे लगा कि कॉल बिजली विभाग की ओर से आया है। रामनाथ बताते हैं कि कॉल रिसीव करने के बाद सामने वाले ने कहा कि 13 रुपए रिचार्ज कीजिए नहीं तो बिजली कट जाएगी। मैंने फोन पे से रिचार्ज किया, लेकिन रिचार्ज नहीं हुआ। दोबारा कॉल आया और पूछा कि कि आप ATM यूज करते हैं, तो मैंने कहा कि हां अळट है। लेकिन ATM घर पर है। उसके बाद मैं घर चला गया। घर से जाकर अपनी बेटी को कहा कि बिजली विभाग के सर का कॉल आया है, जो भी पूछ रहे हैं, वो बता देना। ATM के पीछे लिखे नंबर से लेकर मोबाइल पर आए ओटीपी और पासवर्ड तक मांग लिया। फिर कुछ देर बाद मैसेज आया, जिसमें मेरे अकाउंट से 99 हजार 900 रुपए कटने की बात लिखी गई थी। नगर थाना गया, साइबर थाना भेजा; साइबर वाले ने नगर थाना भेजा रामनाथ ने बताया कि मैं तुरंत नगर थाना में आवेदन देने पहुंचा। नगर थाना में कहा गया कि आप साइबर थाना जाइए, लेकिन साइबर में बोला गया कि एक लाख से कम की राशि है,

प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई मानुषी छिल्लर ने

नए साल की शुरुआत में बॉलीवुड सेलेब्स साल 2016 की अपनी खट्टी-मीठी यादों को फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इसी कड़ी में मिस वर्ल्ड रह चुकीं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने भी अपने अतीत के पन्ने खोले हैं और अपने संघर्ष भरे लेकिन प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई है। मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी मॉडलिंग फोटोज और एमबीबीएस की छात्रा के दौर की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा और दिलचस्प कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि साल 2016 उनके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार समय था। मानुषी ने लिखा कि उस एक साल में वह बिल्कुल मशहूर टीवी सीरीज 'हैना मोंटाना' की तरह दोहरी जिंदगी जी रही थीं। एक तरफ वह कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं, तो दूसरी तरफ मिस इंडिया चुने जाने के बाद अपने शुरुआती फोटोशूट और मॉडलिंग असाइनमेंट्स को संभाल रही थीं। मानुषी ने बताया कि शनिवार को क्लास खत्म होने के बाद उन्होंने एंट्री फॉर्म के लिए अपनी पहली कुछ तस्वीरें क्लिक करवाई थीं। इसके बाद उन्हें पहला कैंपेन मिला और फिर एक के बाद एक कई ऑफर्स आते चले गए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें धीरे-धीरे एहसास हुआ कि बायोकेमिस्ट्री शायद उनके जीन में नहीं है, लेकिन बाकी सब कुछ जरूर है। उन्होंने अपनी पहली क्लिनिकल पोस्टिंग का जिक्र करते हुए लिखा कि जनरल सर्जरी के दौरान कोई बेहोश हो गया था, लेकिन वह खुद नहीं थीं, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। मानुषी ने यह भी साझा किया कि मिस इंडिया के लिए उन्होंने 'सिर्फ एक बार' इंस्टाग्राम जॉइन किया था, लेकिन आज एक दशक बाद वह सोशल मीडिया की दुनिया में मजबूती से मौजूद हैं। उनके कैप्शन से साफ झलकता है कि पढ़ाई और मॉडलिंग के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को पूरे जुनून और मेहनत के साथ स्वीकार किया। एमबीबीएस जैसी कठिन पढ़ाई के साथ-साथ मिस वर्ल्ड जैसे बड़े सपने की तैयारी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता और उसी साल मिस वर्ल्ड का ताज भी अपने नाम किया। वह मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली छठी भारतीय महिला

हिना खान का देसी अंदाज में ग्लैमर

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री हिना खान एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। हिना खान हर बार अपने स्टाइल से फैंस को हैरान कर देती हैं और इस बार उन्होंने देसी लुक में मॉडर्न ग्लैमर का ऐसा तड़का लगाया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में सामने आई उनकी नई तस्वीरों में वह मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की हुई ब्राउन साड़ी में नजर आ रही हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। हिना खान की इस ब्राउन साड़ी पर बारीकी से किया गया शिमरी सीक्विन वर्क उनके लुक को बेहद एलिगेंट और रॉयल बना रहा है। साड़ी का सॉफ्ट और वार्म ब्राउन शेड उनकी स्किन टोन पर बेहद खूबसूरत लग रहा है, जिससे उनका पूरा अंदाज और भी निखर कर सामने आया है। इस देसी आउटफिट के साथ हिना ने न्यूड मेकअप, ग्लोसी लिप्स और हल्के मैसी हेयरस्टाइल को चुना है, जो उनके लुक को परफेक्ट बैलेंस देता नजर आता है।

साल 2026 का स्वागत बेहद भावुक अंदाज में भूमि पेडनेकर ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा कर अपने करियर की शुरुआत से जुड़े कई यादगार पलों को ताजा किया। इसके साथ ही उन्होंने नए साल 2026 का स्वागत भी बेहद भावुक और निजी अंदाज में किया। सोशल मीडिया पर चल रहे ट्रेंड '2026 इज द न्यू 2016' को फॉलो करते हुए भूमि ने अपने जीवन के करीब दस साल पुराने लम्हों की झलक फैंस के साथ साझा की। इन तस्वीरों और यादों के जरिए उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि आज जिस मुकाम पर वह खड़ी हैं, वहां तक पहुंचने के पीछे कितनी मेहनत, धैर्य और सीख छिपी हुई है। भूमि ने उन दिनों को याद किया जब सपने नए थे, आत्मविश्वास आकार ले रहा था और सफर की असली शुरुआत हो रही थी। भूमि पेडनेकर ने सबसे पहले अपनी फिल्म 'टॉयलेट-एक प्रेम कथा' से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने इस फिल्म के सेट पर अपने पहले दिन की तस्वीरें पोस्ट कीं। साल 2017 में रिलीज हुई यह फिल्म उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार नजर आए थे। भूमि ने बताया कि उस वक्त वह एक नई अभिनेत्री थीं, लेकिन उनके सपने बहुत बड़े थे और खुद पर भरोसा अटूट था। इसके अलावा भूमि ने अपने पहले प्रोफेशनल फोटोशूट, पहली बार फिल्मफेयर अवॉर्ड समारोह में शामिल होने और अपने पहले मैगजीन कवर की झलक भी दिखाई। उन्होंने उस दौर को भी याद किया जब उन्होंने फिटनेस को लेकर गंभीरता दिखाई और पाइलेट्स के जरिए अपने शरीर में बड़ा बदलाव लाया। भूमि ने बताया कि यह बदलाव सिर्फ शारीरिक नहीं था, बल्कि मानसिक रूप से भी उनके लिए बेहद जरूरी और सशक्त करने वाला साबित हुआ। अपने पोस्ट में भूमि पेडनेकर ने उन लोगों का भी जिक्र किया, जिन्होंने उनके शुरुआती दिनों में उनका साथ दिया। उन्होंने अपने परिवार, करीबी दोस्तों और मेंटर्स के प्रति आभार जताया और उन्हें अपनी 'गॉड मदर्स' कहा। इसके साथ ही भूमि ने वह खास पल भी याद किया, जब वह स्पेन गई थीं और वहां उन्हें अपना पहला आईफा अवॉर्ड मिला था, जिसे उन्होंने अपने जीवन का एक सपने जैसा पल बताया। करियर की यादों के साथ भूमि ने नए साल 2026 के जश्न की झलक भी साझा की। उन्होंने यह साल अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्यार, उम्मीद और स्वादिष्ट खाने के बीच शुरू किया। कैप्शन में भूमि ने लिखा कि उन्होंने नया साल उन लोगों के साथ मनाया, जिन्हें वह दिल से प्यार करती हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने दमदार अभिनय और लगातार मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। छोटे शहरों की कहानियों से लेकर सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों तक, भूमि ने हर किरदार को पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाया है।

'मर्दानी 3' के ट्रेलर को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाएं

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' के ट्रेलर को हर तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। एक बार फिर रानी अपने लोकप्रिय किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में नजर आ रही हैं, जो एक निडर और साहसी पुलिस अधिकारी हैं। इस बार कहानी 93 लापता लड़कियों को बचाने की जंग पर केंद्रित है, जिसमें शिवानी समय के खिलाफ दौड़ लगाते हुए अपनी जान तक जोखिम में डाल देती हैं। यश राज फिल्म्स की इस फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे अपार प्यार पर प्रतिक्रिया देते हुए रानी मुखर्जी ने इसे अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि शिवानी शिवाजी रॉय ऐसा किरदार नहीं है जिसे वह कैमरा कट होते ही भूल जाएं। रानी के मुताबिक, इस किरदार के जरिए उन्होंने सेवा, साहस और जिम्मेदारी का असली अर्थ समझा है। उन्होंने यह भी कहा कि साहस अक्सर अकेला होता है और यही बात इस किरदार को और भी खास बनाती है।

रानी ने भारतीय पुलिस बल के प्रति गहरा सम्मान जताते हुए कहा कि देश की पुलिस फोर्स बिना किसी शिकायत और बिना किसी तमगे की उम्मीद के, चुपचाप देश की सेवा करती है। रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को पूरी पुलिस फोर्स को समर्पित करते हुए खास तौर पर महिला अधिकारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को अक्सर ज्यादा सवालों और संदेह का सामना करना पड़ता है, इसके बावजूद वे मजबूती और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों को निभाती हैं। रानी ने कहा कि 'मर्दानी 3' का अस्तित्व इन्हीं जांबाज महिला अधिकारियों की वजह से है, जो ताकत और करुणा के साथ नेतृत्व करती हैं।

रानी का मानना है कि ट्रेलर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का सबूत है कि समाज आज भी अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जब कुछ गलत होता है तो लोगों को गुस्सा आता है और जब कोई असहायों की रक्षा के लिए खड़ा होता है तो गर्व महसूस होता है। यही भावना 'मर्दानी 3' की आत्मा है। अभिराज मीनावाला के निर्देशन में बनी और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'मर्दानी 3' सामाजिक मुद्दों पर आधारित अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है। जहां पहली फिल्म ने मानव तस्करी और दूसरी ने एक सीरियल रेपिस्ट की मानसिकता को उजागर किया था, वहीं तीसरी किस्त समाज की एक और कड़वी सच्चाई से पर्दा उठाती है।

केंद्रीय मंत्री से स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने पर चर्चा की विक्रांत ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की, जिसमें स्कूली शिक्षा को और बेहतर, प्रभावी और समृद्ध बनाने को लेकर गंभीर और सार्थक बातचीत हुई। इस मुलाकात को दोनों पक्षों ने बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया है। विक्रांत मैसी को फिल्म '12वीं फेल' में उनके दमदार अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि शिक्षा, संघर्ष, ईमानदारी और मेहनत जैसे विषयों को सशक्त तरीके से सामने लाने के कारण समाज में गहरी छाप छोड़ गई। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 70 करोड़ रुपये की कमाई की थी और कई राज्यों में इसे टैक्स फ्री भी किया गया था। फिल्म में विक्रांत ने आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के संघर्षपूर्ण जीवन को पर्दे पर जीवंत किया था। अब पर्दे के बाहर भी विक्रांत मैसी शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कीं और इसे ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान के साथ हुई बातचीत बेहद सार्थक रही और भारतीय भाषाओं के प्रति मंत्री का लगाव उन्हें खास तौर पर प्रभावित कर गया। विक्रांत के अनुसार, युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और कक्षाओं को ज्यादा संवादात्मक बनाने पर हुई चर्चा बेहद प्रेरणादायक रही। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि भारतीय भाषाओं के माध्यम से बचपन से ही रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने को लेकर अच्छी चर्चा हुई। इन पोस्ट्स से यह साफ होता है कि यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि स्कूली शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में विचारों का आदान-प्रदान था। टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफल सफर तय कर चुके विक्रांत मैसी हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा रहे हैं, जो समाज को सोचने पर मजबूर करती हैं। 'छपाक', 'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का', 'द साबरमती रिपोर्ट' और '12वीं फेल' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय खूब सराहा गया है।

संजय कपूर की विरासत पर बढ़ा विवाद

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति और जाने-माने उद्योगपति संजय कपूर के निधन के बाद उनकी संपत्ति और विरासत को लेकर कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में अब संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव ने एक नई याचिका दाखिल कर मामला और जटिल कर दिया है। प्रिया सचदेव ने अदालत से करिश्मा कपूर और संजय कपूर के बीच हुए तलाक से जुड़े सभी कानूनी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां मांगी हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह याचिका संजय कपूर की संपत्ति, वसीयत और उत्तराधिकार से जुड़े अधिकारों को स्पष्ट करने के उद्देश्य से दायर की गई है। प्रिया का कहना है कि इन दस्तावेजों के बिना विरासत से जुड़े तथ्यों की सही जांच संभव नहीं है। इस मामले की सुनवाई 16 जनवरी 2026 को निर्धारित की गई है। संजय कपूर और करिश्मा कपूर का तलाक काफी समय पहले हो चुका था, लेकिन उनके रिश्ते और समझौते हमेशा चर्चा में रहे। अब संजय के निधन के बाद यह मामला फिर से सुर्खियों में आ गया है। कानूनी जानकारों का मानना है कि इस याचिका से संपत्ति विवाद में नया मोड़ आ सकता है। इस पूरे विवाद पर करिश्मा कपूर की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, प्रिया सचदेव की इस पहल से यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में यह मामला और लंबा खिंच सकता है।

अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही 'बॉर्डर'

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म बार्डर की सिक्कल 'बॉर्डर 2' की रिलीज नजदीक आ चुकी है, तो साल 1997 में आई इस क्लासिक फिल्म को दोबारा देखना दर्शकों के लिए देशभक्ति के उस जज्बे को फिर से महसूस करने का बेहतरीन मौका बन गया है। खास बात यह है कि 'बॉर्डर' इस समय अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है, जिससे नई पीढ़ी भी इस ऐतिहासिक कहानी से जुड़ सकती है। निर्देशक जे. पी. दत्ता द्वारा बनाई गई 'बॉर्डर' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित थी। फिल्म में खास तौर पर राजस्थान के लोंगेवाला पोस्ट पर हुए ऐतिहासिक युद्ध को केंद्र में रखा गया था। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय सैनिकों की रणनीति, साहस और देश के लिए दी गई कुर्बानी को फिल्म ने बेहद भावनात्मक और प्रभावशाली तरीके से दर्शाया। यही वजह रही कि यह फिल्म दर्शकों के लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन गई। फिल्म में सनी देओल ने लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर का दमदार किरदार निभाया था, जो अपने जवानों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे। उनके जोशीले संवाद और गुस्से से भरा अभिनय आज भी लोगों की यादों में ताजा है।

सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना ने भी सैनिकों की भूमिकाओं में शानदार अभिनय किया। खासतौर पर अक्षय खन्ना का संवेदनशील और युवा सैनिक का किरदार दर्शकों के दिल को छू गया था। 'बॉर्डर' का संगीत भी इसकी बड़ी ताकत रहा। 'संदेशे आते हैं' और 'मेरे दुश्मन मेरे भाई' जैसे गीत आज भी देशभक्ति गीतों में खास स्थान रखते हैं। इन गानों ने सैनिकों और उनके परिवारों के दर्द, इंतजार और भावनाओं को बखूबी बयां किया, जिसके चलते फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ आलोचकों की भी जमकर सराहना मिली। करीब 28 साल बाद अब 'बॉर्डर 2' उसी देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता ने प्रोड्यूस किया है।

सनी देओल एक बार फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। यह फिल्म भी 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इस बार कहानी का दायरा और व्यापक होगा, जिसमें थलसेना के साथ-साथ नौसेना और वायुसेना की संयुक्त कार्रवाई को दिखाया जाएगा। 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि जब भी हिंदी सिनेमा में देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों की चर्चा होती है, तो 90 के दशक की कुछ यादगार फिल्मों का जिक्र अपने आप होने लगता है। इन्हीं में एक सबसे अहम नाम सनी देओल की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' का है, जिसने न केवल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी, बल्कि दर्शकों के दिलों में देशप्रेम और बलिदान की गहरी छाप भी छोड़ी थी।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : जीत का सिलसिला जारी रखने उतरगी भारतीय अंडर 19 टीम

बुलावायो (एजेंसी)। इंडिया अंडर19 और न्यूज़ीलैंड अंडर19 के बीच शनिवार को होने वाला ग्रुप-स्टेज का मुकाबला क्रिकेट से कहीं ज्यादा होने वाला है। यह मुकाबला स्किल, हिम्मत और अनप्रेडिक्टेबल होने वाला है। इंडिया अंडर-19 का मुकाबला न्यूजीलैंड की टीम से है जो बारिश से बाधित मैचों के कारण मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष कर रही है।

इंडिया अंडर-19 अपने दोनों ग्रुप मैच पहले ही जीत चुका है और अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। आयुष म्हात्रे की लीडरशिप वाली युवा टीम में टैक्टिकल स्किल के साथ वैभव सूर्यवंशी और अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों की इंडिविजुअल काबिलियत का मेल है। उनके इन-फॉर्म बॉलर, जिनमें हेनिल पटेल और खिलन पटेल शामिल हैं, एक खतरनाक बढ़त देते हैं, जिससे इंडिया मैच में फेवरेट बन जाता है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड अंडर19 अपने पिछले मैचों में भारी बारिश के कारण बहुत कम मैच एक्सपीरियंस के साथ इस मुकाबले में उतरेगा। उनके टॉप-ऑर्डर बैट्समैन और टॉम जोन्स और कैलम सैमसन जैसे खास बॉलर, इंडिया के मजबूत अटैक को संभालने और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब की बॉलर-फ्रेंडली और अनप्रेडिक्टेबल पिच पर एडजस्ट करने की दोहरी चुनौती का सामना कर रहे हैं।

इस ड्रामा को और बढ़ाने वाली बात यह है कि आंधी-तूफान और लगातार बारिश खेल में रुकावट डाल सकती है, जिससे मैच का रोमांच बढ़ जाएगा और फैंस सोच में पड़ जाएंगे कि मैच पूरी तरह से होगा या एक हाई-इंटेंसिटी, छोटा मुकाबला बनकर रह जाएगा। खेल का दबदबा, मौसम का ड्रामा और कुछ लोगों के दमदार प्रदर्शन का यह मेल इस मैच को जरूर देखने लायक बनाता है।

इंडिया के इन-फॉर्म बॉलर न्यूजीलैंड की बारिश से प्रभावित बैटिंग लाइनअप को परखेंगे, जबकि सुपर सिक्स स्टेज से पहले इंडिया के टॉप-ऑर्डर पर फॉर्म को बड़े स्कोर में बदलने का दबाव बनेगा। मौसम की अनिश्चितता और पिच का नेचर नतीजे को अचानक बदल सकते हैं। इंडिया अंडर19 टीम अपने लगातार परफॉर्मेंस और बेहतर अनुभव का फायदा उठाकर जीतने की प्रबल दावेदार है। हालांकि, बारिश के कारण खेल रुक सकता है, जिससे अनप्रेडिक्टेबल नतीजे और नाटकीय पलों की गुंजाइश बन सकती है।

अगर मैच आगे बढ़ता है, तो फैंस को डिसिप्लिन्ड बॉलिंग, जरूरी पार्टनरशिप और शानदार पर्सनल परफॉर्मेंस वाले मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए। यह गेम सिर्फ एक रेगुलर ग्रुप-स्टेज मैच नहीं है-यह एम्बिशन, मुश्किलों

और मौके की कहानी है। इंडिया अंडर19 का बारिश से प्रभावित न्यूज़ीलैंड टीम के खिलाफ़ बिना हारे जीत की कोशिश उस एक्साइटमेंट और अनप्रिडिक्टेबिलिटी को दिखाता है जो अंडर-19 वर्ल्ड कप को फ्यूचर स्टार्स के लिए एक अच्छा ग्राउंड बनाती है।

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन हारे, इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता (एजेंसी)। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही सिंधू का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधू 6-8 से पीछे हो गई हैं। सिंधू की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत वर्ष 2019 में दर्ज हुई थी।

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट तक चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का 21 साल कर यह खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

तिलक के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्जरी के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे तिलक वर्मा के टी20 वर्ल्ड कप से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। तिलक अभी बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। तिलक ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके शीघ्र ही वापसी की उम्मीद जतायी है। तिलक का एक ऐसा ही वीडियो भी आया है। इसमें वह व्यायाम करते हुए दिखे हैं। इसमें उन्होंने लिखा, कोई कसर नहीं छोड़ रहे, कमबैक सून।

तिलक टी20 के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप के फाइनल में इस बल्लेबाज ने जबरदस्त पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। वहीं पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम को लाभ हुआ था। सीरीज में तिलक ने सबसे अधिक 187 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाये। तिलक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में 2 मैच भी खेले भे, जिसमें उन्होंने 109 और 34 रन बनाये थे। इसी दौरान उन्हें पेट में दर्द उठा था जिसके इलाज के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इस कारण से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज के शुरुआती 3 मैचों से बाहर हो गये थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक नंबर तीन पर भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। विश्व कप में उनके रहने से भारतीय टीम को लाभ होगा। वह दबाव के हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हैं। तिलक ने अब तक 40 मैचों की 37 पारियों में 49.29 की औसत से 1,183 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 144.09 है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2 शतक और 6 अर्धशतक हैं। उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 15 पारियों में 60.22 की औसत और 160 के स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके दोनों शतक तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ही आएं हैं।

टी20 विश्वकप से बाहर हुए न्यूजीलैंड के एडम, जैमीसन शामिल

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज एडम मिलने चोटिल होने के कारण अगले माह भारत में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। एडम को ये चोट 20 लीग खेलते समय लगी। इसके बाद उनकी जगह पर काइल जैमीसन को टीम में शामिल किया गया है। जैमिसन अभी भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं। जैमीसन पहले से ही न्यूजीलैंड की ट्रैवलिंग रिजर्व में शामिल थे। न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप के ग्रुप-डी में शामिल है। उसे अपना पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान से खेलना है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार, एडम के बाएं हैमस्ट्रिंग में में खिंचाव आया है जिससे वह टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह पर जैमीसन को शामिल किया गया है। उन्हें एस20 में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। जैमीसन को पहले ही भारत और श्रीलंका में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर शामिल किया गया था।

कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि एडम के बार होने पर हमें भी निराशा हुई है पर ये खेला का हिस्सा है।। उन्होंने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तैयारी के लिए काफी मेहनत की थी। ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में वह अपने अच्छी फॉर्म में दिखे थे। हम उनके शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं।वहीं वाल्टर ने जैमीसन को लेकर कहा कि वह एक विकल्प हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि वह पहले से ही हमारे साथ हैं। वह हमारे तेज गेंदबाजी समूह में शामिल हैं। इस दौरे पर उन्होंने अच्छी शुरुआत की है। वह एक मेहनती खिलाड़ी हैं जिनके पास अच्छा अनुभव हैं जो टूर्नामेंट में उनके लिए लाभदायक रहेगा। वाल्टर ने कहा कि टी20 विश्वकप कप के लिए एक ट्रैवलिंग रिजर्व की घोषणा जल्द ही घोषणा की जाएगी।

न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड- मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी.

रिंकू बेहतरीन फिनिशर, उन्हें लगातार अवसर दिये जायें : साइमन डूल

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने क्रिकेटर रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक बेहतरीन फिनिशर है पर उसे अभी तक भारतीय टीम में काफी कम अवसर मिले हैं। साइमन ने कहा कि जब भी अवसर मिला है रिंकू ने अपने को साबित किया है। रिंकू ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में केवल 20 गेंदों पर ही चार चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 44 रन बनाए। इसी को देखते हुए साइमन ने कहा कि रिंकू की क्षमता और निरंतरता को देखते हुए वह अब तक उन्हें काफी ज्यादा मैच खेल लेने थे। साथ ही कहा कि अब जबकि उनकी प्रतिभा सभी ने देखी है तब उन्हें नियमित रुप से टीम में जगह मिलनी चाहिए थी। साइमन ने रिंकू को अभी के समय के बेहतरीन फिनिशर्स में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि रिंकू ने आईपीएल में चार-पांच साल पहले ही अपनी प्रतिभा दिखा दी थी। अंतिम ओवरों में बड़े शॉट खेलने की उनकी क्षमता और दबाव में शांत रहने का स्वभाव उन्हें विशेष बनाता है। डूल का मानना है कि भारत ने रिंकू की प्रतिभा की क्षमताओं का अभी पूरा उपयोग नहीं किया है। साल 2023 में टी20 में डेब्यू करने के बाद से ही रिंकू ने अब तक केवल 36 अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले खेले हैं हालांक उन्होंने कई बार मैच विजेता पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की है। उन्हें टी20 विश्वकप 2026 की भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर हैं पहलवान रवि दहिया की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमें स्वर्ण पदक जीते थे ।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था ।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे। यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न आने के बांग्लादेश के फैसले पर अजहरुद्दीन का बड़ा बयान आया सामने

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। तेलंगाना के मंत्री और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 मैचों के लिए भारत न आने का फैसला आखिरकार उनके लिए नुकसानदायक होगा। अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का भारत की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत करना गलत है, यह देखते हुए कि न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने भी हाल ही में खेला था।

अजहरुद्दीन ने कहा, 'अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका नुकसान है। वे हमारी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत नहीं कर सकते। बहुत सारे अंतर्राष्ट्रीय मैच चल रहे हैं और किसी भी टीम ने शिकायत नहीं की है। अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका और उनके खिलाड़ियों का नुकसान होगा। हमारा देश बहुत सुरक्षित है। सभी टीमें खेल रही हैं। न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने कुछ दिन पहले ही खेला था।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'आप वर्ल्ड कप के मैचों को इधर-उधर नहीं बदल सकते। चूंकि मैच पहले से ही तय हैं, इसलिए मैचों को बदलना बहुत मुश्किल है।'

अजहरुद्दीन की यह टिप्पणी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के उस अनुरोध के बाद आई है जिसमें उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) से अपने खिलाड़ियों की 'सुरक्षा और संरक्षा चिंताओं' का हवाला देते हुए अपने मैचों को भारत से बाहर श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। BCB का यह अनुरोध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा IPL फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बीच 2026 सीजन से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश देने के बाद आया था।

ICC ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए BCB के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनके मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित किया जाए, जो आगे की राह पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। BCB के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने गुरुवार को पुष्टि की कि ICC द्वारा उनके अनुरोध को खारिज करने के बाद भी BCB भारत में अपने ICC पुरुष वर्ल्ड कप मैच न खेलने के अपने फैसले पर कायम है। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक बांग्लादेश 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान शुरू करेगा।

लिटन दास की कप्तानी वाली टीम इसके बाद 9 फरवरी को उसी जगह पर इटली का सामना करेगी, जिसके बाद वह फिर से कोलकाता में इंग्लैंड से खेलेगी। इंग्लैंड का सामना करने के बाद बांग्लादेश वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलने के लिए मुंबई जाएगा।

टी20 विश्वकप के लिए टीम नहीं भेजे जाने के फैसले से निराश हैं बांग्लादेशी खिलाड़ी

मुम्बई । बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा कारणों से टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत भेजने से इंकार कर दिया है। इससे बांग्लादेश की टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया है। ऐसे में अब स्कॉटलैंड को विश्वकप में जगह मिल सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार के इस फैसले से बांग्लादेश के क्रिकेटर खुश नहीं हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप नहीं खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे बात नहीं की थी। खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके से है। इसमें खिलाड़ियों से बात करने की जगह आदेश दिये गये। इससे खिलाड़ियों को लगा कि वे फैसले का हिस्सा नहीं बने। बोर्ड न हालांकि खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी पर उसमें कुछ नहीं हुआ।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : अल्काराज और सबालेंका चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न । विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की। स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज यहां करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी माउटेट से मिली चुनौती से निपटते हुए 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की। अल्काराज ने कोर्ट पर टीवी इंटरव्यू में कहा, 'जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए। शानदार अंक जुटाए।' अल्काराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने के कारण अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम कर लिए थे। महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से हराया। सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं। सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है। अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको के खिलाफ होगा जिन्होंने 14वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टौसन को 7-6 (5), 5-7, 6-3 से हराया।

बाबर बीबीएल से हटे , डेनियल ह्यूजेस शामिल

सिडनी । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) से हट गये है। बाबर बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स से खेल रहे थे। ऐसे में सिडनी सिक्सर्स ने बाबर की जगह पर डेनियल ह्यूजेस को शामिल किया है। टीम ने कहा कि बाबर फाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम से खेलने की तैयारी के लिए पाकिस्तान लौट रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल ह्यूजेस सीधे सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। सिक्सर्स ने कहा, आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले बाबर को पाकिस्तान बोर्ड ने नेशनल कैंप में शामिल होने के लिए वापस बुलाया था, इसी कारण उन्हें जाना पड़ रहा है। उनकी कमी बीबीएल 15 फाइनल सीरीज़ के शेष मैचों में रहेगी।। वहीं बाबर ने लीग में रहने के दौरान अपने समर्थन के लिए सभी प्रशंसकों का आभार जताया है। बाबर ने सोशल मीडिया में कहा, सबसे पहले मुझे अवसर देने के लिए सिडनी सिक्सर्स का बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी लड़कों और सभी कोचों के साथ मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया। हालांकि अब मुझे नेशनल ड्यूटी के लिए टीम छोड़नी पड़ रही है। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे बहुत सी चीजें घर वापस ले जानी हैं। बहुत सी सकारात्मक बातें जिनका मैंने इसका बहुत आनंद लिया। सिडनी सिक्सर्स के प्रशंसकों को में धन्यवाद देता हूं। मैंने सिडनी क्रिकेट मैदान में उस माहौल का बहुत आनंद लिया, इसलिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बाबर का प्रदर्शन लीग में कुछ खास नहीं रहा। वह 11 मैचों में केवल 202 रन ही बना पाये। उनका स्ट्राइक रेट केवल 103.06 का रहा।

जसप्रीत बुमराह के अंतररष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे, स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धियों पर डालें नजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बुमराह ने लिखा, 'उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता।' उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं।

बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है।

उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है। उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

भारत-ईयू का वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने की जरूरत पर जोर दिया

-जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ की बातचीत

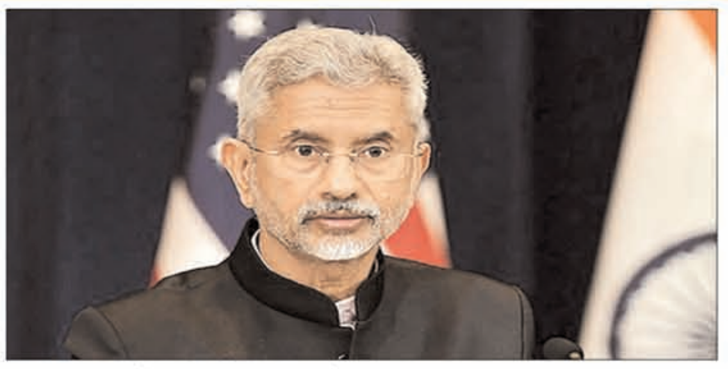

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ बातचीत में मजबूत व्यापार, आवाजाही और सुरक्षा साझेदारी के जरिये वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने की जरूरत पर जोर दिया। यह बैठक 27 जनवरी को प्रस्तावित भारत-ईयू शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखकर की गई। 27 जनवरी को होने वाली बैठक में दोनों पक्षों की तरफ से व्यापार समझौते के निष्कर्षों की घोषणा करने और समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने वाली एक नई सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

भारत और ईयू छात्रों, मौसमी श्रमिकों, शोधकर्ताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही सुविधाजनक बनाने और अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने व्यापक गतिशीलता ढांचे पर एक समझौते की योजना बना रहे हैं। दोनों पक्ष 'सूचना समझौते की सुरक्षा' पर एक और समझौता करने की तैयारी भी कर रहे हैं। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईयू के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ अपनी बैठक में उन्होंने 'दुनिया की वर्तमान स्थिति के बारे में बात की जिसमें अस्थिरता अब एक आम बात हो गई है।

विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक ऐसे मजबूत भारत-ईयू सहयोग पर जोर दिया जो लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम से बचाएगा और मानवीय प्रतिरोध और आपदा राहत एवं अन्य सहायता प्रदान कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत-ईयू को 'मजबूत व्यापार, गतिशीलता और सुरक्षा साझेदारी के जरिए वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने की जरूरत है। जयशंकर ने कहा कि वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की नई दिल्ली यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। दोनों गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि भी होंगे। उन्होंने कहा कि ईयू के नेतृत्व की नई दिल्ली यात्रा की तैयारियां अच्छी तरह चल रही हैं लेकिन चुनौतियां भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ईयू भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है और उन्होंने भारत को यूरोप के आर्थिक लचीलेपन के लिए 'अनिवार्य' बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने संयुक्त बयान और एजेंडे पर इस उद्देश्य के साथ काम किया है कि शिखर सम्मेलन से 'भू-राजनीतिक' परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए ठोस नतीजा निकले।

वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को पेश करेंगी लेखा-जोखा, मिडिल क्लास और हेल्थकेयर पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करेंगी। पिछले बजट में नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर बड़ी राहत दी गई थी, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार प्रत्यक्ष कर में बहुत बड़े बदलाव की संभावना कम है। हालांकि, मध्यम वर्ग को उम्मीद है कि सरकार मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) या अन्य रियायतों के जरिए कुछ अतिरिक्त लाभ दे सकती है ।बजट 2026 में सरकार का मुख्य फोकस हेल्थकेयर, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस सेक्टर पर रहने की उम्मीद है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए टियर-2 शहरों में नए मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की स्थापना के साथ-साथ प्रिवेंटिव केयर पर निवेश बढ़ाया जा सकता है। वहीं, रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए नई वंदे भारत ट्रेनों, फ्रेट कॉरिडोर और ट्रैक विस्तार पर बड़े आवंटन की संभावना जताई जा रही है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे और सरकारी योजनाओं के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित होगा, जिससे आम जनता और उद्योग जगत दोनों को संतुलित राहत मिल सके।

स्टालिन की केंद्र को सीधी चुनौती, मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ प्रस्ताव पारित

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा पेश किए प्रस्ताव को पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध किया गया। प्रस्ताव में केंद्र से आग्रह किया गया कि वहां इस योजना में महात्मा गांधी का नाम बनाए रखे और ग्रामीण रोजगार के लिए वास्तविक मांग के आधार पर पर्याप्त और स्थिर निधि आवंटन सुनिश्चित करे। स्टालिन सरकार के प्रस्ताव में योजना के महत्व को महिलाओं, दिव्यांगजनों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए उजागर किया गया, जिन्हें इसके प्रमुख लाभार्थी बताया गया। इसके अलावा, केंद्र सरकार की निधि आवंटन की मनमानी प्रक्रिया की आलोचना कर इस वास्तविक काम की मांग पर आधारित किया जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही, प्रस्ताव में राज्य सरकार के योगदान को 40 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रस्तावित कदम पर भी आपत्ति जाहिर की गई। इस कदम को राज्य के वित्तीय दबाव और ग्रामीण आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला बताया गया। विधानसभा में इस मुद्दे पर काफी तनावपूर्ण माहौल रहा और प्रस्ताव पारित हुआ। इससे पहले, राज्यपाल आर.एन. रवि ने डीएमके सरकार द्वारा तैयार किए गए पाठ को गलतियों का हवाला देकर पढ़ने से इंकार किया था, इससे विधानसभा में एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। सीएम स्टालिन ने राज्यपाल पर संवैधानिक प्रावधानों और विधायी परंपराओं की अवहेलना करने का आरोप लगाकर कहा कि यदि ऐसी घटनाएं जारी रहीं, तब डीएमके संसद में संवैधानिक संशोधन लाने के लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों से परामर्श करेगी।

यूपी समेत कई राज्यों में ठंड के बीच हो सकती है बारिश, आईएमडी ने किया अलर्ट जारी

-जम्मू और कश्मीर में बर्फबारी जारी, मैदानी इलाकों में चली तेज हवाएं

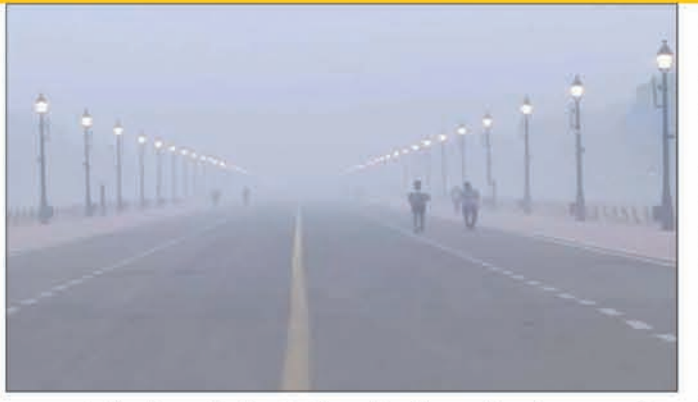

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड के बीच कुछ हिस्सों समेत भारत के कई राज्यों में बारिश हो सकती है। आईएमडी ने शुक्रवार को अलर्ट जारी किया है। वहीं इस सप्ताह उत्तर पश्चिम के राज्य में न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है, जिसके चलते ठंड बढ़ सकती हैं। वहीं दिल्ली में भी ठंड की संभावनाएं हैं। इधर, जम्मू और कश्मीर में बर्फबारी फिर से शुरू हो गई। आईएमडी ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान दो दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं इसके बाद चार दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ने के आसार हैं।

उत्तर-पश्चिम में मुख्य रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख गिने जाते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 23 जनवरी को हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। ऐसा ही मौसम जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देखा जा सकता है। वहीं, 23 और 24 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश हो सकती है। 23 जनवरी को हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और यूपी में तेज हवाएं और गरजन हो सकती है। साथ ही इस दौरान ओलावृष्टि भी दर्ज की जा सकती है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल में 25 और 26 जनवरी, केरल और माहे में 26 जनवरी को बारिश होने की संभावना है। 25 और 26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में सुबह और रात के समय घना कोहरा छा सकता है। राजस्थान में 24 से 26 जनवरी तक उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में 24 जनवरी तक घना कोहरा बने रहने के आसार हैं। 23 जनवरी को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में शीत लहर चल सकती है। बता दें गुरुवार को वैष्णो देवी मंदिर क्षेत्र में पहली बर्फबारी दर्ज की गई। इसके चलते त्रिकुटा पहाड़ी पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। कश्मीर घाटी के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग और कुछ अन्य क्षेत्रों में गुरुवार को बर्फबारी हुई, वहीं श्रीनगर और अन्य मैदानी इलाकों में तेज हवाएं चलीं।

अधिकारियों के मुताबिक उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में गुरुवार देर शाम से बर्फबारी शुरू हो गई। गुलमर्ग में कुछ इंच बर्फ जमा हो गई है। मौसम विभाग ने कहा था कि घाटी के मैदानी इलाकों समेत व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। शिमला में करीब तीन महीने बाद शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में भी बर्फबारी हो रही है, जिनमें राज्य का एक अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थल मनाली भी शामिल है। स्थानीय मौसम केंद्र ने भारी बर्फबारी और बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। प्रशासन ने कहा कि चौपाल समेत जिले के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी जारी है, जिसके कारण चौपाल-देहा सड़क पर यातायात बाधित हो गया है।

अपेक्षित सम्मान न मिलने से थरूर नाराज ! दिल्ली बैठक से बनाई दूरी

-लिटरेचर फेस्टिवल में गए, यह एशिया का सबसे बड़ा साहित्य महोत्सव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस में अंदरुनी कलह थम नहीं रही है। पिछले कुछ मामलों में तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर इसके केंद्र में रहे हैं। सूत्रों की मानें तो शशि थरूर राहुल गांधी से खुश नहीं हैं और वे शुक्रवार को दिल्?ली में पार्टी की होने वाली एक अहम बैठक में शामिल नहीं होंगे। शशि थरूर के ऑफिस की तरफ से इस बाबत बयान जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि शशि थरूर शुक्रवार को दिल्ली में होने वाली केरल कांग्रेस की अहम चुनावी तैयारी बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। उनके कार्यालय ने कहा कि वे केरल लिटरेचर फेस्टिवल के लिए कालीकट में हैं, जो एशिया का सबसे बड़ा साहित्य महोत्सव है। उन्होंने पार्टी को पहले ही सूचित कर दिया था कि वह बैठक में शामिल नहीं होंगे।

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर और पार्टी नेतृत्व के बीच बढ़ती दूरी एक बार फिर चर्चा में है। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी के हालिया कोच्चि दौरे में उन्हें अपेक्षित सम्मान न मिलने से थरूर नाराज हैं और इस कारण वह शुक्रवार को होने वाली कांग्रेस की अहम बैठक में शामिल नहीं होंगे। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत केरल इकाई के सीनियर लीडर राज्य में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करने वाले हैं।

जानकारी के मुताबिक शशि थरूर के इस फैसले को पार्टी के अंदर चल रही असहजता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि कोच्चि दौरे के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्हें पर्याप्त मंच नहीं मिला, जिससे वे आहत हैं। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों का कहना है कि थरूर की नाराजगी काफी समय से अंदरखाने सुलग रही थी। दरअसल, बीते कुछ महीनों में थरूर के कुछ बयान और सोशल मीडिया पोस्ट पार्टी नेतृत्व को असहज करने वाले रहे हैं।

बात दें पीएम मोदी और केंद्र सरकार के कुछ कदमों की सराहना करते हुए उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर ऐसी टिप्पणियां कीं, जिन्हें कांग्रेस की आधिकारिक लाइन से अलग माना गया। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाइयों पर थरूर की टिप्पणियों को भी पार्टी के भीतर अलग नजरिए के तौर पर देखा गया। इस बीच गुरुवार को थरूर ने पूर्व बीजेपी सांसद और मौजूदा भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर के साथ एक सेल्फी साझा की, जिसमें उन्होंने गंभीर के काम की सराहना करते हुए लिखा कि भारत में प्रधानमंत्री के बाद यह दूसरा सबसे कठिन काम है।

बिहार कांग्रेस के छह विधायक पार्टी छोड़ने को तैयार, खड़गे ने दिल्ली में बुलाई आपात बैठक

-दिल्ली-पटना बैठकों के जरिए विधायकों को साधने और पार्टी को टूट से बचाने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। बिहार कांग्रेस में बवाल मचा है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब पार्टी के सभी छह विधायक पार्टी छोड़ने को है। पार्टी में टूट की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के ये सभी विधायक सीएम नीतीश कुमार के संपर्क में हैं और जेडीयू में शामिल हो सकते हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाई है।

यह बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर होगी। बैठक में खड़गे के साथ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रभारी कृष्णा अलावरु भी बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा बिहार कांग्रेस के सभी विधायक और सांसदों को बैठक में बुलाया गया है।

बता दें नवंबर 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने जबरदस्त जीत हासिल की थी। वहीं विपक्षी महागठबंधन सिर्फ 35 सीटों पर सिमट गया था जिसमें आरजेडी को 25 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन सिर्फ 6 सीटें ही जीत पाई थी। कांग्रेस के जिन छह विधायकों के पार्टी छोड़ने की चर्चा है, उनमें मनीहारी से मनोहर प्रसाद सिंह, वाल्मीकिनगर से सुरेंद्र प्रसाद, चनपटिया से अभिषेक रंजन, अररिया से अबीदुर रहमान, किशनगंज से मोहम्मद कमरूल होदा और फारबिसगंज से मनोज बिस्वास शामिल हैं। अगर ये सभी विधायक कांग्रेस छोड़ते हैं तो पार्टी बिहार विधानसभा में शून्य हो जाएगी। पार्टी के अंदर असंतोष के संकेत पिछले कई हफ्तों से नजर आ रहे थे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक सभी छह विधायक पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं। पटना के सदाकत आश्रम में आयोजित पारंपरिक 'दही-चूड़ा' समारोह में भी कोई विधायक शामिल नहीं हुआ। इसके अलावा 8 जनवरी को राज्य कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम द्वारा बुलाई गई 'मनरेगा बचाओ' अभियान की बैठक में भी दो विधायक-सुरेंद्र प्रसाद और अभिषेक रंजन गैरहाजिर रहे।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि अभिषेक रंजन पिछले कुछ समय से करीब सभी कार्यक्रमों से नदारद रहे हैं। इससे यह संकेत और मजबूत हो गया है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। अब सबकी निगाहें राहुल गांधी की दिल्ली बैठक और पटना में होने वाली बैठक पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इन बैठकों में विधायकों को साधने और पार्टी को टूट से बचाने की कोशिश की जाएगी। अगर कांग्रेस नेतृत्व स्थिति संभालने में नाकाम रहा, तो बिहार की राजनीति में एक बड़ा सियासी उलटफेर हो सकता है।

पंजाब कांग्रेस में मची खींचतान के बीच शीर्ष नेतृत्व ने चेताया, कहा- सार्वजनिक बयानबाजी की तो होगी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेतृत्व ने साफ़ कर दिया कि पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। साथ ही पार्टी ने नेताओं को सखूत हिदायत दी है कि संगठन से जुड़े किसी भी मुद्दे पर सार्वजनिक मंचों, मीडिया या सोशल मीडिया में बयान न दें। ऐसे सभी विषय केवल पार्टी के आंतरिक मंचों और उच्च नेतृत्व के समक्ष ही रखे जाएं। उल्लेखनीय है प्रदेश के नेताओं के बीच मची खींचतान से शीर्ष नेतृत्व इस बार तुरंत अलर्ट हुआ। प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने आलाकमान से दखल की अपील की। लिहाजा, राज्य के बड़े नेताओं को दिल्ली तलब कर लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, पंजाब प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। पंजाब से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, राणा के.पी. सिंह, विजय इंदर सिंगला और डॉ. अमर सिंह ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में पंजाब के सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपने-अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि बैठक बेहद सकारात्मक और उपयोगी रही, जिसमें पार्टी को ज़मीनी स्तर पर मज़बूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

नेतृत्व परिवर्तन से जुड़े सवाल पर वेणुगोपाल ने दो टूक कहा कि पंजाब में नेतृत्व बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी नेतृत्व पूरी तरह एकजुट है और संगठन को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अनुशासन पर ज़ोर देते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी नेता पार्टी के आंतरिक मामलों पर मीडिया या सोशल मीडिया में बयान जारी नहीं करेगा। ऐसे सभी मुद्दे केवल पार्टी के मंचों पर ही उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पंजाब के करीब 30 नेताओं द्वारा हाईकमान से मिलने का समय मांगे जाने के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि व्यक्तिगत हैसियत में कोई भी नेता हाईकमान के किसी भी सदस्य से मिलने के लिए स्वतंत्र है। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाज़ी को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। दलितों और वंचित वर्गों को प्रतिनिधित्व दिए जाने के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के सभी वंचित और हाशिए पर पड़े वर्गों–अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को देशभर में उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने भी बैठक को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि चर्चा करीब तीन घंटे तक चली और इसमें राज्य की राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम जनभावना यह है कि लोग कांग्रेस को दोबारा सत्ता में देखना चाहते हैं। बघेल ने भी दोहराया कि पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाज़ी या अनुशासनहीनता को सख्ती से रोका जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने सिख फॉर जस्टिस के आतंकी पन्नु पर दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 से पहले दिल्ली में अशांति फैलाने की धमकियों के मामले में एफआईआर दर्ज की। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 196, 197, 152 और 61 के तहत यह कार्रवाई की। ये धाराएँ भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ कृत्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले अपराधों से संबंधित हैं। एफआईआर सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद दर्ज की गई, जिसमें पन्नू ने कथित तौर पर रोहिणी और डाबरी इलाकों में खालिस्तान समर्थक पोस्टर चिपकाने की धमकी दी थी। पुलिस ने तलाशी और वेरिफिकेशन के दौरान इन इलाकों में अब तक किसी पोस्टर की पुष्टि नहीं की।जांच अब वीडियो के स्रोत और पन्नू के दावों के पीछे के इरादों पर केंद्रित है। इसी बीच गुरुवार को क्रोएशिया के जाग्रेब में भारतीय दूतावास में खालिस्तानी कार्यकर्ताओं द्वारा घुसपैठ की गई और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को नुकसान पहुँचाया गया। विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों की पहचान कर उन्हें जवाबदेह ठहराने की बात कही। वीडियो में दिखाया गया कि 22 जनवरी को कार्यकर्ता ने दूतावास परिसर में भारतीय ध्वज हटाकर खालिस्तान का झंडा लगाया।

अहमदाबाद और नोएडा के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद के प्रतिष्ठित स्कूलों सेंट जेवियर्स और संत कबीर को ई-मेल के जरिए शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और स्कूल परिसरों की गहन जांच की। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। स्कूल प्रशासन ने अभिभावकों को सूचित करते हुए बच्चों को सुरक्षित ड्रॉप-ऑफ स्थान से लेने का निर्देश दिया। नोएडा के शिव नादर स्कूल को भी ई-मेल के माध्यम से धमकी मिली। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्कूल परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ई-मेल फर्जी प्रतीत हो रहा है, लेकिन हर पहलू से जांच जारी है। यह पहली बार नहीं है जब नोएडा के स्कूलों को इस तरह की धमकियां मिली हों। पुलिस और साइबर सेल ई-मेल ट्रैसिंग, आईपी एड्रेस और भेजने वाले की पहचान में जुटी हुई है। स्कूल परिसरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस अलर्ट मोड में है। अभिभावकों में लगातार मिल रही धमकियों के कारण चिंता का माहौल है। सुरक्षा जांच के चलते सभी प्रभावित स्कूलों को एक दिन के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया। स्कूल बसों को वापस भेज दिया गया और अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों को निर्धारित ड्रॉप-ऑफ स्थान से ही लें। प्रशासन ने कहा कि छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कश्मीर घाटी में लगातार बर्फबारी से यातायात अस्त-व्यस्त

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में हाल ही में हुई लगातार बर्फबारी ने पूरे इलाके को सफेद चादर में ढक दिया है। श्रीनगर और आसपास के क्षेत्रों में तापमान में तेज गिरावट के साथ ही जनजीवन प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोग ठंड और बर्फ के कारण घरों में सीमित रहने को मजबूर हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि भारी बर्फबारी अभी कुछ दिन तक जारी रह सकती है। श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खराब दृश्यता और रनवे पर जमी बर्फ के कारण कई उड़ानों को रद्द या देर से संचालित होना पड़ा। एयरलाइंस ने यात्रियों से लगातार संपर्क में रहने की अपील की। हालांकि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने हाल ही में रनवे से बर्फ हटाने के बाद उड़ानों के धीरे-धीरे बहाल होने की संभावना जताई है। भारी बर्फ जमने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, मुगल रोड और सिंथन रोड कई स्थानों पर बंद हैं। ट्रैफिक पुलिस ने फिसलन और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए वाहनों को रोक रखा है। सड़कें केवल मौसम में सुधार और बर्फ हटाने के बाद ही खोलने का निर्णय लिया जाएगा। बंद सड़क और उड़ानों के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि हवाई किराए में भी वृद्धि हो गई है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्रशासन ने अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

बर्फबारी और भारी वर्षा के कारण माता वैष्णो देवी यात्रा रोकी गई

जम्मू (एजेंसी)। माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सूचना आई है कि बर्फबारी और भारी वर्षा के कारण माता वैष्णो देवी यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी गई है। शुक्रवार को अचानक मौसम में बदलाव के कारण जम्मू-कश्मीर के पर्वतीय क्षेत्रों में ठंड और बारिश का असर बढ़ गया। इस वर्ष पहली बार जम्मू क्षेत्र में इतनी व्यापक बारिश और बर्फबारी देखी गई है। मौसम की मार सबसे अधिक त्रिकूट पर्वत श्रृंखला पर पड़ी, जहां जारी वर्षा और हिमपात के कारण यात्रा मार्ग अत्यधिक फिसलन भरा हो गया हैं। सुरक्षा की दृष्टि से नए श्रद्धालुओं के पंजीकरण पर रोक लगा दी गई है। भवन क्षेत्र में रात भर बारिश और सुबह बर्फबारी होने के कारण माता के भक्तों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गया है। इसके साथ ही भूस्खलन का जोखिम भी बढ़ गया है। इन परिस्थितियों को देखकर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा स्थगित करने का फैसला किया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 36 घंटों तक जम्मू-कश्मीर में मौसम खराब बना रह सकता है। मैदानी इलाकों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी रहने की संभावना है। पटनीटॉप, राजौरी और पूंछ के ऊपरी क्षेत्रों में हिमपात लगातार हो रहा है। कई स्थानों पर भारी बर्फबारी की चेतावनी भी जारी की गई है। श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वे मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थगित रखें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों ने हाई-लेवल अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस से पहले पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों ने हाई-लेवल अलर्ट जारी किया हुआ है। खुफिया इनपुट के अनुसार, आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा पंजाब, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमले या हथियारों की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन खतरों को देखकर सुरक्षा बलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**